दैनिक
लोकप्रदेश

RNI NO. MPHIN/2016/69135

वर्ष-9 | अंक-186 | प्रातः कालीन हिन्दी दैनिक | भोपाल, सोमवार 28 जुलाई 2025 | पृष्ठ-8 | मूल्य-2 रुपये

सुभाष नगर मेट्रो स्टेशन से एम्स तक एवं वापसी में एम्स से आरकेएमपी स्टेशन तक टेस्ट रन भी लिया

भोपालवासियों को मेट्रो ट्रेन की सौगात बहुत जल्द : मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हमारी सरकार भोपालवासियों को बहुत जल्द (अक्टूबर 2025 तक) मेट्रो ट्रेन की अनुपम सौगात दे देने के लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि इंदौर में यात्री मेट्रो सेवा शुरू हो चुकी है। जनता से इसे बहुत अच्छा रिस्पांस मिला है। भोपाल मेट्रो ट्रेन का काम भी तेजी से जारी है। कुछ काम शेष रह गया है, जो डेढ़ से दो महीने में पूरे कर लिए जाएंगे। उन्होंने कहा उन्होंने कहा कि भोपाल मेट्रो का टेस्ट रन चल रहा है। रिसर्च डिजाइन स्टैंडर्ड ऑर्गेनाइजेशन (आरडीएसओ) द्वारा भोपाल मेट्रो निरीक्षण पूरा कर लिया गया है। शीघ्र ही कमिश्नर, मेट्रो रेल सेफ्टी (सीएमआरएस) निरीक्षण के लिए आएंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने की मेट्रो ट्रेन की सवारी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रविवार को भोपाल मेट्रो ट्रेन की सवारी कर इसकी ट्रायल यात्रा (टेस्ट रन) की। मुख्यमंत्री ने तीन डिब्बों वाली मेट्रो ट्रेन में सुभाष नगर स्टेशन से एम्स तक और वापसी में एम्स से आरकेएमपी स्टेशन तक टेस्ट रन लेकर इसमें मौजूद सुविधाओं और खूबियों को जाना। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमारी सरकार नागरिक सुविधाएं बढ़ाने के लिए तेजी से अग्रसर है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने इंदौर और भोपाल शहर को मेट्रो ट्रेन की सौगात दी है। उनके मार्गदर्शन में हमारी सरकार भोपाल मेट्रो ट्रेन का शीघ्र लोकार्पण करने की तैयारी कर रही है।

अक्टूबर 2025 तक मेट्रो शुरू कर देना हमारा लक्ष्य

मेट्रो ट्रेन की सवारी के उपरांत मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आरकेएमपी स्टेशन पर मीडिया को संबोधित कर भोपाल मेट्रो ट्रेन प्रोजेक्ट के बारे में विस्तार से जानकारी दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भोपाल मेट्रो मध्यप्रदेश की प्रगति का प्रतीक है। इस परियोजना को कुल 6941.40 करोड़ रुपए की लागत से विकसित किया जा रहा है। सुभाष नगर स्टेशन से एम्स स्टेशन तक अनुमानित 2225 करोड़ रूपए की लागत से प्रायोरिटी कॉरिडोर बनाया जा रहा है। इसका कार्य अंतिम चरण में है। अक्टूबर 2025 तक इस प्रायोरिटी कॉरीडोर में मेट्रो ट्रेन का संचालन शुरू कर देना हमारा लक्ष्य है। भोपाल मेट्रो के दोनों कॉरिडोर्स (ऑरेंज और ब्लू लाइन) वर्ष 2030 से पहले पूर्ण रूप से चालू कर देने का हमारा रोडमैप तैयार है।

हरिद्वार के मनसा देवी मंदिर में भगदड़, 6 की मौत

मंदिर से 25 सीढ़ी पहले हादसा, 29 घायल; चश्मदीद बोला- तार में करंट उतरा, पुलिस बोली- ये अफवाह

हरिद्वार. हरिद्वार के मनसा देवी मंदिर में रविवार सुबह 9:15 बजे भगदड़ मच गई। इसमें 6 लोगों की मौत हो गई, जबकि 29 लोग घायल हैं। यह मंदिर पहाड़ के ऊपर बना हुआ है और यहां पहुंचने के लिए करीब 800 सीढ़ियां चढ़नी होती हैं। एक चश्मदीद संतोष कुमार ने बताया कि मंदिर पहुंचने के लिए करीब 25 सीढ़ियां बची थीं, तभी हादसा हुआ। रविवार को भीड़ बहुत ज्यादा थी। इस बीच कुछ लोग वहां लगे तार को पकड़कर आगे बढ़े। इस दौरान कुछ तार छिल गए और उनमें करंट आ गया। इससे अफरा-तफरी मच गई और सीढ़ियों पर गिरने से लोग मारे गए।इधर, हरिद्वार पुलिस ने मंदिर में करंट फैलने की बात को अफवाह बताया। गढ़वाल डिवीजन के कमिश्नर विनय शंकर पांडे ने कहा कि मंदिर में भारी भीड़ जुटने की वजह से हादसा हुआ। हरिद्वार SSP प्रमेंद्र सिंह डोभाल ने कहा- मनसा देवी मंदिर में भगदड़ में 35 लोगों के घायल होने की सूचना मिली थी। इन्हें अस्पताल लाया गया, लेकिन 6 लोगों की मौत हो गई। बाकी का इलाज चल रहा है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह बोले-

संसाधन प्रबंधन ऑपरेशन सिंदूर की सफलता में एक निर्णायक कारक था

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को वडोदरा स्थित गति शक्ति विश्वविद्यालय (जीएसवी) के दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि सशस्त्र बलों को जुटाने से लेकर सही समय और स्थान पर उपकरण पहुंचाने तक हमारी एजेंसियों द्वारा निर्बाध संसाधन प्रबंधन ऑपरेशन सिंदूर की सफलता में एक निर्णायक कारक था। आज के युग में युद्ध केवल बंदूकों और गोलियों से नहीं जीते जाते, बल्कि उनको समयबद्ध पहुंचाने से जीते जाते हैं और ऑपरेशन सिंदूर उत्कृष्ट लॉजिस्टिक्स प्रबंधन का एक सजीव उदाहरण था। उन्होंने कहा कि लॉजिस्टिक्स को सामरिक महत्व से देखा जाना चाहिए, न कि केवल सामान पहुंचाने की प्रक्रिया के रूप में। चाहे सीमा पर लड़ रहे सैनिक हों या आपदा प्रबंधन में लगे कर्मचारी, समन्वय या संसाधनों के उचित प्रबंधन के बिना, सबसे मजबूत इरादे भी कमजोर पड़ जाते हैं। लॉजिस्टिक्स वह शक्ति है, जो अराजकता को नियंत्रण में बदल देती है। शक्ति का मापदंड केवल हथियारों से ही नहीं, बल्कि समय पर संसाधन प्रबंधन से भी होता है।

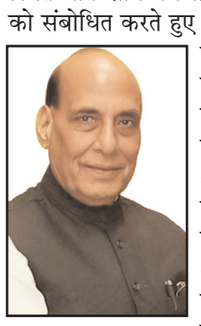

तमिलनाडु के गंगईकोंड चोलपुरम मंदिर पहुंचे पीएम मोदी-चोल राजा की 1000वीं जयंती पर कहा-

जब ऊं नमः शिवाय सुनता हूं तो रोंगटे खड़े हो जाते हैं

चेन्नई। प्रधानमंत्री के तमिलनाडु दौरे का आज दूसरा दिन है। रविवार दोपहर 12 बजे पीएम मोदी ने त्रिची में होटल से लेकर एयरपोर्ट तक रोड शो किया। इसके बाद वे अरियालुर के गंगईकोंड चोलपुरम मंदिर पहुंचे। पीएम यहां चोल सम्राट राजेंद्र चोल प्रथम की 1000वीं जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम में पीएम मोदी ने कहा- यह राजराजा की आस्था की भूमि है और इलैयाराजा ने इस आस्था की भूमि पर हम सभी को शिव भक्ति में डुबो दिया है। मैं काशी से सांसद हूं। और जब मैं ऊं नम: शिवाय सुनता हूं, तो रोंगटे खड़े हो जाते हैं। पीएम ने आगे कहा- इतिहासकार मानते हैं कि चोल साम्राज्य का दौर भारत के स्वर्णिम युगों में से एक था।भारत की परंपरा को भी चोल साम्राज्य ने आगे बढ़ाया था। मैं राजा राजेंद्र चोल को नमन करता हूं। मुझे भगवान बृहदेश्वर के चरणों में उपस्थित होकर पूजा करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। मैंने इस ऐतिहासिक मंदिर में 140 करोड़ भारतीयों के कल्याण और भारत की निरंतर प्रगति के लिए प्रार्थना की है। मेरी कामना है कि सभी को भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त हो। चोल साम्राज्य का विस्तार सिर्फ भारत तक ही सीमित नहीं था, बल्कि उन्होंने समुद्र पार भी भारत की समृद्ध संस्कृति और ताकत को पहुंचाया। यह भारत के प्राचीन सामर्थ्य और दूरदर्शी नेतृत्व का प्रतीक है। ये भी एक संयोग है कि मैं कल ही मालदीव से लौटा हूं और आज तमिलनाडु में इस कार्यक्रम का हिस्सा बना हूं।

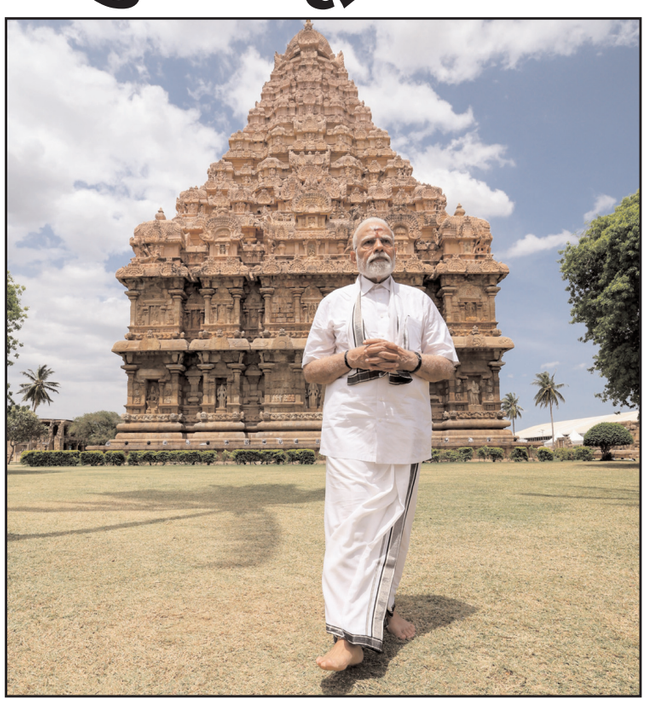

चोल प्रथम के सम्मान में जारी किया स्मृति सिक्का

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तमिलनाडु में ऐतिहासिक चोल सम्राट राजेंद्र चोल प्रथम को श्रद्धांजलि देते हुए उनके सम्मान में एक विशेष स्मृति सिक्का जारी किया। यह सिक्का सम्राट के महान योगदान और भारत के गौरवशाली इतिहास को सम्मान देने के उद्देश्य से जारी किया गया है।

अरियालुर में तिरुवथिरई महोत्सव मनाया जा रहा

राजेंद्र चोल की जयंती पर अरियालुर में 23 जुलाई से 27 जुलाई तक आदि तिरुवथिरई महोत्सव मनाया जा रहा है। यह कार्यक्रम राजेंद्र चोल के दक्षिण पूर्व एशिया के समुद्री अभियान के 1,000 साल पूरे होने और गंगईकोंड चोलपुरम मंदिर के निर्माण की शुरुआत का भी प्रतीक है। इस मौके पर पीएम मोदी राजेंद्र चोल के सम्मान में एक सिक्का भी जारी करेंगे। केंद्र सरकार के प्रेस रिलीज के मुताबिक, आदि तिरुवथिरई उत्सव में पीएम मोदी के साथ तमिल शैव मठों के प्रमुख (अधीनम) भी शामिल होंगे। 2023 में दिल्ली में नए संसद भवन के उद्घाटन के अवसर पर सेंगोल की स्थापना के समय 19 अधीनमों ने भाग लिया था।

राज ठाकरे 6 साल बाद उद्धव के घर पहुंचे

जन्मदिन की बधाई दी; 22 दिन पहले दोनों एक मंच पर थे, ऐसा 20 साल बाद हुआ था

मुंबई. महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना चीफ राज ठाकरे रविवार को 6 साल बाद उद्धव ठाकरे के घर मातोश्री पहुंचे। इस दौरान राज ने शिवसेना चीफ उद्धव ठाकरे को गले लगाया और बुके देकर जन्मदिन की बधाई दी। इससे पहले आखिरी बार 6 साल पहले 2019 में राज ठाकरे मातोश्री गए थे। उन्होंने उद्धव परिवार को अपने बेटे अमित की शादी में आने का न्योता दिया था। वहीं, औपचारिक रूप से राज 2012 में मातोश्री गए थे।

उस समय बालासाहेब ठाकरे बीमार थे। 5 जुलाई को 20 साल बाद उद्धव और राज मुंबई के वर्ली डोम में एक रैली के दौरान साथ नजर आए थे। इस मौके पर दोनों की तरफ से आगे साथ मिलकर राजनीति करने के संकेत दिए गए थे।

अमेरिकी जनरल कुरिल्ला को पाक का सबसे बड़ा सैन्य सम्मान

पाकिस्तान को आतंकवाद से लड़ने वाला कहा था, भारत ने विरोध जताया था

इस्लामाबाद. पाकिस्तान ने अमेरिका के सेंट्रल कमांड प्रमुख जनरल माइकल कुरिल्ला को देश के सबसे बड़े सैन्य सम्मान निशान-ए-इम्तियाज से नवाजा है। यह सम्मान इस्लामाबाद में राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक समारोह में राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने दिया। जनरल कुरिल्ला को यह सम्मान क्षेत्रीय शांति को बढ़ावा देने और पाकिस्तान-अमेरिका सैन्य संबंधों को मजबूत करने के लिए दिया गया। जनरल कुरिल्ला ने पाकिस्तान के राष्ट्रपति जरदारी और सेना प्रमुख असीम मुनीर से मुलाकातें कीं।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस सम्मान के जरिए पाकिस्तान, अमेरिका के लिए अपनी वफादारी जाहिर कर रहा है। जनरल कुरिल्ला ने पिछले महीने पाकिस्तान को आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में मजबूत सहयोगी बताया था।

अनिल अंबानी की कंपनियों पर ईडी की कार्रवाई पूरी

3 दिन में 35 जगहों पर छापेमारी; 3000 करोड़ के लोन में धोखाधड़ी का आरोप

नई दिल्ली. प्रवर्तन निदेशालय की अनिल अंबानी के रिलायंस ग्रुप से जुड़े 35 से ज्यादा जगहों पर छापेमारी रविवार को पूरी हो गई है। ये कार्रवाई 24 जुलाई को शुरू हुई थी, जो तीन दिन तक चली। रेड में करीब 50 कंपनियां शामिल हैं। 25 से ज्यादा लोगों से भी पूछताछ की गई है। रिलायंस ग्रुप की कंपनियों रिलायंस पावर और रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर ने रविवार को एक्सचेंज फाइलिंग के जरिए दोनों कंपनियों ने स्टॉक एक्सचेंज को बताया कि इस कार्रवाई का उनके बिजनेस, वित्तीय प्रदर्शन या शेयरहोल्डर्स पर कोई असर नहीं पड़ेगा। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यस बैंक से लिए 3000 करोड़ रुपए के लोन धोखाधड़ी मामले में दिल्ली और मुंबई में रेड की गई थी।

भारतीय सेना ने दो इन्फैंट्री ब्रिगेड को रुद्र ब्रिगेड में किया तब्दील

नई दिल्ली (एजेंसी)

भारतीय सेना आज न सिर्फ मौजूदा चुनौतियों से लड़ रही है, बल्कि एक आधुनिक और भविष्य के लिए तैयार शक्ति बनने की ओर तेजी से बढ़ रही है। इस कड़ी में सेना ने दो इन्फैंट्री ब्रिगेड को रुद्र ब्रिगेड में तब्दील कर दिया है, जो सीमाओं पर तैनात हैं। साथ ही, नई भैरव लाइट कमांडो बटालियन का गठन भी हुआ है, जो दुश्मन को चौंका देने के लिए तैयार हैं। ये बदलाव भारत की रक्षा को नई ऊंचाई देने वाले हैं। भारतीय सेना का रुद्र ब्रिगेड और भैरव लाइट कमांडो बटालियन नई क्रांति की शुरुआत है। ड्रोन, मिसाइल और स्पेशल फोर्स के साथ ये यूनिट्स सीमाओं पर दुश्मन को मात देने के लिए तैयार हैं। स्वदेशी तकनीक और आधुनिकीकरण से भारत एक सैन्य सुपरपावर बनने की राह पर है। गौरतलब है ये बदलाव भारत को दुनिया में सबसे मजबूत बनाएंगे।

रुद्र ब्रिगेड नई लड़ाकू ताकत

रुद्र ब्रिगेड सेना की नई अवधारणा है, जिसमें अलग-अलग तरह की फाइटिंग यूनिट्स को एक साथ मिलाया गया है। ये ब्रिगेड सीमाओं पर तैनात हैं। दुश्मन के खिलाफ पूरी ताकत से लड़ने के लिए तैयार हैं। इसमें शामिल हैं।

- **इन्फैंट्री:** पैदल सैनिक, जो जमीन पर मोर्चा संभालते हैं।
- **मैकेनाइज्ड इन्फैंट्री:** बख्तरबंद गाड़ियों से लैस सैनिक।
- **आर्मर्ड यूनिट्स:** टैंक और भारी हथियार।
- **आर्टिलरी:** तोपखाने, जो दूर से हमला करते हैं।
- **स्पेशल फोर्सेज:** खास मिशन के लिए ट्रेनिंग पाए सैनिक।
- **यूएवी (ड्रोन):** बिना पायलट वाले हवाई हथियार, जो जासूसी और हमले करते हैं।

रक्षा को नई ऊंचाई देने वाला सेना में बदलाव

भैरव कमांडो तेज और घातक

भैरव लाइट कमांडो बटालियन सेना की नई खतरनाक यूनिट है, जो हल्की, तेज और घातक है। ये स्पेशल फोर्सेज की तरह काम करेंगी, लेकिन इनका फोकस सीमाओं पर अचानक हमले और दुश्मन को परेशान करना है।

- **एजाइल:** हल्के हथियार और गियर से लैस, जो पहाड़ों और जंगलों में आसानी से चल सकें।
- **घातक:** छोटे लेकिन शक्तिशाली हथियार, जैसे एमपी5 सबमशीन गन और स्वदेशी ड्रोन बम।
- **सीक्रेट ऑपरेशन:** रात में या कोहरे में दुश्मन पर अचानक हमला करने की ट्रेनिंग।
- **काम:** बटालियन दुश्मन की सप्लाई चैन तोड़ सकती है।

भैरव लाइट कमांडो बटालियन की भी हुई स्थापना

इसी तरह, सीमा पर दुश्मन के छक्के छुड़ाने के लिए एक और घातक विशेष बल इकाइयां, भैरव लाइट कमांडो बटालियन की स्थापना की गई है। जनरल द्विवेदी ने कहा कि भैरव लाइट कमांडो यूनिट से हमारी ताकत कई गुना बढ़ जाएगी। उन्होंने कहा कि अब हर पैदल सेना बटालियन में ड्रोन प्लाटून शामिल हैं, जबकि तोपखाने ने दिव्यास्त्र और लोइटर म्यूनिशन बैटरियों के माध्यम से अपनी मारक क्षमता कई गुना बढ़ा दी है।सेना की वायु रक्षा को स्वदेशी मिसाइल प्रणालियों से लैस किया जा रहा है। वहीं सूत्रों के हवाले से बताया कि दो पैदल सेना ब्रिगेड को पहले ही रुद्र ब्रिगेड में बदल दिया गया है। अब तक, सेना के पास केवल हथियारों से जुड़ी ब्रिगेड ही हुआ करती थीं, लेकिन अब रुद्र ब्रिगेड में हथियारों का मिश्रण होगा। वहीं, सेना प्रमुख ने कारगिल विजय दिवस पर पाकिस्तान को स्पष्ट संदेश देने के लिए ऑपरेशन सिंदूर का हवाला दिया कि आतंकवाद को पनाह देने वाले अब बच नहीं पाएंगे।

ऑपरेशन सिंदूर से पाक को स्पष्ट संदेश

भारतीय सेना के प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने शनिवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान की गई सर्जिकल स्ट्राइक ने पाकिस्तान को एक स्पष्ट संदेश दिया कि आतंकवादियों के समर्थकों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।

यह ऑपरेशन पहलगाम में हुए आतंकी हमले का भी जवाब था, जिसने पूरे देश को गहरे शोक में डाल दिया था। इस बार भारत ने न केवल शोक व्यक्त किया, बल्कि करारा जवाब भी दिया। जनरल द्विवेदी ने यह बात द्रास में कारगिल विजय दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में कही। उन्होंने कहा, दुश्मन को जवाब देना अब न्यू नॉर्मल बन चुका है। विजय दिवस पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी दिल्ली के नेशनल वॉर मेमोरियल पहुंचे। उनके साथ तीनों सेना प्रमुख भी मौजूद थे। राजनाथ सिंह ने शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

कारगिल युद्ध भारतीय वीरता की मिसाल

5 मई 1999 को पाकिस्तान की घुसपैठ के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच कारगिल की पहाड़ियों पर जंग शुरू हुई थी। यह युद्ध लगभग 84 दिनों तक चला और 26 जुलाई 1999 को भारत की विजय के साथ समाप्त हुआ। इस संघर्ष में भारतीय सैनिकों ने अद्वितीय वीरता दिखाई और उनकी बलिदान को याद करते हुए हर साल 26 जुलाई को कारगिल विजय दिवस मनाया जाता है। पीएम मोदी ने लिखा-यह दिन हमारे वीर सपूतों के साहस और बलिदान को याद करता है।

रक्षा मंत्री का संदेश

भारत हमेशा शहीदों का आभारी रहेगा। कारगिल विजय दिवस पर मैं उन वीरों को श्रद्धांजलि देता हूं जिन्होंने कठिन परिस्थितियों में भी देश के सम्मान की रक्षा के लिए असाधारण साहस और दृढ़ संकल्प का परिचय दिया। उनका बलिदान हमारे सशस्त्र बलों के अडिग संकल्प की स्थायी याद है।

संक्षिप्त समाचार

भारतीय सिंधू सभा की राष्ट्रीय बैठक में हिस्सा लेने गोपी मुंबई रवाना

सतना। राष्ट्रीय समाजसेवी संस्था भारतीय सिंधु सभा की राष्ट्रीय प्रतिनिधि सभा की बैठक 27,28 जुलाई को मुंबई में सख्खर सिन्धी पंचायत भवन,वडाला में आयोजित की गई है।सतना शाखा के महामंत्री विनोद गेलानी ने जानकारी देते हुए बताया बैठक भाग लेने के लिए मध्य प्रदेश से 24 सदस्यीय प्रतिनिधि दल आज मुंबई रवाना हुआ जिसमें मुख्य रूप से भगवान दास सबनानी राजेश वाधवानी गुलाब ठाकुरी गोपी गेलानी महेश ठारवानी लालचंद लालवानी सहित मध्य प्रदेश के विभिन्न शहरों से प्रतिनिधि उक्त बैठक में शामिल होंगे।

पत्रकार कल्याण परिषद का अधिवेशन आज

सतना। पत्रकार कल्याण परिषद का प्रांतीय अधिवेशन आज 27 जुलाई को सुबह 11:00 बजे से बूटीबाई स्कूल सभागार जवाहर नगर में राष्ट्रीय अध्यक्ष वेदांती त्रिपाठी के नेतृत्व में आयोजित किया गया है समाज में पत्रकारिता की आवश्यकता और पत्रकार की उपयोगिता विषय पर आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सतना सांसद गणेश सिंह होंगेद्य अध्यक्षता महापौर योगेश ताम्रकार करेंगे। विशिष्ट अतिथि पत्रकार कल्याण परिषद के राष्ट्रीय संयोजक मोहम्मद नईम खान, राष्ट्रीय महासचिव सैयद महमूद अली चिश्ती ,प्रदेश अध्यक्ष दिवाकर विश्वकर्मा , चित्रकूट विधायक सुरेंद्र सिंह गहरवार ,पूर्व महापौर राजाराम त्रिपाठी ,ममता पांडे ,समाजसेवी कमलेश पटेल ,राकेश मिश्रा भाजपा नेता, यूसीएल के प्रेसिडेंट एमपी त्रिपाठी होंगे। इस अवसर पर उत्कृष्ट सेवाओं के लिए शहर के वरिष्ठ चिकित्सक , शिक्षक. , छात्र एवं पत्रकारों को सम्मानित किया जाएगा। गिरीश अग्रवाल, अर्जुन उरमलिया ,महेश तिवारी , हमीद खान ,विनोद अग्रवाल, मयंक देव, सतीश बाबा ,शांतनु त्रिपाठी, राजेश शर्मा ,महेश द्विवेदी ,ऋषि मिश्रा ,सूर्य प्रकाश सिंह ,संदीप बाबा, आशीष मिश्रा साहित सभी सदस्यों ने लोगों से कार्यक्रम में पहुंचने का आग्रह किया।

मुख्यमंत्री ने दी स्व. जीवनदास बागरी को श्रद्धांजलि

सतना। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को सतना जिले के ग्राम हरदुआ पहुंचकर नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी के पितामह स्व. जीवनदास बागरी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर अपनी श्रद्धांजलि दी। उन्होंने दिवगंत आत्मा की शांति के लिये प्रार्थना की और शोक संतृप्त परिजनों से मिलकर ढाढस बंधाया।

भारत व सनातन पर डिजिटल वैचारिक आक्रमण : कैलाश चंद्र

- आरएसएस का सोशल मीडिया सम्मेलन सम्पन्न

नगर संवाददाता, सतना।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र प्रचार प्रमुख श्री कैलाशचंद्र जी ने सरस्वती विद्यालय कृष्णनगर में अपने विचारोत्तेजक उद्बोधन में कहा कि भारत इस समय एक अदृश्य विचारयुद्धसे जूझ रहा है, जिसे हम डिजिटल युद्ध कह सकते हैं। यह युद्ध हथियारों से नहीं, बल्कि सॉफ्टवेयर, एल्गोरिद्म और आभासी नैरेटिव्स से लड़ा जा रहा है – जिसका उद्देश्य है हमारी सनातन चेतना, सांस्कृतिक धरोहर और परंपराओं को कमज़ोर करना यह एक प्रकार का वैचारिक क्षरण है, जिसमें भारतीय संस्कृति को पिछड़ा, सनातन धर्म को रूढ़िवादी और पारिवारिक व्यवस्था को अप्रासंगिक सिद्ध करने का प्रयास किया जा रहा है।

विचारों की गिरफ़्त में युवा मानस और डिजिटल नैरेटिव टूलकिट

सोशल मीडिया के विभिन्न मंचों पर सुनियोजित ढंग से फैलाई जा रही विकृत वैचारिक धाराएँ विशेष रूप से कुछ अंतरराष्ट्रीय प्रभाव से प्रेरित प्रवृत्तियाँ, हमारे युवाओं को अपने ही मूल, संस्कृति और विश्वासों के विरुद्ध खड़ा करने का प्रयास कर रही हैं।

परंपरा से कटा समाज - दिशाहीन उड़ान

श्री कैलाशचंद्र जी ने वर्तमान सामाजिक स्थिति की तुलना कटी पतंग से की – जो ऊँचाई पर तो जाना चाहती है, पर संस्कारों की डोर से कट चुकी है।जब तक समाज गुरुकुल परंपरा, कुटुंब व्यवस्था, और वैदिक मूल्यों से जुड़ा रहता है, तब तक वह स्थिर और संतुलित रहता है।

उपभोक्तावाद और सांस्कृतिक पराधीनता का संकट

उन्होंने कहा कि 1990 के दशक के पश्चात्, पाश्चात्य जीवनशैली के बाह्य आकर्षण और बाज़ार-प्रेरित उत्सवों जैसे वेलेंटाइन डे, प्रॉम डे आदि के माध्यम से एक सांस्कृतिक भ्रमजाल बुना गया है, जो युवाओं को अपने मूल से दूर ले जा रहा है। जहाँ बाज़ार उत्सव का स्रोत बनता है, वहाँ संस्कृति मौन हो जाती है

मर्यादा-हीन स्वतंत्रता' - मूल्यों के क्षरण की ओर

आज की प्रवृत्तियाँ स्वतंत्रता को मर्यादा से मुक्त स्वच्छंदता के रूप में प्रचारित कर रही हैं। करो जो मन चाहे की आड़ में कुछ डिजिटल माध्यम युवाओं को असंतुलित जीवन, अनावश्यक उपभोगवाद, और भ्रामक आकर्षणों की ओर प्रेरित कर रहे हैं। जबकि भारत में स्वतंत्रता का आशय सदा मर्यादा और उत्तरदायित्व से जुड़ा रहा है यही हमारी संस्कृति को परिपक्व बनाता है।

सनातन धर्म समावेशी और संतुलनकारी तत्व

भारत की सामाजिक संरचना में विविधता संगठन का आधार रही है, न कि विभाजन का। कैलाशचंद्र जी ने स्पष्ट किया कि जातीय और धार्मिक वैमनस्य फैलाने वाले कुछ तत्व चाहे वे राजनीतिक हों या बाहरी संस्थाएँ भारतीय समाज की एकता और सनातन तत्त्व को खंडित करने के उद्देश्य से कार्यरत हैं।

हमारा उत्तरदायित्व- सांस्कृतिक रक्षक बनें

हमें आज के डिजिटल युग में एक ऐसा स्वदेशी और मूलनिष्ठ इकोसिस्टम बनाना है, जिसमें सत्य, सनातन और संस्कृति का गूढ़ समन्वय हो। डिजिटल कला, सोशल मीडिया जैसे माध्यमों को राष्ट्रहित के वैचारिक स्तंभ बनाना आज समय की मांग है।

डिजिटल सृजनशीलता- सांस्कृतिक जागरण का आह्वान

श्री कैलाशचंद्र जी ने सभी डिजिटल क्रिएटर्स, व्लॉगर्स, यूट्यूबर्स, डिज़ाइनर्स से आह्वान किया कि वे सनातन मूल्यों पर आधारित प्रेरणादायक, ज्ञानवर्धक एवं गरिमामयी सामग्री का निर्माण करें। जो शक्तियाँ राम और कृष्ण को केवल प्रतीक या कथा रूप में प्रस्तुत करना चाहती हैं, वही शक्तियाँ आज ह्वज्ञज्ञ और सोशल मीडिया पर भ्रमक और मूल्यहीनता को स्वतंत्रता के नाम पर बढ़ावा देती हैं। उन्होंने ऐसी बाज़ार शक्तियों को सूर्पणखा रूपी आकर्षण' की संज्ञा दी – जो अपनी बाहरी भव्यता से समाज की एकता को छिन्न-भिन्न करने का प्रयास करती हैं। यह सम्मेलन मात्र एक संवाद नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक शंखनाद था। यह स्पष्ट हो गया कि सोशल मीडिया केवल मनोरंजन का साधन नहीं, अपितु एक वैचारिक युद्धभूमि बन चुका है जहाँ भारत की संस्कृति, पहचान और सनातन चेतना की रक्षा हमारा दायित्व है। यदि हम समय रहते नहीं जागे, तो हमारी संस्कृति, हमारे मूल्य और सनातन पहचान - उपभोक्तावादी प्रवृत्तियों और विचार-आधारित भ्रमों में विलीन हो जाए।

श्री चित्रगुप्त मंदिर में सुन्दर काण्ड पाठ व भंडारे का आयोजन आज

नगर संवाददाता, सतना।

श्री चित्रगुप्त मंदिर में आनन्द कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई , संचालन सतीश निगम ने किया ,युवा अध्यक्ष राज श्रीवास्तव के अनुसार सावन माह के पावन अवसर पर रविवार 27 जुलाई को श्री चित्रगुप्त मंदिर में सुबह 11बजे से सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया है भगवान भोले नाथ एवं चित्रगुप्त महाराज की पूजन अर्चन तथा महाआरती के पश्चात भंडारे का आयोजन किया जाएगा।

समाज के अध्यक्ष दीपक निगम ने कार्यक्रम के सुचारू रूप से संचालन के लिए आयोजन समिति गठित कर संबंधित पदाधिकारियों को दायित्व सौंपा गया जिसमें आयोजन समिति के संयोजक के रूप में सुयश निगम को शामिल किया गया तथा सह संयोजक के रूप में सुधीर निगम, किशन श्रीवास्तव सृजन निगम दीपांकर खरे स्नेहिल श्रीवास्तव,अंकित खरे हिमांशु निगम, सत्यम श्रीवास्तव को दायित्व सौंपा गया कार्यक्रम में सपरिवार शामिल होने की अपील विष्णु प्रकाश श्रीवास्तव अरविंद निगम,जय श्रीवास्तव जितेन्द्र कुमार रावेंद्र बबलू श्रीवास्तव, डॉ डी के निगम पवन श्रीवास्तव, राजीव अर्गल, संतोष श्रीवास्तव, सचिन श्रीवास्तव ने किया।

कारगिल विजय दिवस पर सतना महाविद्यालय में जोश, प्रेरणा व सम्मान का संगम

नगर संवाददाता, सतना।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय कारगिल विजय दिवस पर महाविद्यालय परिसर राष्ट्रभक्ति, प्रेरणा और नई दिशा से भर उठा। कारगिल विजय साप्ताहिक के अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम ने विद्यार्थियों के दिलों में देश के लिए कुछ कर गुजरने की अलख जगा दी। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता एनसीसी अधिकारी श्री कुलदीप सिंह ने कारगिल के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए बताया कि एक सैनिक केवल युद्ध नहीं लड़ता, वह पूरे राष्ट्र का आत्मबल होता है। उन्होंने भारतीय सेना व अग्निवीर भर्ती प्रक्रिया पर विस्तार से जानकारी दी, जिससे विद्यार्थियों में सेना में जाने का उत्साह दिखाई दिया।

जीवन में अनुशासन और समय का महत्व

प्राचार्य डॉ. एस.सी. राय ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि समय प्रबंधन ही सफलता की पहली सीढ़ी है। पढ़ाई के साथ-साथ अन्य कौशलों में पारंगत होना आज के युवा की जरूरत है। करियर और देशभक्ति का संगम स्वामी विवेकानंद करियर मार्गदर्शन केंद्र के प्रभारी डॉ. पुष्पराज सिंह ने मंच से स्पष्ट संदेश दिया-देशभक्ति केवल भावना नहीं, बल्कि एक जिम्मेदारी है। युवा शक्ति जब राष्ट्रनिर्माण में लगती है, तभी सशक्त भारत का सपना साकार होता है। उन्होंने डॉ. मनोज सिंह, डॉ. ऋषभदेव साकेत, डॉ. गरिमा सिंह, डॉ. अजय कुमार यादव, डॉ. संजय चौरसिया सहित सभी प्राध्यापकों एवं छात्रों का आभार व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम का समापन भारत माता की जय और वंदे मातरम् जैसे गगनभेदी नारों के साथ हुआ, जिसने पूरे परिसर को जोश और गर्व से भर दिया।

अनुभूति फाउंडेशन रोपेगा 1100 पौधे

हरियाली के संकल्प को मिलेगा विस्तार

नगर संवाददाता, सतना।

पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सतत प्रयासरत अनुभूति फाउंडेशन द्वारा इस वर्ष वृहद पौधारोपण अभियान की शुरुआत की जा रही है। प्रथम चरण के अंतर्गत संस्था द्वारा 1100 पौधों का रोपण रविवार दोपहर 3 बजे सतना-रीवा बायपास स्थित आर एस रिसॉर्ट के सामने, बदखर में किया जाएगा।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में मध्यप्रदेश शासन की राज्य मंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी उपस्थित रहेंगी। विशिष्ट अतिथि के रूप में महापौर श्री योगेश ताम्रकार, भाजपा जिला अध्यक्ष भगवती प्रसाद पांडे (सतना), भाजपा जिला अध्यक्ष कमलेश सुहाने (मैहर), हिंदू पर्व समन्वय समिति के अध्यक्ष मणिकांत माहेश्वरी तथा चेंबर ऑफ कॉमर्स अध्यक्ष सतीश सुखेजा शामिल होंगे। सभी अतिथि इस हरित पहल में सहभागिता कर स्वयं पौधारोपण करेंगे तथा पर्यावरण संरक्षण का संदेश आमजन को देंगे। कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर संस्था अध्यक्ष संजय बड़ेरिया की अध्यक्षता में अमृत पार्क में बैठक आयोजित हुई, जिसमें पर्यावरण संयोजक संजय गुप्ता ने बताया कि कार्यक्रम हेतु एनएचएआई से आवश्यक अनुमति प्राप्त कर ली गई है एवं गड्ढों की खुदाई का कार्य प्रारंभ हो चुका है।

संस्था के सचिव पीयूष गुप्ता ने जानकारी दी कि सभी 1100 पौधे उपलब्ध हैं तथा उनकी देखरेख के लिए भी विस्तृत योजना तैयार की गई है। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष संस्था द्वारा 2638 पौधों का रोपण किया गया था, जिनमें से अधिकांश पौधे आज भी सुरक्षित हैं।

बैठक में संस्था के अनेक सक्रिय सेवा मित्र - बजरंग गोयल, श्रीनिवास, डॉ.डी.के. तिवारी, संदीप गुप्ता, श्यामलाल गुप्ता श्यामू, धीरेन्द्र गुप्ता, मुकेश अग्रवाल, हीरामन जैसवाल, हरीश सोनी, अखिलेश कुचया, राजेश शराफ, पप्पू सोनी, गणेश शंकर सारावगी, सचिन गुप्ता, भोला गुप्ता, राम मोहन सिंह, मुकेश केसरवानी, राजेश केसरवानी, राम पांडे, उत्तम प्रधान, प्रमोद कुचया एवं संदीप धूत आदि ने कार्यक्रम को लेकर अपने विचार व सुझाव साझा किए।

संस्था ने नगरवासियों, युवाओं एवं पर्यावरण प्रेमियों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम स्थल पर पहुँचकर इस हरियाली महाअभियान में सहभागी बनें और भावी पीढ़ी को स्वच्छ व हरा-भरा वातावरण प्रदान करने में सहयोग दें। बैठक के अंत में के.के. कुमार ने सभी का आभार व्यक्त किया।

धूमधाम से मनाई गई करपात्री महाराज की जयंती

नगर संवाददाता, सतना।

सर्वभूतहृदय धर्मसम्राट् स्वामिश्री करपात्री जी महाराज के 118 वीं जयन्ती हरे कृष्णा फाउंडेशन सतना के तत्वावधान में भव्य जयंती महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम संयोजक मनोज दुबे अकेला ने बताया कि मुख्तियार गंज स्थित वेंकटेश्वर हाई स्कूल में गोवर्धन मठ शिष्य परिवार द्वारा पूजन, संकीर्तन एवं हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया तदुपरांत संगोष्ठी सभा का आयोजन किया गया।अनेक वक्ताओं ने करपात्री जी महाराज के जीवन दर्शन पर अपने विचार रखे। गोष्ठी को सम्बोधित करते हुए मनोज दुबे अकेला ने कहा कि धर्म सम्राट करपात्री जी का जीवन सनातन धर्म की पुनर्स्थापना के लिए हुआ था वो साक्षात् शिव स्वरूप ही थे इसीलिए उन्हें अभिनव शङ्कर के रूप में ख्याति प्राप्त हुईद्य उनका नाम हरिहरानंद सरस्वती था पर कर को ही पात्र उन्होंने बना लिया यानी हांथ में जितना भोजन आ जाता था उतना ही खाकर संतुष्ट रहते थे इसी लिए उन्हें करपात्री के नाम से ख्याति प्राप्त हुई। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से सुषमा दुबे, आस्था दुबे, नीलम गुप्ता, मुस्कान तिवारी, शिवांगी तिवारी, खुशबु मिश्रा, अनीता नामदेव, ईशू तिवारी, सुशील सोनी, आशीष बाजपेयी, अशोक कुशवाहा, मुकेश तिवारी, बृजेश शुक्ल, सुशील सोनी, अंजलि कुशवाहा, अक्षय शुक्ल, मोहित गुप्ता, रिंकू विश्वकर्मा, उदय चौरसिया, आदर्श सिंह, जीविका तिवारी, उमंग द्विवेदी, मनोज दुबे अकेला सहित छात्रों और भक्तों की उपस्थित रही।

अग्रवाल समाज का निःशुल्क नेत्र शिविर कल

नगर संवाददाता, सतना।

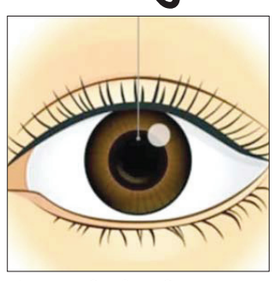

अग्रवाल समाज सतना द्वारा श्री सदुरु सेवा संघ चित्रकूट जानकीकुंड के संयुक्त तत्वाधान मे 28 जुलाई सोमवार को निःशुल्क नेत्र शिविर अमृत वाटिका सतना आयोजित हैं। प्रतिमाह होने वाला नेत्र शिविर प्रातः 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक समाजसेवी घनश्याम दास गोयल के संयोजक एवं मार्गदर्शन में सम्पन्न होगा।

नेत्र शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा आंखों की जांच कर नजर के चश्मे के नंबर का निर्धारण किया जाएगा एवं दवाइयां प्रदान की जाएंगी। आयोजक मंडल के पुरुषोत्तम अग्रवाल ने बताया कि यह नेत्र शिविर पिछले 18 वर्षों से प्रतिमाह जारी है। शिविर में जो मरीज मोतियाबिंद से पीड़ित होंगे उन्हें निःशुल्क ऑपरेशन एवं विदेशी लैंस प्रत्यारोपण हेतु भर्ती कर श्री सदुरु नेत्र चिकित्सालय चित्रकूट पहुंचाया जाएगा, जहां उन्हें भर्ती के दौरान भोजन, बिस्तर एवं दवाइयों की सुविधा भी प्राप्त होगी। मरीजों की नेत्र जांच कर नजर के चश्मे निःशुल्क वितरित किए जाएंगे। कैंप को-ऑर्डिनेटर पंडित भीषम शुक्ला ने बताया कि निःशुल्क ऑपरेशन एवं चश्मा हेतु मरीजों को आधार कार्ड की फोटो कॉपी साथ रखना अनिवार्य है।

लायंस लंगर में खिचड़ी प्रसाद वितरित

सतना। लायंस क्लब सतना हेलिपंग हैंड्स सतना द्वारा प्रत्येक मंगलवार एवं शनिवार को अनवरत जारी लायंस लंगर सेवा के तहत शनिवार को श्री हनुमान जी मंदिर सी एम एच ओ आफिस के सामने धवारी सतना मे खिचड़ी प्रसाद का वितरण किया गया। कार्यक्रम में पूर्व रीजन चेअर पर्सन लायन आलोक त्रिपाठी, पूर्व क्लब प्रेसिडेंट लायन धर्मेंद्र सेन, लायन जितेन्द्र गर्ग, राजेश श्रीवास्तव, मिथलेश पाण्डेय, कमलकांत पाण्डेय, कैलाश मिश्रा, प्रकाश सेन, सुकीर्त त्रिपाठी, सूर्य कमल त्रिपाठी, विनय कमल त्रिपाठी मंदिर के पुजारी पं.जगन्नाथ महराज एवं साथी उपस्थित रहे।

शिविर 45 वें निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का शुभारंभ, पहले दिन आए566 मरीज

मरीजों की सच्ची सेवा कर रहा पं गणेश प्रसाद सेवा न्यास : मणिकांत

नगर संवाददाता, सतना।

पं.गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा आयोजित एक्शन कैंसर हॉस्पिटल, नई दिल्ली द्वारा 45वां निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का भव्य उद्घाटन सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कृष्ण नगर में हुआ। दो दिवसीय स्वास्थ्य शिविर उद्घाटन के विशिष्ट अतिथि महापौर योगेश कुमार ताम्रकार, संस्कार भारती के प्रांत अध्यक्ष मणिकांत महेश्वरी एवं सेवा न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्र ने भारत माता व सेवा न्यास के मार्गदर्शक, प्रेरणा स्रोत दद्दा एवं बाई के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं पुष्पांजलि अर्पित कर किया। इस अवसर पर लोगों ने सेवा न्यास एवं डॉ. राकेश मिश्र के कार्यों की जमकर सराहना की। संस्कार भारती के प्रदेश अध्यक्ष मणिकांत माहेश्वरी ने अपने उद्बोधन में कहा कि डॉ. राकेश मिश्र द्वारा किए जा रहे सेवा कार्य से हमारे सतना जिले एवं महाकौशल प्रांत को लाभ मिल रहा है। यहां निवास करने वाले लोगों के लिए यह सौभाग्य का विषय है। डॉ. राकेश मिश्र की ऊर्जा को देखकर हमें अत्यंत प्रसन्नता होती है, जो कि अपना अमूल्य समय समाज सेवा के लिए समर्पित भाव से दे रहे हैं। उनके सेवा भाव को देखकर हम सबको प्रेरणा मिलती है। महापौर योगेश कुमार ताम्रकार ने अपने उद्बोधन में कहा कि डॉ. राकेश मिश्र के द्वारा किए जा रहे कार्यों की लंबी श्रृंखला है। देश के कई प्रदेशों में अपने सेवा भाव के साथ हर क्षेत्र में नागरिकों की सेवा कार्य में हर क्षण लगे हुए हैं।

496 सामान्य मरीजो को दी गई मुफ्त में दवाइयां

45 वें स्वास्थ्य शिविर में 566 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इसमें हृदय संबंधित रोग के 88 मरीज, श्वसन रोग के 90 मरीज, पेट संबंधी रोग के 93 मरीज, स्त्री रोग के 78 मरीज, हड्डी एवं जोड रोग के 80 मरीज, किडनी रोग के 74 तथा कैंसर रोग के 63 मरीजों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। परीक्षण के पश्चात 496 सामान्य मरीजों को मुफ्त में दवाइयां भी दी गई।

पॉवर इंजिनियर्स व एम्प्लाइज एसोसिएशन ने अतिरिक्त मुख्य सचिव ऊर्जा के साथ की बैठक

नगर संवाददाता, सतना।

पॉवर इंजिनियर्स एवं एम्प्लाइज एसोसिएशन की बैठक भारतीय मजदूर संघ के प्रदेश महामंत्री कुलदीप सिंह गुर्जर के नेतृत्व में अतिरिक्त मुख्य सचिव ऊर्जा नीरज मंडलोई के साथ बल्लभ भवन, भोपाल में सम्पन्न हुई । संगठन सहसचिव शरद तिवारी ने बताया कि बैठक में संगठन के महासचिव अजय कुमार मिश्रा द्वारा उच्च शिक्षा प्राप्त कनिष्ठ अभियंताओं को सहायक अभियंता एवं उच्च शिक्षा प्राप्त कर्मचारियों को कनिष्ठ अभियंता के पद पर नियुक्ति दिये जाने के मामले को विस्तार से ऊर्जा सचिव के समक्ष रखा गया तथा उससे संबंधित साक्ष्य, दास्तावेज, एवं माननीय उच्च न्यायालय का निर्णय भी प्रस्तुत किया गया।

उनके द्वारा इस मामले के शीघ्र अति शीघ्र समाधान करने की बात कही गई । तथा विस्तार पूर्वक पूरी बात अतिरिक्त मुख्य सचिव ऊर्जा के समक्ष रखी गई। बैठक में संगठन के उपाध्यक्ष सुबोध सिंह एवं सौरभ तिवारी, संगठन के संयुक्त सचिव राकेश साबले, संगठन के केंद्रीय कार्यकारिणी के सदस्य अर्चित श्रीवास्तव, संगठन के क्षेत्रीय कार्यकारिणी सदस्य अमरजीत पटेल एवं नितिन सेन उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

हनुमना पुलिस कालोनी शिव मंदिर में रामायण पाठ का आयोजन

रीवा संवाददाता। हनुमना रीवा मिर्जापुर स्थित पुलिस कॉलोनी शिव मंदिर परिसर में 24 जुलाई की रात्रि 8 बजे से 1 बजे तक रामायण पाठ के साथ भजन कीर्तन आयोजित किया गया। भगवान श्री राम की आरती पश्चात प्रसाद वितरण किया गया। संवाददाता ने बताया कि यह शिव मंदिर बहुत ही प्राचीन और भक्तों को सुखदाई प्रदान करने वाला है। इस मंदिर में सावन मास में सुबह से नगरीय भक्तों द्वारा पूजा पाठ जलाभिषेक किया जाता है इस मंदिर को सजाने और संवारने में मुख्य रूप से सेवानिवृत प्रोफेसर नारायण दास गुप्ता उर्फ मुंडल मास्टर, धीरज गुप्ता ,कोमलचंद गुप्ता ,बाबा लाइट वाले, भज्जू शिवम, का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। रामायण पाठ के आयोजन मुख्य रूप से धीरज गुप्ता,कोमलचंद गुप्ता,कुमुद गुप्ता, विट्ठल दास गुप्ता,बृज किशोर गुप्ता,गुड्डू गुप्ता,सचिन गुप्ता,मुन्ना किराना वाले,अनूप जलोटा, नारायण दास किराना वाले, मनोज मेडिकल,ओम प्रकाश गुप्ता, पप्पू गुप्ता, रामसागर गुप्ता ,काजू गुप्ता ,मनोज गुप्ता ,ओपी गुप्ता, वासु गुप्ता, विवेक गुप्ता, रामकृष्ण मास्टर, राधे बर्तन वाले, शिवम गुप्ता , टिंकल गुप्ता आदि भक्तों एवं नगर के लोग उपस्थित रहे।

स्वामी माधवाचार्य तपस्थली में आज मनायी जायेगी हरियाली तीज

रीवा संवाददाता। वृक्षारोपण आदि के माध्यम से पर्यावरण को संतुलित बनाए रखने प्रकृति के संरक्षण संवर्धन के संस्कारों को पीढ़ी दर पीढ़ी जारी रखने का प्रतीक हरियाली तीज महोत्सव वैश्य महासम्मेलन की मऊगंज जिला महिला इकाई द्वारा 27 जुलाई को स्वामी माधवाचार्य जी की तपस्थली धर्मशाला परिसर हनुमना में मनाया जाएगा । उपरोक्त जानकारी देते हुए कार्यक्रम की संयोजक तथा वैश्य महासम्मेलन महिला इकाई की जिला महामंत्री प्रीति गुप्ता ने बताया कि वैश्य महासम्मेलन इकाई का हनुमना में गठन के साथ ही हरियाली तीज मनाने की परंपरा संगठन के महिला इकाई द्वारा प्रारंभ की गई थी जिसका बखूबी निर्वहन करते हुए इस वर्ष भी यह आयोजन किया गया है महिला इकाई टीम की जिला प्रभारी शैलजा गुप्ता उपाध्यक्ष पूनम गुप्ता तहसील अध्यक्ष भगत गुप्ता श्रद्धा केसरी श्रद्धा गुप्ता रागिनी गुप्ता अनीता गुप्ता प्रिया केसरी प्रिया गुप्ता निमिषा केसरी शिखा केसरी दीपिका केसरी आदि ने अधिक से अधिक मां बहनों बेटियों से इस कार्यक्रम में भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

पंचदिवसीय तुलसी जयंती समारोह मानस भवन में आज से

रीवा संवाददाता। अपने द्वादश ग्रन्थों के माध्यम से विश्व को उत्कृष्ट थाती प्रदान करने वाले युग प्रवर्तक महाकवि गोस्वामी तुलसीदास जी के जयंती अवसर पर पांच दिवसीय तुलसी जयंती समारोह 27 से 31 जुलाई तक मानस भवन में आयोजित है।

कांग्रेसजनों ने आईजी को सौंपा ज्ञापन

- विधायक अभय मिश्रा के खिलाफ पंजीबद्ध प्रकरण शीघ्र समाप्त नहीं किया गया तो कांग्रेस करेगी उग्र आंदोलनः इंजी. राजेन्द्र शर्मा

रीवा, नगर संवाददाता।

जिला कांग्रेस कमेटी रीवा के ग्रामीण अध्यक्ष इंजी. राजेन्द्र शर्मा तथा शहर अध्यक्ष लखनलाल खण्डेलवाल के नेतृत्व में कांग्रेस पदाधिकारियों एवं कांग्रेस जनों ने पुलिस महानिरीक्षक रीवा से मिलकर उन्हें एक 02 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन सौंपते हुए इंजी. राजेन्द्र शर्मा ने बताया कि दिनांक 25 जुलाई 2025 को सेमरिया के विधायक अभय कुमार मिश्रा के खिलाफ भाजपा नेताओं एवं सरकार के दबाव में चोरहटा थाना के अंदर घुसकर एक आपराधिक कृत्य का झूठा मुकदमा पंजीबद्ध किया गया हैं। श्री शर्मा ने कहा कि श्री मिश्रा के खिलाफ भारतीय जनता पार्टी के नेताओं व सरकार के दबाव पर बिना किसी जांच के चोरहटा थाना रीवा में मुकदमा पंजीबद्ध किया गया हैं, वह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण व निदंनीय हैं। श्री शर्मा ने आगे कहा कि चोरहटा थाना में भारतीय जनता पार्टी के नेताओं व पदाधिकारियों के द्वारा जिस तरह से महिला पुलिस अधिकारी व कर्मचारियों के साथ अभद्र तरीके से थाने के अंदर घुसकर आपराधिक कृत्य किया गया हैं तथा शासकीय कार्य में बाधा उत्पन्न की गई हैं वह घोर अपराध की परिधि में आता हैं।

उन्होने मांग की है कि चोरहटा थाना में पंजीबद्ध मुकद्में की किसी निष्पक्ष अधिकारी से जांच कराई जाए और इस झूठे मुकद्मा को तत्काल समाप्त किया जायें, तथा चोरहटा थाना में भारतीय

जनता पार्टी के नेताओं व कार्यकर्ताओं के द्वारा जो आपराधिक कृत्य पुलिस कर्मियों के साथ किया गया हैं उनके विरूद्ध मुकदमा पंजीबद्ध किया जायें। यदि शीघ्र कांग्रेस पार्टी के सम्मानित विधायक के विरूद्ध पंजीबद्ध दुर्भावहनापूर्ण तरीके से पंजीबद्ध किया गया मुकद्मा नही समाप्त किया गया तो कांग्रेस पार्टी जबरदस्त आंदोलन करेगी। और जब तक मुकद्मा वापस नही लिया जायेगा तब तक लड़ाई लड़ती रहेगी। ज्ञापन सौंपने वालों में प्रमुख रूप से इंजी. राजेन्द्र शर्मा, लखनलाल खण्डेलवाल, विमलेन्द्र तिवारी, विद्यावती पटेल, शीला त्यागी, गिरीश सिंह, रमाशंकर सिंह पटेल, जिला संगठन मंत्री ग्रामीण रवि तिवारी, शहर संगठन मंत्री सज्जन पटेल, वसीम राजा, सत्यनारायण तिवारी, गिरीजेश पाण्डेय, चक्रधर सिंह, हर्षलाल शुक्ला, मोहम्मद रफीक अंसारी, सीमा सिंह, प्रदीप अवस्थी, जितेन्द्र सिंह, बलराम गौतम, नरेन्द्र अग्निहोत्री, शिवेन्द्र प्रताप सिंह, चेतनाथ पटेल, संतोष सोहगौरा, धनेन्द्र सिंह बघेल, रवि तिवारी, अकरम अंसारी, सहफुज खान, अरूण तिवारी मुन्नू, पंकज उपाध्याय, मंयकधर द्विवेदी, सुरेश वर्मा, पंकज शास्त्री, विष्णु शुक्ला, लकी तिवारी, विकास सिंह सिकरवार, सुभाष तिवारी, शनि द्विवेदी, वीरेन्द्र शुक्ला, अशीष तिवारी, अशोक तिवारी, सहित सैकड़ों की तादाद में कांग्रेस जन उपस्थित रहें।

एक ही सेंटर में 15 वर्षों से जमे सुपरवाइजरों को हटाया जाएः कांग्रेस

रीवा, नगर संवाददाता।

भाजपा सरकार के वसूली नीति से महिला बाल विकास विभाग रीवा में शासन के नियमों के विपरीत एक ही केंद्र में 15 वर्षों से सुपरवाइजर अंगद की पैर की तरह जमे हैं,खामियाजा आंगनबाड़ी केंद्रों की स्थिति दयनीय है और महिला बाल विकास विभाग सिर्फ फर्जी कागजी शेर बनकर रहगया है। उक्त विचार कांग्रेस जिला शहर महामंत्री पूर्व पार्षद विश्वनाथ सिंह खारोल व एडवोकेट श्रीप्रकाश तोमर ने जारी विज्ञप्ति में व्यक्त किया। कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि महिला बाल विकास विभाग रीवा अंतर्गत पदस्थ महिला सुपरवाइजरों ने अपने-अपने सेक्टर में कब्ज सा कर लिया है। पिछले 15 सालों से एक ही स्थान पर जमे होने के कारण उनके द्वारा खुलकर भ्रष्टाचार किया जा रहा है इस मामले में विभागीय अधिकारियो का खुला संरक्षण है। उन्होंने आगे कहा कि सामान्य प्रशासन विभाग के आदेश के अनुसार एक कर्मचारी एक स्थान पर अधिकतम 3 से 5 साल तक पदस्थ रह सकता है लेकिन इस आदेश का महिला बाल विकास विभाग में कहीं कोई पालन नहीं हो रहा है। विभाग अंतर्गत रीवा में आधा दर्जन से ज्यादा पदस्थ सेक्टर सुपरवाइजर 15 से ज्यादा सालों से पदस्थ हैं। इसकी जानकारी जिला कलेक्टर को भी है लेकिन वह भी असहाय जैसी स्थिति में हैं। आगे यह भी कहा कि स्व सहायता समूहों का संचालन भी इन्हीं सुपरवाइजर की देखरेख में होता है जिसमें आंगनवाड़ी में व्यापक पैमाने पर भ्रष्टाचार की स्थिति बनी हुई है। इन सुपरवाइजरो द्वारा केवल अपने लाभ के लिए काम किया जाता है और आंगनबाड़ी केंद्रों में झूठी हाजिरी भरवा कर सरकारी राशि का दोहन किया जा रहा है। उन्होंने प्रदेश के मुख्यमंत्री व जिले के प्रभारी मंत्री से मांग की है कि रीवा जिले में 15 वर्षों से एक ही सेंटर में जो सुपरवाइजर पदस्थ हैं।

चोरहटा थाना में सत्तारूढ दल का हंगामा कानून व्यवस्था पर गंभीर सवाल

सीएसपी रितु उपाध्याय के साथ दुर्व्यवहार निंदनीयः नारी चेतना मंच

रीवा, नगर संवाददाता।

नारी चेतना मंच ने रीवा जिले की कानून व्यवस्था पर सवाल खड़ा किए हैं। जिसमें सत्तारूढ दल भाजपा के पूर्व विधायक केपी त्रिपाठी के द्वारा अपने समर्थकों को लेकर रीवा शहर अंतर्गत चोरहटा थाने में हंगामा करते हुए महिला सीएसपी रितु उपाध्याय को असंवेदनशील कहा और बहुत देर तक बेहद आपत्तिजनक आक्रामक रवैया बनाए रखा। ऐसे समय में चोरहटा थाना प्रभारी हाथ जोड़ते नजर आए और वहीं सीएसपी रितु उपाध्याय को अपने स्थान से पीछे हटना पड़ा। यदि यही वारदात विपक्षी दल का कोई नेता करता तो पुलिस लाठी चार्ज करा दिया जाता। नारी चेतना मंच ने कहा कि महिला सीएसपी के साथ जो कुछ हुआ वह सरासर गुंडागर्दी और प्रथम दृष्ट्या आपराधिक मामला है। चोरहटा थाना क्षेत्र अंतर्गत आपसी विवाद में एक व्यक्ति की उंगली काट लिए जाने की घटना की प्रतिक्रिया में हुई मारपीट का मामला तूल पकड़ लिया। भाजपा के पूर्व विधायक केपी त्रिपाठी के द्वारा उंगली काटने वाले व्यक्ति अभिषेक तिवारी की पिटाई होने पर उसकी तरफ से कांग्रेस विधायक अभय मिश्रा पर आरोप लगाया कि उन्होंने अभिषेक के साथ मारपीट की है। नारी चेतना मंच ने कहा कि सत्तारूढ पार्टी के द्वारा थाने में किए गए हंगामे के चलते कांग्रेस विधायक पर मामला दर्ज हो चुका है लेकिन चोरहटा थाने में दहशतगर्दी फैलाने वालों के खिलाफ अभी तक कोई कार्यवाही नहीं हुई है। बताया जा रहा है कि मामले को अनावश्यक तूल दिया जा रहा है। अपराध की शुरुआत करने वाले व्यक्ति पर सबसे पहले कार्यवाही की जानी चाहिए।

सिरमौर विधायक के प्रयास से क्षेत्र में कई मार्गों की मिली स्वीकृति, मुख्यमंत्री के प्रति आभार

रीवा, नगर संवाददाता।

सिरमौर विधानसभा के विधायक दिव्यराज सिंह के प्रयास से विधानसभा के अंदर दर्जनों नवीन सड़क मार्गों के लिए मुख्यमंत्री मोहन यादव ने स्वीकृत दे दी है इससे जो भी सड़क मार्ग वर्षो से खराब पड़े थे उनमें भी अब जल्द ही निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा ।आपको बता दे कि जिन सड़क मार्गों को स्वीकृत मिली है उनमें कोचरी मार्ग बेलवा सुरसरी मार्ग कोहरा मार्ग महरी मार्ग खैरहन मार्ग दुलहरा मार्ग मरैला मार्ग पिपरी मार्ग के साथ साथ तराई आंचल में एमपीईबी रोड से अहिरान और केवटान टोला पहुंच मार्ग इटमा रौली से कैथी मार्ग हरदोली डाभौरा जतरी नोनारी मार्ग हरदोली डभौरा से हड़हाई मार्ग रामबाग मौहरिया से रैकवारा पहुंच मार्ग महुहुआ टोला भखरवार से निमगहना मार्ग रामबाग डभौरा रोड़ से पटियारी पहुंच मार्ग अतरैला रामबाग रोड से शिवपुर पहुंच मार्ग खाझा से पाटी पहुच मार्ग पटेहरा लटियार रोड़ से कल्याणपुर पहुंच मार्ग गाहिलवार रोड़ से छतैनी पहुंच मार्ग जवा डभौरा रोड़ से गढ़वा पहुंच मार्ग पटैती मार्ग सिगटी पूर्वा रोड से लुचकी पहुंच मार्ग पटेहरा डभौरा रोड़ से सोहावल कला पहुंच मार्ग जवा डभौरा रोड़ से खम्हारिया पहुंच मार्ग जवा डभौरा रोड़ से महिलो पहुंच मार्ग अतरैला रामबाग रोड से शुक्लान टोला शिवपुर पहुंच मार्ग लूक मार्ग जवा डभौरा रोड़ से डगडैया पहुंच मार्ग जवा डभौरा रोड़ से उचाडीह पहुंच मार्ग अतरैला रामबाग रोड से पांडेय टोला पहुंच मार्ग शिवपुर किरहाई रोड़ से जलैया पहुंच मार्ग जवा डभौरा रोड़ से किरहाईं डेरवा पहुंच मार्ग जवा मार्ग देवरी मार्ग जवा डभौरा रोड़ से माजन पहुंच मार्ग की नवीन सड़को की स्वीकृत मिल गईं हैं। सिरमौर विधायक दिव्यराज सिंह ने मुख्यमंत्री मोहन यादव के प्रति आभार व्यक्त किया है। साथ ही राष्ट्रीय सरपंच संघ जवा के अध्यक्ष बडाछ सरपंच प्रदीप कुमार सिंह दीपू जवा मंडल अध्यक्ष अखिलेश सिंह अतरैला मंडल अध्यक्ष शालिकराम साहू डभौरा मंडल अध्यक्ष राजेंद्र अग्निहोत्री भाजपा नेता विक्रम सिंह विधायक प्रतिनिधि संजीव सिंह, रामपाल सिंह मदरी आनंद सिंह जवा देवेन्द्र सिंह परिहार विनोद पांडेय पूर्व मंडल अध्यक्ष हरिप्रसाद कुशवाहा जयप्रकाश साहू धीरू पांडेय अनिल सिंह उपाध्यक्ष लवकुश सिंह बबलू सोनी सर्वेश तिवारी सुशील सिंह सहित कई लोगो ने इस कार्य पर सिरमौर विधायक दिव्यराज सिंह के प्रति आभार और प्रसन्नता व्यक्त किए हैं।

टीआरएस कॉलेज में कारगिल विजय दिवस पर संगोष्ठी आयोजित

रीवा, नगर संवाददाता।

शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय, रीवा में कारगिल विजय दिवस के अवसर पर एक दिवसीय संगोष्ठी, भाषण एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वीर शहीदों के बलिदान को नमन करते हुए छात्रों को राष्ट्रप्रेम, समर्पण और जिम्मेदारी का संदेश दिया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. अर्पिता अवस्थी ने की तथा मुख्य अतिथि के रूप में राजेन्द्र ताम्रकार, अध्यक्ष जनभागीदारी समिति तथा विशिष्ट अतिथि केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो के परियोजना अधिकारी मुकेश कुमार विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संयोजन प्रोफेसर अखिलेश शुक्ल ने किया एवं सह-संयोजन की भूमिका कैप्टन प्रो. रवीन्द्र धुर्वे ने निभाई। प्राचार्य डॉ. अर्पिता अवस्थी ने कहा कि यह दिवस केवल सैन्य विजय नहीं, बल्कि राष्ट्रप्रेम, साहस और अनुशासन की मिसाल है। मुख्य अतिथि राजेन्द्र ताम्रकार ने कारगिल युद्ध को भारतीय सैनिकों के बलिदान, रणनीति और देशभक्ति का गौरवपूर्ण उदाहरण बताया। कार्यक्रम संयोजक प्रो. अखिलेश शुक्ल ने युवाओं को कर्तव्यनिष्ठा और नैतिकता से कार्य करने की प्रेरणा दी। विशिष्ट अतिथि मुकेश कुमार (परियोजना अधिकारी, सीबीआई) ने कारगिल युद्ध के ऐतिहासिक पक्ष और वीर सैनिकों के बलिदान पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में नीलू त्रिपाठी (सीबीआई) की उपस्थिति भी उल्लेखनीय रही।

भाषण तथा चित्रकला प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

कार्यक्रम के दौरान आयोजित भाषण प्रतियोगिता में अभय कुमार चौरसिया ने प्रथम स्थान, नंदिनी तिवारी ने द्वितीय स्थान तथा तृतीय स्थान अंकित पाण्डेय प्राप्त किया। भाषण प्रतियोगिता का विषय, ''भारतीय सेना का शौर्य : कारगिल युद्ध।''चित्रकला प्रतियोगिता में भी विद्यार्थियों ने क्रमशः प्रथम अर्पिता शुक्ला द्वितीय निशा अग्निहोत्री एवं तृतीय स्थान सतीश सिंह ने अर्जित कर अपनी रचनात्मकता का परिचय दिया। चित्रकला प्रतियोगिता का विषय, '' कारगिल युद्ध : साहस, बलिदान और देश भक्ति की मिशाल।'' भाषण प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में डॉ. वंदना त्रिपाठी, डॉ. ए.के. झा तथा डॉ. अश्विनी द्विवेदी सम्मिलित थे। वहीं चित्रकला प्रतियोगिता का मूल्यांकन डॉ. सरिता पाठक, डॉ. फरजाना बानो तथा डॉ. रावेन्द्र सिंह द्वारा किया गया। प्रतियोगिताओं के आयोजन की व्यवस्थाएं डॉ. बृजेन्द्र कुशवाहा एवं प्रो. सतेन्द्र पटेल के निर्देशन में सम्पन्न हुईं। धन्यवाद ज्ञापन संगीत विभाग के अध्यक्ष डॉ. नागेश त्रिपाठी के द्वारा किया गया।

पृथ्वीराज आईटीआई कॉलेज में मनाया गया करगिल दिवस

रीवा, नगर संवाददाता।

मेरा युवा भारत रीवा, केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वाधान में कारगिल विजय दिवस का आयोजन पृथ्वीराज आईटीआई कॉलेज में किया गया । कार्यक्रम का आरंभ कारगिल युद्ध में शहीद वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि देकर किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अंकित चतुर्वेदी रहे,अध्यक्षता गणेश प्रसाद गुप्ता प्राचार्य पृथ्वीराज आईटीआई रीवा द्वारा किया गया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में रंजीत कुमार सुमन, कमलेश्वर चंद्राकृष्णन,पुष्पेंद्र कुमार कुशवाहा एवं राज लाल दहिया रहे। कार्यक्रम के बारे में बताते हुए कुलदीप सिंह जिला युवा अधिकारी मेरा युवा भारत रीवा मध्य प्रदेश द्वारा बताया गया कि कारगिल युद्ध जैसा युद्ध विश्व में उससे पहले कभी नहीं हुआ था और और यह हमारे वीर शहीद सैनिकों का बलिदान था जिसने हमें यह युद्ध जिताया। कार्यक्रम के अंतर्गत कारगिल विजय दिवस के अवसर पर विजय दिवस विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया,जिसमें अदिति शुक्ल प्रथम स्थान, राजेश यादव द्वितीय स्थान एवं सानिया सिंह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया । कार्यक्रम का समापन गणेश गुप्ता अतिथियों का धन्यवाद करते हुये किया । कार्यक्रम के अंत में एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत कॉलेज में वृक्षारोपण कर किया गया।

कार्यक्रम पूजन के साथ कार्यक्रम की शुरुआत

राज संगीत संस्थान में धूमधाम से मनाया गया वार्षिकोत्सव

रीवा, नगर संवाददाता।

संगीत विद्यालय राज संगीत संस्था का वार्षिकोत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत प्रथम चरण में शायं 4 बजे से सरस्वती श्रंगार, सरस्वती पूजन एवं हवन के साथ हुई। पूजन एवं हवन का कार्यक्रम पंडित भूपेन्द्रमणि मिश्रा द्वारा सम्पन्न कराया गया, तत्पश्चात शायं कालीन चरण में साहित्यकारो का जमावड़ा लगा। अवधेश प्रताप सिंह विवि के हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ. दिनेश कुशवाहा के मुख्य आतिथ्य के साथ विध्य संग्राम परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुनीन्द्र तिवारी, आकाशवाणी की उद्घोषिका सीमारानी झा, युवा कवियित्री स्नेहा, डॉ. आरती तिवारी, शिवानंद तिवारी, डॉ. प्रवेश तिवारी, के साथ

श्रीमती उर्मिला तिवारी की भी कविता एवं गीत हुये। मंच संचालन साहित्यकार रामनरेश तिवारी निष्ठुर द्वारा किया गया। इसके बाद महाप्रसाद एवं सांगीतिक निशा प्रारंभ हुई जो कि सुबह 5 बजे तक निरंतर चलती रही।

कार्यक्रम में वरिष्ठ गायक डॉ. राजनारायण तिवारी एवं सुधाकर शर्मा का गायन अति प्रेरणादायक रहा जिनके साथ तबलें में ललन शुक्ला एवं विभू मिश्रा की थाप ने पूरी महफिल को संगीतमयी बना दिया। गायन प्रदर्शन में बृजेश तिवारी, सतीश मिश्रा, राजेश वर्मा. आलोक, सचिन, रोहित, आशीष, पुष्पराज सिंह ने विभिन्न शैलियों एवं विभिन्न रागों में प्रातः 6 बजे तक राग भैरवी के साथ संगीत कार्यक्रम का समापन किया। विद्यालय की छात्राओं को जिनमें शिखा प्रजापति, शिवानी दाहिया, प्रियांशी मिश्रा, अंजली मिश्रा को विशेष पुस्कार दिया गया। साथ ही विद्यालय के नन्हे मुन्हे विद्यार्थी आकर्ष वर्मा, अधर्व नामदेव एवं अभिनव पाण्डेय की तिकड़ी ने महफिल को भावविभोर कर दिया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में उ0 इरशाद हुसैल खॉ. सुभाष वर्मा, सौरभ, लल्लू विश्वकर्मा, अशोक विश्वकर्मा का विशेष सहयोग रहा। इस अवसर पर मोहल्ले के वरिष्ठ नागरिक आनंद महिन्द्रा, देवी प्रसाद चतुर्वेदी, गिरजा प्रसाद चतुर्वेदी, ज्ञानेन्द्र शुक्ला, पप्पू विश्वकर्मा, लाल विश्वकर्मा आदि प्रबुद्ध जन एकत्रित हुए। अंत में संस्था प्रमुख डॉ. राजकुमार तिवारी एड. द्वारा सभी अतिथियों का आभार प्रदर्शन किया गया।

गिद्ध संरक्षण को लेकर आयोजित हुई एक दिवसीय कार्यशाला

रीवा, नगर संवाददाता।

वेटरनरी कॉलेज रीवा में गिद्ध संरक्षण को लेकर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कॉलेज के डीन डॉ. अजीत प्रताप सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन युवाओं में प्रकृति के प्रति जागरूकता और संवेदनशीलता बढ़ाने में सहायक होते हैं। साथ ही, उन्होंने भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रमों के आयोजन की आवश्यकता पर जोर दिया। कार्यशाला में विशेषज्ञ के रूप में संजय टाइगर रिजर्व से बायोलॉजिस्ट डॉ. संगीता केवट उपस्थित रहीं। उन्होंने गिद्धों की घटती संख्या के प्रमुख कारणों में से एक नॉन-स्टेरॉयडल एंटी-इंफ्लेमेटरी ड्रग्स दवाओं के दुष्प्रभाव के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम का आयोजन वेटरनरी कॉलेज रीवा के सहयोग से वाइल्डलाइफ ट्रस्ट ऑफ इंडिया द्वारा किया गया। कार्यक्रम का समन्वयन प्रोफेसर डॉ. अनिल सिंह ने किया जबकि संचालन प्रोफेसर सुलोचना जी द्वारा किया गया। समग्र जन चेतना विकास परिषद के समन्वयक सुमित सिंह ने गिद्ध संरक्षण में सामुदायिक भागीदारी, जागरूकता अभियान और युवाओं की भूमिका पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में कॉलेज के अंतिम वर्ष के छात्र, संस्था के सहयोगी चक्रपाणि मिश्रा, आरती पटेल, डॉ. संगीता सहित समस्त स्टाफ की उपस्थिति रही। वक्ताओं ने गिद्धों के पर्यावरणीय महत्व, उनकी संख्या में हो रही गिरावट और जैविक संतुलन पर इसके प्रभाव पर गंभीर चर्चा की। कार्यशाला का उद्देश्य छात्रों में पर्यावरणीय चेतना जागृत करना, गिद्ध संरक्षण के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना और भविष्य के लिए एक संवेदनशील पीढ़ी तैयार करना रहा।

संपादकीय

ऐसे इतिहास से क्या आस

एनसीईआरटी ने नए पाठ्यक्रम में 8वीं कक्षा के छात्र के लिए 'सामाजिक विज्ञान' की एक ऐसी किताब प्रकाशित की है जिसके आरंभ में 'इतिहास के कुछ अंधकारमय काल पर टिप्पणी' शीर्षक वाला एक खंड दिया गया है। उसमें संवेदनशील और क्रूर हिंसा की घटनाएं संकलित की गई हैं। एक विशेष नोट के जरिए छात्रों से आग्रह किया गया है कि वे निर्दयी हिंसा, अपमानजनक कुशासन या सत्ता की गलत महत्वाकांक्षाओं के ऐतिहासिक मूल को निष्पक्षता से समझें। आग्रह यह भी किया गया है कि उस कालखंड की घटनाओं को आज के परिदृश्य में न देखें। यह दोगलापन कैसे स्वीकार्य हो सकता है। आप छात्रों से निष्पक्षता की उम्मीद कर रहे हैं, जबकि इतिहासकार ही दुराग्रही रहे हैं। यदि उन घटनाओं का वर्तमान में मूल्यांकन नहीं करना है, तो फिर वे 'अंधेरे के इतिहास' क्यों पढ़ाए जा रहे हैं? क्या वे 21वीं सदी की पीढ़ी को प्रभावित कर सकते हैं?

8वीं कक्षा का छात्र एकदम कच्चे, निष्कपट, निश्छल मानस का होता है। उसे जिस तरह का इतिहास पढ़ाया जाएगा, उसके मुताबिक ही उसके पूर्वाग्रह बनेंगे। उसके भीतर निर्दयी, हिंसक, हत्यारे आक्रांताओं के प्रति नफरत और अस्वीकृति के भाव उमड़ना स्वाभाविक हैं। वामपंथी ऐसे इतिहास और सोच को 'सांप्रदायिक' करार दे रहे हैं। बुनियादी सवाल यह है कि 500-700 साल पुराना इतिहास, 21वीं सदी के भारतीय छात्र को पढ़ाना, क्या उचित और प्रासंगिक है? 'अंधकारमय काल' भी कहा जा रहा है और फिर मारने-काटने, मंदिर-मठों के विध्वंस, गुरुद्वारों को जमींदोज करने, हिंसक व्यवहार और एक पूरी आबादी के कत्लेआम का 'काला इतिहास' भी पढ़ाया जा रहा है! इस अंधबुद्धि विरोधाभास से भारत में क्या ऐसी प्रतिभाएं पैदा हो सकती हैं, जो चंद्रमा और अंतरिक्ष तक जाने की महत्वाकांक्षाएं रखती हों? क्या काबिल इंजीनियर, वैज्ञानिक, डॉक्टर, अर्थशास्त्री बनाए जा सकते हैं? नफरती जमात जरूर पैदा हो सकती है, जो देश को दोफाड़ ही रख सकती है। हमारा बौद्धिक, मानसिक और राजनीतिक दिवालियापन है कि मुगलों की बादशाहत खत्म हुए 500 साल बीत चुके हैं, 1947 से भारत एक स्वतंत्र, संप्रभु और लोकतांत्रिक देश है, लेकिन इन मुगल बादशाहों के प्रति हमारा आकर्षण, सियासी मजबूरी समाप्त नहीं हो पाई है।

2014 में जब केंद्र में मोदी सरकार आई थी, तो कुछ सूचनाएं छन कर सार्वजनिक हुई थीं कि संघ और भाजपा इतिहास का पुनर्लेखन करना चाहते हैं। बेशक एनसीईआरटी भी केंद्रीय सत्ता की सोच के मुताबिक ही काम करती रही है, लिहाजा ऐसे इतिहासकारों और लेखकों को चुना जाता रहा है, जो सरकारी एजेंडे के मुताबिक काम कर सकें। पुस्तक-लेखन कर सकें। मोदी सरकार 11 निरंतर सालों से सत्तारूढ़ है, तो मुगल-काल के अंधकारमय इतिहास को हाशिए पर क्यों नहीं धकेला जा सका? बाबर, अकबर, औरंगजेब के क्रूर इतिहास पढ़ाने से भाजपा को वोट नहीं मिल सकते। यदि इतिहास को नए सिरे से लिखवाना है, तो पाठ्यक्रम में उन शूरवीरों, आजादी के रणबांकुरों, क्रांतिकारियों और स्वतंत्रता सेनानियों की कहानियां रखनी चाहिए थीं, जिन्होंने गुलाम, औपनिवेशिक देश को 'स्वतंत्र भारत' बनाने में संघर्ष किया, बलिदान दिया।

वोटर लिस्ट रिवीजन : बिहार सिर्फ पहली प्रयोगशाला, आपका नंबर भी आने वाला है

योगेन्द्र यादव
समाजसेवी एवं चुनाव विश्लेषक

अगर आपको देश के लोकतंत्र की चिंता है तो आपको बिहार में वोटर लिस्ट के 'गहन पुनरीक्षण' (अंग्रेज़ी में एसआईआर यानी 'सिर') नामक सिरफिरी मुहिम पर गहन नज़र रखनी चाहिए। अगर आपको चुनाव आयोग जैसी संस्थाओं की स्वायत्तता का महत्व समझ आता है तो आपको बिहार में चुनाव आयोग के निर्देश पर चल रहे फ़र्ज़ीवाड़े को समझना चाहिए। अगर आपको सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार में आस्था है तो आपको बिहार में वोटबंदी के सच का सामना करना होगा।

चूंकि यह मामला सिर्फ़ बिहार का नहीं है। बिहार तो सिर्फ़ पहली प्रयोगशाला है। आपका नंबर भी आने वाला है। वोटर लिस्ट का 'गहन पुनरीक्षण' अगले साल भर में पूरे देश में होने जा रहा है। पुनरीक्षण तो सिर्फ नाम है, असल में यह कोरे काग़ज़ पर नए सिरे से वोटर लिस्ट बनाने की प्रक्रिया है।

यह तो बहाना है कि ऐसा पुनरीक्षण तो पहले होता आया था। जो बिहार में हो रहा है वो आज तक भारतीय लोकतंत्र में कभी नहीं हुआ। आपने भले ही पिछले बीस साल में दसियों चुनाव में वोट दिया हो, अब आपको नए सिरे से साबित करना होगा कि आप भारत के नागरिक हैं, वोटर लिस्ट में होने के हकदार हैं। चूंकि आपकी नागरिकता का फैसला अब कोई गुमनाम सरकारी कर्मचारी करेगा एक ऐसी जांच प्रक्रिया से जिसके बारे में किसी को कुछ पता नहीं है। इसलिए जरा ध्यान से समझिए कि इस 'सिर' की चुनाव आयोग द्वारा निर्धारित प्रक्रिया क्या थी। और फिर यह देखिए की वास्तव में ज़मीन पर हो क्या रहा है।

चुनाव आयोग द्वारा अचानक 24 जून को दिए आदेश के अनुसार बिहार की वर्तमान वोटर लिस्ट में शामिल सभी 7.9 करोड़ व्यक्तियों को बीएलओ उनके घर जाकर आयोग द्वारा बनाए गए एक विशेष फॉर्म की दो प्रति देंगे। इस फॉर्म में पहले से उस व्यक्ति का नाम और वर्तमान वोटर लिस्ट में उसकी फोटो छपी हुई होगी। फॉर्म मिलने के बाद हर व्यक्ति को यह फॉर्म भरकर, इसमें अपनी नई फोटो चिपकाकर अपने हस्ताक्षर सहित जमा करना होगा। और साथ में कुछ दस्तावेज नत्थी करने होंगे। जिनका नाम 2003 की मतदाता सूची में था उन्हें सिर्फ 2003 की वोटर लिस्ट की कॉपी लगाने से काम चल जाएगा।

चुनाव आयोग का आदेश

कहता था कि जिनका भी नाम 2003 की लिस्ट में नहीं था उन्हें अपने जन्म की तिथि और स्थान के साथ साथ अपने मां या पिता या फिर (अगर जन्म 2004 के बाद हुआ हो तो) अपने मां और पिता दोनों के जन्म और स्थान का प्रमाण देना होगा। यह सब 25 जुलाई से पहले करना था। जिसका फॉर्म 25 तारीख तक नहीं आया उसका नाम तो ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में भी नहीं आएगा और बाद में कोई विचार नहीं होगा। जो दस्तावेज लगाने हैं वो सब 25 जुलाई से पहले लगाने होंगे, उसके बाद अगस्त के माह में सिर्फ़ जांच होगी। ये था चुनाव आयोग का तुगलकी फरमान।

फ़रमान जारी करने के हफ़्ते भर के भीतर चुनाव आयोग को जमीनी हकीकत का अहसास हो गया। फिर शुरू हुआ नोटबंदी की तर्ज पर नित नई छूट का सिलसिला। पहले चुनाव आयोग ने यह कहा कि जिनके मां-पिता का नाम 2003 की लिस्ट में हैं उन्हें सिर्फ़ अपना दस्तावेज देना होगा, मां-पिता का नहीं। फिर अचानक अख़बारों में विज्ञापन दिया कि बिना दस्तावेजों के भी फॉर्म जमा किया जा सकता है। मजे की बात यह की उसी शाम चुनाव आयोग ने दावा किया की मूल आदेश की प्रक्रिया में कोई बदलाव नहीं हुआ है!

फिर यह कहा कि फॉर्म की दो प्रतियां देना संभव नहीं है, बीएलओ पहले एक प्रति देगा, बाद में दूसरी भी दी जाएगी। जब इससे भी बात नहीं बनी तो कहा कि अब फ़ोटो लगाने की भी कोई जरूरत नहीं है। लेकिन शहरों में इससे भी बात नहीं बन रही थी। तो अब म्युनिसिपल कर्मचारियों के मार्फ़त नए क़िस्म के फॉर्म भिजवाए गए, जिसमे न तो वोटर का नाम छपा था, ना ही फ़ोटो।

गौरतलब यह है कि इतने सब बदलाव हो गए, लेकिन चुनाव आयोग के 24 जून के आदेश में एक भी संशोधन नहीं हुआ। नोटबंदी के समय कम से कम रिज़र्व बैंक नियमों में संशोधन तो करता था। लेकिन चुनाव आयोग ने मुंहजबानी या प्रेस विज्ञप्ति से काम चला लिया। इस काग़ज़ी पर्दे के पीछे जमीनी हकीकत और भी विचित्र थी। पिछले कुछ दिनों में कुछ हिम्मती यूट्यूबर पत्रकारों और एक दो अख़बारों ने इसका भंडाफोड़ किया है। हुआ यह कि चुनाव आयोग के इशारे के बाद बीएलओ ने अपने रजिस्टर से अपने घर बैठकर लोगो का फॉर्म भरना शुरू कर दिया। चुनाव आयोग को बस हर शाम प्रेस रिलीज़ के लिए संख्या चाहिए थी तो पूरा तंत्र अब फाइल का पेट भरने में लग गया। अधिकांश लोगों को न कोई फॉर्म मिला (दो फॉर्म तो नगण्य परिवारों में पहुंचे) न उन्होंने कोई फॉर्म भरा। लेकिन उनका फॉर्म भरा गया, आंकड़े में चढ़ गया। हकीकत यह है कि जिन फॉर्म भरे जाने का चुनाव आयोग दावा कर रहा है, उनमें से अधिकांश में न तो दस्तावेज हैं, न फ़ोटो है, न ही पूरी जानकारी और शायद हस्ताक्षर भी फर्जी हैं। उधर जनता में अफरातफरी मची है। गरीब लोग बदहवास हुए कोई दस्तावेज की लाइन में खड़े हैं, कोई भी प्रमाणपत्र जुगाड़ने के लिए पैसे दे रहे हैं। हकीकत यह है कि बिहार के लगभग 40 प्रतिशत लोग के पास चुनाव आयोग द्वारा मांगे गए दस्तावेजों में से कोई भी काग़ज़ है ही नहीं।

तो अब क्या होगा?- एक बात तो तय है कि 25 जुलाई तक चुनाव आयोग अपने आंकड़े को 95 प्रतिशत से पार दिखाकर (कौन जाने 100 पार भी हो सकता है) विजय घोषित कर देगा। लेकिन असली सवाल यह है कि क्या उसके बाद दस्तावेज मांगे जाएंगे? जो दस्तावेज न दे सके उन्हें वोटर लिस्ट से निकाल दिया जाएगा? ऐसा हुआ तो करोड़ से अधिक लोगों का नाम कटेगा और हाहाकार मच जाएगा। या फिर क्या सुप्रीम कोर्ट चुनाव आयोग को अपने तुगलकी फरमान को बदलने के लिए मजबूर करेगा? फैसला अब सुप्रीम कोर्ट के हाथ में है। लेकिन बिहार में कोई राहत मिल भी जाती है तब भी आपको वोटबंदी से निजात नहीं मिलेगी। यह तलवार पूरे देश पर लटकी रहेगी। इस सिरफिरे आदेश को ख़ारिज करवाने से ही सार्वभौम वयस्क मताधिकार को बचाया जा सकता है।

आंतरिक असमानताओं और वर्गीकरण पर टिकी है 'ओबीसी एकता' की राजनीति

गोविंद निषाद

हाल के वर्षों में 'अन्य पिछड़ा वर्ग' की समरूपता के इर्द-गिर्द बहस राजनीतिक और शैक्षणिक दोनों क्षेत्रों में बढ़ी है.?? इस बहस के दो दृष्टिकोण हैं-एक का मानना है कि ओबीसी एक सजातीय समूह है.? वहीं- दूसरा पक्ष इसका तार्किक खंडन करते हुए मानता है कि ओबीसी एक विजातीय समूह है-जिसमें विभिन्न सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक स्तरों वाली हजारों जातियां शामिल हैं. यह लेख ओबीसी के भीतर आंतरिक स्तरीकरण की जांच करता हुआ आयोगों, जाति-आधारित असमानताओं और प्रतिनिधित्व और न्याय के बारे में चल रही बहसों का विश्लेषण करके ओबीसी एकता की संभावनाओं और सीमाओं को समझने का प्रयास करता है. स्वतंत्रता के बाद के शुरुआती दौर में स्थापित 'काका कालेलकर आयोग' पिछड़ेपन की पहचान करने वाले पहले आयोगों में से एक था।

बाद में 1971 में बिहार में गठित मुंगेरीलाल आयोग और 1975 में उत्तर प्रदेश में गठित छेदीलाल साथी आयोग ने माना कि ओबीसी एक विजातीय समूह हैं जिसमें दो और तीन स्तरों पर जातियां विद्यमान हैं. मुंगेरीलाल आयोग ने सामाजिक-आर्थिक और राजनीतिक स्थिति के आधार पर ओबीसी को दो भागों में विभाजित किया-पिछड़ी जातियां और अति पिछड़ी जातियां. छेदीलाल साथी आयोग ने आगे बढ़कर उन्हें तीन समूहों में विभाजित किया-उच्च पिछड़ा, अति पिछड़ा और अत्यंत पिछड़ा वर्ग. ओबीसी श्रेणी को मोटे तौर पर तीन स्तरों में विभाजित किया जा सकता है - उच्च पिछड़ी जातियां. ये बड़ी, भूमि-स्वामित्व वाली जातियां हैं जिन्हें भूमि सुधारों और आधुनिकीकरण से लाभ मिला है. मंडल आयोग के लागू होने के बाद इन जातियों की पूर्व निर्मित सामाजिक और राजनीतिक पूंजी ने इन्हें वह तमाम अवसर उपलब्ध कराएं-जिनकी वजह से इनकी दृश्यमानता बढ़ती गई. दूसरे स्तर पर वह जातियां हैं-जो संख्याबल में कम हैं. इसमें दस्तकार जातियां हैं-जो पहले जजमानी प्रणाली का हिस्सा थीं. डी.आर. नागराज इन समुदायों को 'टेक्नोसाइड समुदाय' के रूप में संदर्भित करते हैं. उनका तर्क है कि आधुनिकीकरण ने उनके पारंपरिक व्यवसायों को नष्ट कर दिया-जिससे वे सामाजिक-आर्थिक और राजनीतिक रूप से कमज़ोर हो गए. मंडल आयोग से लाभ उठाने के लिए उनके पास आवश्यक सामाजिक और राजनीतिक पूंजी नहीं थी इसलिए वह आरक्षण का फायदा लेने में नाकाम रहे? तीसरे स्तर पर हाशिए पर पड़ी छोटी जातियां और पसमांदा मुसलमान हैं.? इनके पास जीवन जीने के दिन-प्रतिदिन का संघर्ष हैं. इसके अलावा ओबीसी की कई जातियां अंग्रेजी शासन में बनाए गए कानून 'आपराधिक जनजाति अधिनियम' में शामिल रही हैं जिसके कारण उनके साथ एक अलग तरह की समस्याएं हैं-जिसे संबोधित किया जाना अभी बाकी है. मंडल आयोग द्वारा आंतरिक वर्गीकरण के बिना ओबीसी को 27त्न आरक्षण दिए जाने के कारण अधिकांश लाभ कुछ प्रमुख ओबीसी जातियों को मिले. राजनीतिक पूंजी और राजनीतिक दृश्यता में कमी के कारण अन्य समूह पिछड़ते गए. रोहिणी कमीशन की बाहर आई अनुशंसाओं से महत्वपूर्ण बात उभरकर सामने आई कि देश की सरकारी नौकरियों में उच्च पिछड़ी जातियों का प्रतिनिधित्व उनकी जनसंख्या के अनुपात से ज्यादा है. प्रमुख जातियां अक्सर अपने अधिक प्रतिनिधित्व को सही ठहराने के लिए मेरिट के तर्क का उपयोग करती हैं-जो उच्च-जाति के तर्क के समान है.?

यह कहना समस्याग्रस्त है क्योंकि योग्यता संसाधनों और अवसरों तक पहुंच से आकार लेती है-जो इन प्रमुख ओबीसी जातियों के पास पहले से ही हैं. आरक्षण की अवधारणा योग्यता पर आधारित नहीं है, बल्कि समान अवसर सुनिश्चित करने पर आधारित है. उच्च पिछड़ी जातियों का ज्यादा प्रतिनिधित्व एक तथ्य है. इसे बार-बार भाजपा और आरएसएस का फैलाया झूठ बोलना सही नहीं है. हां यह सही है कि भाजपा ने इसका अपने पक्ष में इस्तेमाल किया है. वह चाहती हैं कि अति पिछड़ी जातियां-उच्च जातियों के ज्यादा प्रतिनिधित्व पर सवाल खड़े करे लेकिन उच्च पिछड़ी जातियों के ज्यादा प्रतिनिधित्व पर सवाल न करें. यह रवैया ठीक नहीं है. सवाल? दोनों तरफ़ से एक साथ होना चाहिए। असली सवाल यह है कि -आरक्षण तक समान पहुंच कैसे सुनिश्चित की जा सकती है. यदि वही प्रभावशाली समूह लाभों पर एकाधिकार करना जारी रखते हैं? तो वर्गीकरण और आनुपातिक प्रतिनिधित्व के बिना? सामाजिक न्याय अधूरा रह जाएगा।

(लेखक इलाहाबाद स्थित जीबी पंत सामाजिक विज्ञान संस्थान में शोध छात्र हैं)

कांवड़ यात्रा

एक पवित्र यात्रा जो शिवजी के भक्तों द्वारा पैदल की जाती है जिससे हम भी शिव कृपा के पात्र बन सकें । ईश्वर की कृपा से मेरे पति भी पूर्व में चार बार काँवड़ ला चुके हैं। हर साल श्रावण मास में करोड़ों की तादाद में कांवडिये सुदूर स्थानों से आकर गंगा जल से भरी कांवड़ लेकर पदयात्रा करके अपने गांव वापस लौटते हैं इस यात्राको कांवड़ यात्रा बोला जाता है। श्रावण की चतुर्दशी के दिन उस गंगा जल से अपने निवास के आसपास शिव मंदिरों में शिव का अभिषेक किया जाता है। कहने को तो ये धार्मिक आयोजन भर है, लेकिन इसके सामाजिक सरोकार भी हैं। कांवड के माध्यम से जल की यात्रा का यह पर्व सृष्टि रूपी शिव की आराधना के लिए हैं। कांवड़ यात्रा, भगवान शिव को समर्पित एक प्रसिद्ध हिंदू तीर्थयात्रा है, जो सावन के महीने में आयोजित की जाती है। इस यात्रा में, भक्त गंगा नदी से जल भरकर लाते हैं और उसे शिवलिंग पर चढ़ाते हैं।

वर्षा वार्ष्णेय
लेखिका, कवियित्री
अलीगढ़

कांवड़ यात्रा की कहानी- पौराणिक कथाओं के अनुसार, कांवड़ यात्रा की शुरुआत समुद्र मंथन से हुई थी। जब समुद्र मंथन से विष निकला, तो भगवान शिव ने उसे पी लिया, जिससे उनका गला नीला पड़ गया और वे नीलकंठ कहलाए। विष के प्रभाव को कम करने के लिए, देवताओं और ऋषियों ने गंगाजल से उनका अभिषेक किया। इसी घटना को याद करते हुए, भक्त कांवड़ यात्रा करते हैं और गंगाजल से भगवान शिव का जलाभिषेक करते हैं.पौराणिक कथाओं के अनुसार, कांवड़ यात्रा की शुरुआत सबसे पहले भगवान परशुराम ने की थी। कुछ मान्यताओं में श्रवण कुमार और रावण को भी पहला कांवड़िया माना जाता है।

भगवान परशुराम- कुछ कथाओं के अनुसार, भगवान परशुराम ने गढ़मुक्तेश्वर से गंगाजल लाकर भगवान शिव का जलाभिषेक किया था, जिससे कांवड़ यात्रा की शुरुआत हुई।

श्रवण कुमार- एक अन्य मान्यता के अनुसार, श्रवण कुमार ने अपने अंधे माता-पिता को कांवड़ में बिठाकर तीर्थयात्रा कराई थी और गंगाजल लाकर उन्हें स्नान कराया था।

रावण- कुछ कथाओं में, रावण को भी पहला कांवड़िया माना जाता है, जिन्होंने भगवान शिव को विष के नकारात्मक प्रभावों से मुक्त करने के लिए कांवड़ में गंगाजल भरकर उनका अभिषेक किया था।

इतिहास कहानी या मिथक नहीं, जिसे मनचाहा बदल लें

इतिहास केवल अतीत नहीं है, यह वर्तमान की नींव और भविष्य का मार्गदर्शक है। गलत या विकृत इतिहास हमें गलत सबक सिखाता है और भविष्य के लिए गलत नीतियां बनाने की ओर धकेलता है। एक स्वस्थ लोकतंत्र के लिए आलोचनात्मक सोच और अतीत से सीखने की क्षमता आवश्यक है। यदि नागरिकों को विकृत इतिहास पढ़ाया जाएगा, तो वे अपने राष्ट्र और समाज की चुनौतियों को ठीक से समझ नहीं पाएंगे।

भूपेन्द्र गुप्ता
स्वतंत्र विश्लेषक

इतिहास तथ्यों, साक्ष्यों और अकादमिक शोध पर आधारित एक अनुशासन है, न कि सत्ताधारी दल की राजनीतिक या इच्छाओं को पूरा करने का साधन। इतिहास से छेड़छाड़ करना न केवल अतीत के साथ अन्याय है, बल्कि वर्तमान और भविष्य के लिए भी हानिकारक है। सरकार द्वारा एनसीईआरटी द्वारा पाठ्य पुस्तकों में इतिहास नवलेखन के नाम पर जो बदलाव किये जा रहे हैं उससे कई प्रश्न उभरते हैं।

इतिहास की प्रकृति और सत्यनिष्ठा - इतिहास, जैसा कि नाम से स्पष्ट है, इति-ह-आस अर्थात ऐसा ही हुआ था। यह साक्ष्यों, दस्तावेज़ों, पुरातात्विक खोजों, समकालीन अभिलेखों और बहुआयामी शोध पर आधारित होता है। यह कोई कहानी या मिथक नहीं है जिसे मनचाहा बदला जा सके। जब सरकार इतिहास को अपनी राजनीतिक सुविधा के लिए बदलती है, तो वह इसके सत्य को ही नष्ट कर देती है। यह अकादमिक स्वतंत्रता पर हमला है। किसी विशेष घटना के उल्लेख को हटाना या उसे बिना विश्वसनीय साक्ष्य के तोड़-मरोड़ कर पेश करना लोकतंत्र और नागरिकता के लिए खतरा भी बन सकता है। सामुदायिक इतिहास से छेडछाड़ व्यापक सामाजिक संतुलन को प्रभावित करता है। इतिहास से छेड़छाड़ करके सरकारें एक कथित राष्ट्रीय गौरव का निर्माण करना चाहती हैं, तो इसे सच्चाई पर आधारित होना चाहिए। क्योंकि विकृत इतिहास नागरिकों को सोचने, सवाल पूछने और वर्तमान के मुद्दों को ऐतिहासिक संदर्भ में देखने से रोकता है। पाठ्यपुस्तकों से कुछ अध्यायों को हटाना या उन्हें पूरी तरह से बदल देना जो किसी सत्ताधारी विचारधारा के अनुरूप न हों जैसे प्रयास सामाजिक स्थैर्य को हानि पहुंचाते है

ज्ञान और भविष्य पर प्रभाव- हम अपनी गलतियों से तभी सीखते हैं जब हम उन्हें स्वीकार करते हैं। इतिहास को साफ करके या नायक-पूजा करके हम अपनी कमजोरियों और गलतियों को पहचानने का मौका खो देते हैं।हर युग में हर समाज में नायक और खलनायक हो सकते हैं। किसी शासनकाल की केवल उपलब्धियों को दिखाना और उसकी विफलताओं या क्रूरताओं को छुपाना इतिहास लेखन नहीं है।

सामाजिक समरसता पर नकारात्मक प्रभाव - अक्सर इतिहास से छेड़छाड़ का उद्देश्य कुछ समुदायों या विचारधाराओं को महिमामंडित करना और दूसरों को नीचा दिखाना होता है। यह समाज में विभाजन और वैमनस्य को बढ़ावा देता है। सच्चा इतिहास सभी आवाज़ों, दृष्टिकोणों और अनुभवों को समाहित करता है। वह विविधता को स्वीकारता है।

अंतर्राष्ट्रीय विश्वसनीयता पर प्रश्न- इतिहास वैश्विक ज्ञान का हिस्सा है। अन्य देशों के विद्वान और नागरिक इस छेड़छाड़ को आसानी से पहचान लेते हैं, जिससे देश की छवि खराब होती है।जब कोई देश अपने इतिहास से छेड़छाड़ करता है, तो अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उसकी अकादमिक और बौद्धिक विश्वसनीयता पर सवाल उठते हैं। तर्क दिया जा सकता है कि इतिहास को सुधारा जा रहा है किंतु इतिहास को सुधारने और छेड़छाड़ करने में फर्क है। अकादमिक इतिहास में नई खोजों, साक्ष्यों और गहन शोध के आधार पर लगातार नए दृष्टिकोण आते हैं। यह एक सतत प्रक्रिया है। लेकिन सरकार द्वारा बिना किसी नए अकादमिक साक्ष्य के, केवल राजनीतिक एजेंडे के तहत बदलाव करना छेड़छाड़ है। क्या ये सुधार किसी स्वतंत्र इतिहासकार की कमेटी ने सुझाए हैं, या सिर्फ राजनीतिक इच्छाशक्ति से हो रहे हैं? यह पाठ्यक्रम में बदलाव करते समय सुनिश्चित होना चाहिए। यह भी कहा जाता है कि राष्ट्र गौरव बढ़ाने के लिए यह किया जा रहा है। लेकिन सच्चा राष्ट्र गौरव अतीत की सच्चाइयों का सामना करने से आता है, चाहे वे कितनी भी कड़वी क्यों न हों। केवल मनगढ़ंत या चुनिंदा इतिहास से निर्मित गौरव खोखला होता है और यह कभी भी एक मजबूत राष्ट्र की नींव नहीं बन सकता। क्या हम अपनी कमियों और गलतियों से सीखे बिना सच में आगे बढ़ सकते हैं? यह भी कहा जा रहा हैं कि ऐतिहासिक तथ्य पश्चिमी या औपनिवेशिक दृष्टिकोण से लिखे गए थे, उन्हें बदलना ज़रूरी है। निश्चित रूप से, औपनिवेशिक इतिहास में पूर्वाग्रह थे, और उनका अकादमिक रूप से विश्लेषण और आलोचना होनी चाहिए। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि हम एक पूर्वाग्रह को दूसरे पूर्वाग्रह से बदल दें। हमें नए, भारतीय दृष्टिकोण से इतिहास लिखना चाहिए जो तथ्यों पर आधारित हो, न कि प्रतिक्रिया या निजी विचार पर। अगर अप्रकाशित नायकों और घटनाओं को सामने लाया जा रहा है। तो यह एक स्वागत योग्य कदम है, लेकिन सामने लाने और बाकियों को मिटाने में अंतर है। नए नायकों को जोड़ना चाहिए, उनकी कहानियों को पढ़ाना चाहिए, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि हम स्थापित और स्वीकृत इतिहास को मिटा दें। उदाहरण के लिये हाल ही में इतिहास से छेड़छाड़ के आरोप इसलिये लगे हैं क्योंकि गांधी जी की हत्या में हत्यारे नाथूराम गोडसे की जगह लिखा गया है कि एक युवा ने गांधी जी की हत्या कर दी।क्या यह इतिहास लेखन है? पूरी दुनिया इस तथ्य को जानती है,वह किताब से हटाओगे तो गूगल बता देगा। इसी तरह बिरसा मुंडा इतिहास के नायक हैं उन्होंने अंग्रेजों और हिंदु लैंडलार्डस की ज्यादतियों के विरुद्ध संघर्ष किया था इसमें से हिंदू शब्द हटा दिया गया है। अब यह सिद्ध हो चुका है कि आर्य भी ईरान से 1500 बीसी के पहले भारत आये थे उन्हें भारत का ही बताना तथ्यों को नकारना है तो इसके तार्किक कारण बताये जाने चाहिये। सच्चा इतिहास तो साक्ष्य-आधारित होता है। इतिहास से छेड़छाड़ भावी पीढ़ियों के साथ धोखा है। यह उन्हें अपनी जड़ों और सच्चाई से दूर करता है। एक राष्ट्र जो अपने इतिहास का सम्मान नहीं करता, वह अपने भविष्य का निर्माण नहीं कर सकता। पाठ्यपुस्तकों का निर्माण अकादमिक पारदर्शिता से होना चाहिए। सच्चा राष्ट्र तभी बनता है जब वह अपने पूरे इतिहास को, उसकी अच्छाइयों और बुराइयों सहित, स्वीकार करे और उससे सीखे। इतिहास को राजनीतिक हथियार बनाना, देश के भविष्य से खिलवाड़ है।

कमलाराजा महाविद्यालय में हुई कार्यशाला

ग्वालियर। शासकीय कमलाराजा कन्या स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, ग्वालियर के आईक्यूएसी द्वारा शनिवार को महाविद्यालय में एबीसी आईडी, अपार आईडी एवं एनएडी से पहचान विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डिजिटल इंडिया कॉरपोरेशन, मिनिस्ट्री ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इनफॉरमेशन टेक्नोलॉजी से अक्षय मंगवानी ने विस्तार से सदन में सहभागियों से चर्चा की। अध्यक्षता डॉ. साधना श्रीवास्तव ने की। कार्यशाला में महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक एवं छात्राएं उपस्थित रहे।

रेडिएंट स्कूल की सृष्टि ने जीता स्वर्ण

ग्वालियर। द रेडिएंट स्कूल ग्वालियर की जूनियर विंग के छात्रों ने कराटे प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम रोशन किया। इस प्रतियोगिता में सृष्टि जैन ने स्वर्ण पदक जीतकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसी क्रम में अंकिता बरैया ने रजत पदक प्राप्त कर विद्यालय की उपलब्धियों में एक और अध्याय जोड़ा। वहीं लक्ष्य जैन, आरिका वर्मा, दिव्यांशी राठौर, कृति गर्ग, दर्श जैन एवं शिवांश दीवान ने कांस्य पदक जीतकर प्रतियोगिता में अपना परचम लहराया।

पीएनबी ने एमएसएमई उद्यमियों को दी जानकारी

ग्वालियर। पंजाब नेशनल बैंक द्वारा एमएसएमई उद्यमियों के विकास एवं समर्थन हेतु एक विशेष आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन गत दिवस चेम्बर भवन में किया गया। इस अवसर पर पीएनबी के महाप्रबंधक पीके मलिक ने एमएसएमई क्षेत्र के लिए बैंक द्वारा दी जाने वाली विभिन्न योजनाओं एवं वित्तीय सहायता के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि बैंक का उद्देश्य सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों को वित्तीय सहयोग प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। इस अवसर पर पीएनबी मंडल प्रमुख ग्वालियर नवनीत कुमार ने कहा कि बैंक एमएसएमई क्षेत्र को हर संभव सहयोग प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। यह कार्यक्रम एमएसएमई क्षेत्र के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ है। कार्यक्रम में ग्वालियर के उद्यमियों, व्यापारियों एवं बैंक अधिकारियों ने भाग लिया।

किट्टा पार्टी ने तीसरा स्थापना दिवस मनाया

ग्वालियर। किट्टा पार्टी ग्रुप द्वारा अपना तीसरा स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर ग्रुप सदस्यों द्वारा खूब मस्ती की गई। इस दौरान ग्रुप में नवीन सदस्य के रूप में अर्जुन अशोक को सम्मिलित किया गया जिनका फूल माला से स्वागत किया गया। नीरज नायक ने वर्ष भर में किए गए कार्यकलापों का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में ग्रुप के सदस्य अशोक चौधरी का जन्मदिन मनाया गया। इसके बाद स्थापना दिवस का केक काटा गया। संचालन अनिल मिश्रा और आभार संग्राम सिंह ने व्यक्त किया।

बच्चों को यौन शोषण से बचाने के लिए दिया प्रशिक्षण

ग्वालियर। यंग इंडियंस द्वारा गत दिवस मासूम बच्चों को यौन शोषण और साइबर खतरों से बचाने के लिए प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया जिसमें 9 निजी विद्यालयों के 50 शिक्षकों तथा 10 स्वयंसेवकों ने भाग लिया। इस दौरान भारतीयम् विद्यालय, लिटिल एंजल्स हाई स्कूल, नेशनल चिल्ड्रन हाई स्कूल, ग्वालियर ग्लोरी, ईसीएस बैगलेस, जीडी गोयनका, वीनस पब्लिक, सेंट साई कॉन्वेंट एवं लिटिल फाल्कन स्कूल ने सहभागिता की। प्रशिक्षण के बाद सभी प्रतिभागियों ने यह संकल्प लिया कि वे अपने विद्यालयों में अभिभावकों और विद्यार्थियों के लिए जागरूकता सत्र आयोजित करेंगे और अपने साथी शिक्षकों को भी प्रशिक्षित करेंगे, ताकि बाल सुरक्षा से संबंधित जानकारी अधिक से अधिक तक पहुंच सके। इस आयोजन का सहनेतृत्व चैप्टर के चेयरमैन सीए प्रभात चोपड़ा एवं वाइस चेयरमैन भरत भगचंदानी ने किया। संचालन दिनेश और देवांगशी ने किया।

ज्वाइंट रिप्लेसमेंट सर्जन डॉ. श्रीवास्तव आज देंगे सेवाएं

ग्वालियर। ज्वाइंट रिप्लेसमेंट सर्जन डॉ. आशुतोष श्रीवास्तव 27 जुलाई को सुबह 10 से 2 बजे तक आरजेएन अपोलो स्पेक्ट्रा अस्पताल में अपनी सेवाएं देंगे। जिन मरीजों को जोड़ों में दर्द,जकड़न, स्पोर्ट्स इंजरी एवं लिगामेंट इंजरी जैसी बीमारियों से पीड़ित है, वह डॉ. श्रीवास्तव से परामर्श ले सकते हैं। उल्लेखनीय है कि डॉ श्रीवास्तव प्रत्येक माह के चौथे रविवार को परामर्श के लिए आरजेएन अपोलो में लगातार उपलब्ध रहेंगे।

युद्ध के इतिहास की स्वर्णिम रचना है कारगिल विजयः अरिंदम

नगर संवाददाता ▸ ग्वालियर

कारगिल क्षेत्र के भू-भाग जहां गगन चूमती बर्फीली चोटियां और उन चोटियों के आसपास गहरी-गहरी खाइयां, ऑक्सीजन लेवल बहुत कम यानी सांस लेने में दिक्कत, उन चोटियों के ऊपर शत्रु गोला बारूद लेकर सुरक्षित बैठा है। हमारी सेना को नुकसान पहुंचा रहा था, टास्क बहुत ही मुश्किल था, लेकिन मां भारती के इन योद्धाओं ने उन चोटियों पर पहुंचकर शत्रु के दांत खट्टे कर दुश्मन को मार

गिराया और भारत के ललाट को ऊंचा कर दिया।

यह बात नगर निगम ग्वालियर एवं कारगिल शहीद सरमन सिंह खेल एवं शिक्षा प्रसार संस्था के संयुक्त तत्वावधान में महाराज बाड़ा पर आयोजित कारगिल विजय दिवस के कार्यक्रम में बोलते हुए डिप्टी कमांडर अरिंदम धार ने कही।

श्री धार ने कहा कि सारा विश्व हमारी सेना के पराक्रम का लोहा मानता है। इतिहास में जितने भी युद्ध लड़े गए उन लड़े गए युद्ध के इतिहास की स्वर्णिम रचना है। इसके बाद कारगिल के शहीदों को पुष्प चक्र अर्पित किए गए। इस अवसर पर पुष्प चक्र अर्पण करने वालों में एसडीएम सूर्यकांत त्रिपाठी, बीज निगम के पूर्व अध्यक्ष महेंद्र यादव, डॉ. सुधीर सक्सेना, इंडियन नेवी राजीव गुप्ता, कर्नल नरेंद्र सिंह तोमर, डॉ. अनुभव गर्ग, भाजपा जिलाध्यख जयप्रकाश राजौरिया आदि शामिल रहे। इस अवसर पर अभिषेक शर्मा, बबलू शर्मा, दिनेश शुक्ला, लक्ष्मण सेंगर, कुलदीप परिहार, कृष्णा सिंह, एकात्मता शर्मा, सुमन शर्मा आदि ने शहीदों को नमन किया।

इनका हुआ सम्मान

इस अवसर पर डिप्टी कमांडर एवं उपस्थित अतिथियों द्वारा शहीद परिवारों जिसमें शहीद रामअवतार लोधी की वीर नारी रचना लोधी, शहीद सरमन सिंह सेंगर की पुत्रवधू सुमन देवी, शहीद मनोज सिंह कुशवाह की वीर नारी गिरिषा देवी, शहीद एमपी शर्मा की वीर नारी नीलम शर्मा को सम्मानित किया गया।

बच्चों के लिए एक स्मार्ट क्लास भी आवश्यक : कुशवाहा

नगर संवाददाता ▸ ग्वालियर

श्री महारुद्र मंडल एवं अभिनव विद्या मंदिर विद्यालय गाढ़वे की गोठ में गत दिवस द्वार की शिलान्यास पट्टिका का पूजन कर उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सामाजिक न्याय मंत्री नारायण सिंह कुशवाहा और विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ मध्य क्षेत्र के क्षेत्र कार्यकारिणी सदस्य यशवंत इंदापुरकर, श्री महारुद्र मंडल के प्रशासक एसडीएम विनोद सिंह एवं समर्थ शिक्षा समिति के अध्यक्ष महेन्द्र अग्रवाल थे। अध्यक्षता पूर्व सांसद विवेक शेजवलकर ने की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि ने कहा कि आप लोग बच्चों के लिए जो मेहनत कर रहे हैं, वह वाकई सराहनीय है। उन्होंने कहा कि इस विद्यालय में बच्चों के लिए एक स्मार्ट क्लास भी होना चाहिए, इसके लिए आप और हम प्रयास करेंगे। कार्यक्रम में व्याप्ति उमड़ेकर ने दीप मंत्र प्रस्तुत किया।

अभिनव विद्या मंदिर की बहनों ने सरस्वती वंदना, स्वागत एवं देशभक्ति गीत प्रस्तुत किए। इस अवसर पर मध्यभारत शिक्षा समिति के अध्यक्ष राजेन्द्र बांदिल, क्षेत्रिय पार्षद अनिल सांखला, पार्षद मोहित जाट, डॉ.जेएस नामधारी, हेमंत खेड़कर, सुनील मुजुमदार, किरण कल्याणकर, पूर्व पार्षद धर्मेन्द्र कुशवाह आदि उपस्थित थे। संचालन अर्चना शर्मा एवं आभार विनोद सिंह ने व्यक्त किया।

हेमलता रोहिरा बनीं दूरदर्शन की बी ग्रेड शास्त्रीय नृत्यांगना

नगर संवाददाता ▸ ग्वालियर

मालवा क्षेत्र की प्रतिभाशाली कथक नृत्यांगना हेमलता रोहिरा ने शास्त्रीय नृत्य के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। दूरदर्शन भोपाल द्वारा आयोजित शास्त्रीय नृत्य परीक्षण में उन्होंने कथक नृत्य शैली में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए बी ग्रेड कलाकार के रूप में चयन प्राप्त किया। हेमलता की यह उपलब्धि उनके लंबे समय से चले आ रहे समर्पण, कठिन परिश्रम और नृत्य कला के प्रति गहरे प्रेम का परिणाम है। इस चयन के साथ ही अब वे दूरदर्शन के विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों में प्रस्तुति देने

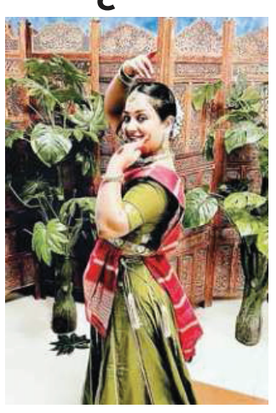

के लिए अधिकृत होंगी। हेमलता रोहिरा ने यह सम्मान अपने गुरु डॉ. नीलिमा शर्मा और अपने परिवार को समर्पित किया है।

सत्यनारायण टेकरी मंदिर की भूमि माफियाओं से मुक्त कराए प्रशासन

नगर संवाददाता ▸ ग्वालियर

सत्यनारायण टेकरी की सौ बीघा जमीन पर भूमाफियों द्वारा कब्जा कर लिया गया है और अब उनकी नजर मंदिर की शेष जमीन पर लगी हुई है। इसे लेकर शनिवार को संत-महंतों ने एकजुट होकर कहा कि अब हम मंदिर की एक इंच जमीन भी भूमाफियों के हाथ नहीं लगने देंगे।

षटदर्शन मंडल के अध्यक्ष कमलदास महाराज, महंत देवीदास, हरिदास त्यागी बाबा, महंत दामोदरदास त्यागी, विवेकनंद सरस्वती, सेवादास, रामदास, बालक दास महाराज ने सामूहिक रूप से बताया कि तीन अलग-अलग निर्णयों में हाईकोर्ट सत्यनारायण की टेकरी से अतिक्रमण हटाने के आदेश दे चुका है, लेकिन भूमाफियों से सांठगांठ के चलते प्रशासन ने मंदिर की जमीन मुक्त कराने के लिए आज तक कोई कार्रवाई नहीं की है, जिससे भूमाफियों के हौंसले बुलंद हैं और वे मंदिर की शेष जमीन को भी कब्जाना चाहते हैं। संतों ने कहा कि दंबगों द्वारा मंदिर के गेटों को बंद कर दिया गया है और मंदिर की भूमि पर कब्जा कर प्लॉट काटे जा रहे हैं। संतों ने जिला प्रशासन से कोर्ट आदेश के पालन में मंदिरों को अतिक्रमण मुक्त कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि प्रशासन ने यदि जल्द ही मंदिर की जमीन को अतिक्रमण मुक्त करने के लिए कार्रवाई शुरू नहीं की तो वह आंदोलन करेंगे।

भोला हत्याकांड का एक और आरोपी पकड़ा

ग्वालियर। हजीरा थाना क्षेत्र में भोला सिकरवार की तबाड़तोड़ गोलियां मारकर हत्या करने वाले एक और आरोपी को पुलिस ने पकड़ लिया। पुलिस इससे पहले हत्या के मुख्य आरोपी बंटी भदौरिया को पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार कर चुकी है। अभी उक्त हत्याकांड में अन्य आरोपी फरार चल रहे हैं। लाइन नम्बर दो में भोला सिकरवार की हत्या के मामले में पुलिस ने एक और आरोपी को पकड़ लिया है। पकड़ा गया आरोपी राहुल राजावत बताया गया है। पुलिस राहुल से हत्या के बारे में पूछताछ कर रही है। बता दें भोला की बंटी भदौरिया और उसके साथियों ने उस समय गोलियां मारकर हत्या कर दी थी जब वह घर से थोड़ी ही दूरी पर दुकान पर बैठा हुआ था। भोला का साथी गंभीर रूप से घायल हो गया था। इस संबंध में सीएसपी नागेन्द्र सिंह सिकरवार का कहना है कि बदमाश से हत्या के बारे में पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने भोला हत्याकांड में मुख्य आरोपी के अलावा तीन अन्य आरोपियों को पहले ही पकड़ लिया था।

युवक के हाथ पर झपट्टा मारकर 50 हजार लूटे

वरिष्ठ अधिकारियों के हस्तक्षेप के बाद हुई प्राथमिकी

नगर संवाददाता ▸ ग्वालियर

अपनी मां की बीमारी का उपचार कराने एक हजार बिस्तर चिकित्सालय पहुंचे युवक के साथ बदमाशों ने लूट कर दी। फल लेने के लिए ठेले पर खड़े युवक के हाथ पर झपट्टा मारकर बदमाश नकदी लूट ले गए।पुलिस ने लूटपाट के मामले में तीन दिन बाद सुध ली और लूटपाट की घटना की जांच प्रारंभ कर दी है।

झांसी बिजौली के ग्राम सेंयर निवासी अंकित पुत्र महेश यादव की मां की हालत बिगड़ने पर वह उनको लेकर एक हजार बिस्तर चिकित्सालय पहुंचा था। 22 जुलाई को सुबह साढ़े सात बजे के करीब अंकित चिकित्सालय के बाहर लगने वाले ठेलों पर फल व जूस खरीदने गया था। युवक ठेले पर फल खरीद रहा था तभी उसके पास एक बदमाश आया और दुकानदार को पैसे देते समय उसके हाथ पर झपट्टा मारकर 50 हजार रुपए छीन लिए और कम्पू थाने की ओर मोटरसाइकिल से भाग गया। युवक सुबह -सुबह पचास हजार रुपए लूट की शिकायत लेकर थाने पहुंचा और पुलिस को आपबीती सुनाई। अंकित का कहना था कि एक बदमाश ने उसके हाथ से नकदी छीनी है जबकि बदमाश के साथ तीन बदमाश और थे जो दूसरी मोटरसाइकिल से भागे थे। हालांकि पुलिस ने मौके पर जाकर सीसीटीवी भी चेक किए थे, लेकिन शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज नहीं की थी। शनिवार को जब पीड़ित वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचा और अपनी पीड़ा सुनाई तब वरिष्ठ अधिकारियों के संज्ञान में मामला आने पर पुलिस को प्राथमिकी दर्ज करने के निर्देश दिए गए। पुलिस ने फरियादी से शिकायती आवेदन ले लिया है।

तीन दिन से युवक थाने के लगा रहा चक्कर

पीड़ित अंकित ने बताया कि वह 22 जुलाई को ही कम्पू थाने पहुंचा और घटना के बारे में बताया। लेकिन पुलिस ने उसकी कोई सुनवाई नहीं की। आवेदन तक भी नहीं लिया। फुटेज देखने के बाद अंकित को थाने से कभी सुबह तो कभी शाम को आने के लिए कहा गया, लेकिन प्राथमिकी दर्ज नहीं की। थाने का स्टाफ तीन दिन तक गुमराह करता रहा परेशान होकर एसपी कार्यालय गए जब हमारी सुनवाई हुई। मां की हालत गंभीर है और पुलिस का लूट के बाद भी प्राथमिकी दर्ज नहीं करना यह रवैया परेशान कर रहा है।

रैफरल मरीजों की बढ़ती संख्या पर स्वास्थ्य विभाग सख्त

नगर संवाददाता ▸ ग्वालियर

संभाग में रैफरल मरीजों की संख्या में बढ़ोतरी पर अब स्वास्थ्य विभाग ने सख्ती शुरू कर दी है। हाल ही में लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा आयुक्त तरुण राठी के ग्वालियर दौरे और समीक्षा बैठक के बाद रैफरल सिस्टम पर नियंत्रण के लिए ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। आयुक्त ने रैफरल मरीजों की अधिक संख्या पर नाराजगी जताते हुए चेतावनी दी थी कि जिन जिलों में रैफरल ज्यादा पाए जाएंगे, वहां के स्वास्थ्य अधिकारियों पर सीधी कार्रवाई होगी।

सीएमएचओ डॉ. सचिन श्रीवास्तव ने रैफरल कम करने की दिशा में कार्रवाई शुरू की है। बिरला नगर और लक्ष्मीगंज प्रसूति गृहों में पहले रात के समय डिलीवरी नहीं हो पाती थी और गर्भवती महिलाओं को केआरएच या जच्चा खाना, मुरार रैफर कर दिया जाता था। अब दोनों अस्पतालों में रात्रिकालीन ड्यूटी के लिए चिकित्सकों की तैनाती कर दी गई है और ड्यूटी रोस्टर भी जारी हो चुका है। नई व्यवस्था के तहत रात में आने वाली गर्भवती महिलाओं को वहीं प्रसव सुविधा दी जाएगी और आवश्यकता पड़ने पर सीजर (ऑपरेशन) भी किया जा सकेगा। इससे न केवल रैफरल मरीजों की संख्या में कमी आएगी बल्कि महिला मरीजों को समय पर बेहतर उपचार भी मिलेगा।

प्रसूति गृहों में रात्रिकालीन सेवाएं शुरू

भितरवार अस्पताल में भी जल्द प्रसव सेवा

भितरवार अस्पताल में ऑपरेशन थिएटर तैयार कर लिया गया है। ओटी में उपयोग होने वाले उपकरण और जरूरी सामान जल्द पहुंचने वाला है। इसके बाद भितरवार में भी प्रसव सेवा शुरू हो जाएगी, जिससे ग्रामीण क्षेत्र की गर्भवती महिलाओं को जिला मुख्यालय पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा।

शाश्वती ने की राग मेघ में घुले मेघ मल्हार के सुरों की बरसात

नगर संवाददाता ▸ ग्वालियर

आईटीएम विश्वविद्यालय में आईटीएम मेघ मल्हार-2025 के द्वितीय दिवस का आगाज ख्यातिनाम ग्वालियर घराने की शास्त्रीय संगीत गायक शाश्वती मंडल ने अपने सौम्य अंदाज में राग मेघ की विलंबित और द्रुत एकताल में निबद्ध बंदिश में घुले मेघ मल्हार के साथ किया। आईटीएम के तुरारी कैंपस के लियोनार्दो द विंची ब्लॉक स्थित उस्ताद अलाउद्दीन खान सभागार में शनिवार को दोपहर ठीक 3 बजे से ग्वालियर घराने की शास्त्रीय संगीत गायक डॉ. शाश्वती मंडल ने श्रोताओं के मन को सुरों से तर बतर कर देने वाली राग मेघ की मनोहारी प्रस्तुति दी। उन्होंने विलंबित बंदिश पेश की। जिसके बोल थे आयो री बरखा रितु आयो... बिजुरी चमके घन गरजे, मनवा आनंद भयो केसरिया पात भये वन-वन..., की उम्दा प्रस्तुति दी। इसके बाद उन्होंने द्रुत बंदिश जिसके बोल मेघ श्याम घनश्याम की मन को झंकृत कर देने वाली प्रस्तुति दी। इस अवसर पर विशेष रूप से आईटीएम की चांसलर रूचि सिंह, प्रो-चांसलर डॉ. दौलत सिंह चौहान, वाइस चांसलर प्रो. योगेश उपाध्याय, डॉ. ओमवीर सिंह, डीन अकेडमिक डॉ. रंजीत सिंह तोमर, डीन अकेडमिक डॉ. सोनिया जौहरी, प्रो. पल्लवी खत्री, प्रो.रिचा कोठारी, डॉ. मनीश शर्मा, प्रो. मुकेश कुमार पांडेय सहित अन्य मौजूद रहे।

जल प्रभावित क्षेत्रों पर 24 घंटे रखें नजर, जिलाधीश ने दिए निर्देश

नगर संवाददाता ▸ ग्वालियर

जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में अतिवृष्टि होने के कारण कई गांवों का सम्पर्क टूट गया है। इसी के चलते एहतियात के तौर पर जिला प्रशासन ने पर्याप्त राहत शिविर स्थापित किए हैं और जहां अत्यधिक जल भराव हुआ है वहां लोगों को एसडीआरएफ की मदद से सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है।

जिलाधीश रुचिका चौहान ने सभी एसडीएम को निर्देश दिए हैं कि वे जल प्रभावित क्षेत्रों पर 24 घंटे

नजर रखें और आवश्यकता पड़ने पर लोगों को तुरंत राहत शिविरों में आश्रय दिलाएं। उन्होंने शिविरों में भोजन, पेयजल और प्राथमिक चिकित्सा की पूरी व्यवस्था सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए।

भितरवार में पांच राहत शिविर और बेरिकेडिंग

भितरवार क्षेत्र में लगातार बढ़ते पानी को देखते हुए एसडीएम संजीव जैन ने निचले क्षेत्रों के पुल-पुलियों पर बेरिकेड्स लगाकर आवागमन बंद करा दिया है। छीमक-भितरवार मार्ग और देवरा-भानगढ़ पुल पर पानी बढ़ने से यातायात रोका गया है। भितरवार नगर में पांच राहत शिविर बनाए गए हैं और हर ग्राम पंचायत में पंचायत भवन व स्कूलों को आवश्यकता पड़ने पर शिविरों के रूप में उपयोग के लिए तैयार किया गया है।

पानी ज्यादा हो तो आवागमन न करें

जिले में जिन पुल-पुलियों व सड़क मार्गों पर जल स्तर ज्यादा है वहां पर आवागमन न करने के लिए स्थानीय निवासियों को सतर्क करने के निर्देश प्रशासन ने दिए हैं। साथ ही वाहनों से एवं अन्य माध्यमों से लाउड स्पीकर के जरिए मुनादी कर लोगों को लगातार सतर्क किया जा रहा है। जल स्तर बढ़ने पर जिले की भितरवार तहसील के अंतर्गत ग्राम अरूसी व बेलगढ़ा के समीप स्थित पुलिया पर आवागमन न करने के लिए क्षेत्रीय तहसीलदार द्वारा अपने वाहन से मुनादी कर लोगों को सतर्क किया गया। इसी तरह जिले में स्थित ऐसी अन्य पुल-पुलियों जहां पर जल स्तर ज्यादा है उस क्षेत्र के गांवों को पुल-पुलियों से आवागमन न करने के लिये सचेत किया गया है।

सिटी स्पोर्ट्स

टी-20 में छत्तीसगढ़ की जीत सलोनी ने लिए 2 विकेट

रायपुर। क्रिकेट ए सो सि ए श न पुडुच्चेरी की ओर से सीनियर वुमेंस इंटर स्टेट टी-20 अभ्यास मैच 2024-25 जारी है। जिसमें छत्तीसगढ़ सहित झारखंड, पुडुच्चेरी और हिमाचल प्रदेश आदि टीमें हिस्सा ले रहीं है। शुक्रवार को छत्तीसगढ़ का पहला मैच पुडुच्चेरी के विरुद्व पुडुच्चेरी में खेला गया। छत्तीसगढ़ ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। छत्तीसगढ़ ने पहले बल्लेबाजी करते हुये 20 ओवरों में 5 विकेट खोकर 145 रन बनाये। छत्तीसगढ़ की ओर से प्रारंभिक जोडी ने शानदार बल्लेबाजी करते हुये टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई, सृष्टि शर्मा ने 42 रन तथा एश्वर्या सिंह ने 35 रनों का योगदान दिया। उनके अतिरिक्त तरन्नुम पठान ने भी 16 रनों की उपयोगी पारी खेली। पांडेचेरी की ओर से प्रत्युषा ने 2 विकेट प्राप्त किये। 146 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पुडुच्चेरी 20 ओवरों में 5 विकेट खोकर 139 रन ही बना सकी। पुडुच्चेरी की ओर से युवाश्री ने 64 रन तथा सयाली ने 31 रनों का योगदान दिया। छत्तीसगढ़ की ओर सलोनी डंगोरे ने 2 विकेट प्राप्त किए, प्रीति यादव तथा प्रतिज्ञा सिंह ने 1-1 विकेट लिया। छत्तीसगढ़ ने मैच 6 रनों से यह मैच जीत लिया।

छत्तीसगढ़ पावर लिफ्टिंग चैंपियनशिप कल रायपुर में

रायपुर। पावर लिफ्टिंग एसोसिएशनएवं टी गोल्ड जिम अश्वनी नगर के तत्वाधान में 5 वीं छत्तीसगढ़ पावर लिफ्टिंग चैंपियनशिप का आयोजन 27 जुलाई को सिंधी धर्मशाला लाखेनगर चौक रायपुर में किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ पावर लिफ्टिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष मानिक ताम्रकार और महासचिव प्रदीप क्षत्रिय ने बताया कि प्रतियोगिता का उदघाटन मुख्य अतिथि महापौर मीनल चौबे करेंगी। विशेष अतिथि पार्षद सरिता दुबे, सुमन पांडेय पार्षद नगर निगम रूपेश रहांगडाले, नेता विश्व हिंदू परिषद समाज सेवी सतबीर सिंह जुनेजा, डा मूलचंद पृथ्वानी अध्यक्ष सिंधी धर्मशाला और श्रवण ठाकुर सरपंच जामगाव करेंगे। पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि सुनील सोनी रायपुर दक्षिण विधायक, विशेष अतिथि जोन 5 अध्यक्ष अम्बर अग्रवाल, पार्षद दीपक जायसवाल, पार्षद मनोज वर्मा, नगर निगम रायपुर बॉडी बिल्डिंग संघ के अध्यक्ष हरिवल्लभ अग्रवाल और जैतू साव मठ व्यायाम शाला के अध्यक्ष रेवाराम यदु होंगे।

राज्य स्तरीय ग्रेपलिंग-कुश्ती में रायपुर विजेता और पेंड्रा उपविजेता

रायपुर। छत्तीसगढ़ ग्रेपलिंग-कुश्ती संस्था व दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल के संयुक्त तत्वाधन में 5वीं राज्य स्तरीय ग्रेपलिंग-कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन विद्यालय परिसर में किया गया। जिसमें राज्य भर के कई जिलों से आए 175 से भी अधिक खिलाड़ियों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में गी-इवैंट -11 वर्ष-बालिका वर्ग में: -22 किलो में दीनिका दीक्षित-स्वर्ण (रायपुर), -27 किलो में आराध्या मुदलियार-स्वर्ण (रायपुर), -30 किलो में वेदिका सैनी-स्वर्ण (रायपुर), गज़ल साहू-रजत (बिलासपुर), रिद्धी यादव-कांस्य (दुर्ग), -34 किलो में भूमिका यादव-स्वर्ण (दुर्ग), चंचल शर्मा (रायपुर), आयुषी चहर (रायपुर), -42 किलो में श्रीनिका दीक्षित व -46 किलो में श्रीजल कुरमावर (रायपुर) ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया। नोगी-इवैंट -11 वर्ष-बालिका वर्ग में: -38 किलो में पूर्वी चौरे-स्वर्ण (गरियाबंद) व -42 किलो में ईशिका टंडन (गरियाबंद) ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया। गी- इवेंट -11 वर्ष-बालक वर्ग में: -22 किलो में दीवान शर्मा-स्वर्ण (रायपुर), रुद्र-रजत (रायपुर), देवेश जंघेल (दुर्ग), -27 किलो में संकल्प निषाद-स्वर्ण (रायपुर), आदर्श-रजत (बिलासपुर), कविश कुमार व अनुराज सिंह (रायपुर)- कांस्य पदक, -30 किलो में मानित अग्रवाल-स्वर्ण (रायपुर), अर्शदीप सिंह-रजत (रायपुर), -34 किलो में भव्य शर्मा-स्वर्ण (रायपुर), संजू सिहाग-रजत (रायपुर), -46 किलो में आयुष यादव, -50 किलो में राघव शर्मा, व जशवीर सिंह (रायपुर) ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया। नोगी-इवैंट -11 वर्ष-बालक वर्ग में: -22 किलो में सतेन्द्र श्याम-स्वर्ण (पेंड्रा), शिवान सिंह ठाकुर-रजत (पेंड्रा), -27 किलो में राज कुमार-स्वर्ण (गरियाबंद), आदर्श गुप्ता-रजत (पेंड्रा), -34 किलो में कॉमन बंजारे (गरियाबंद), -42 किलो में हर्ष कुमार साहू (गरियाबंद), व -70 किलो में अभिनव सिंह ठाकुर (गरियाबंद) ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया। गी- इवेंट -13 वर्ष-बालिका वर्ग में: -27 किलो में सानवी भोतमांगे-स्वर्ण (रायपुर)शामिल है।

बदलती जीवनशैली ने बच्चों को भी अपनी चपेट में ले लिया, सावधानी जरूरी

बच्चों का बढ़ता वजन दे रहा गंभीर बीमारियों को न्यौता, जानिए मोटापे की वजह और बचाव के तरीके

बचपन में मोटापा बढ़ने के लिए कई कारण जिम्मेदार हो सकते हैं। बच्चों में शारीरिक गतिविधि की कमी जैसे बाहर कम खेलना, दौड़-भाग में कमी, आउटडोर गेम्स में न हिस्सा लेना इसका प्रमुख कारण है। मोटापा वैश्विक स्तर पर बढ़ती एक गंभीर स्वास्थ्य समस्या है, सभी उम्र के लोगों में इसका खतरा देखा जा रहा है। मोटापा के कारण टाइप-2 डायबिटीज से लेकर हाई ब्लड प्रेशर, कोलेस्ट्रॉल से लेकर कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों का खतरा हो सकता है। यही कारण है कि स्वास्थ्य विशेषज्ञ सभी लोगों को अपने वजन को कंट्रोल में रखने के लिए निरंतर प्रयास करते रहने की सलाह देते हैं। बच्चों में बढ़ते मोटापा की समस्या को सेहत के नजरिए से काफी गंभीर माना जाता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ सभी माता-पिता को सलाह देते हैं कि वह सुनिश्चित करें कि बच्चे का वजन बढ़ने न पाए। कम उम्र में मोटापा सिर्फ शारीरिक नहीं, मानसिक और सामाजिक समस्याएं भी पैदा कर सकता है। अगर इसे समय रहते रोक लिया जाए तो भविष्य की कई बीमारियों से बचा जा सकता है। इसके लिए जरूरी है जागरूकता, सही लाइफस्टाइल और दिनचर्या में छोटे-छोटे बदलाव। आइए इस बारे में आगे विस्तार से समझते हैं।

कम उम्र में वजन बढ़ने का कारण

बचपन में मोटापा बढ़ने के लिए कई कारण जिम्मेदार हो सकते हैं। बच्चों में शारीरिक गतिविधि की कमी जैसे बाहर कम खेलना, दौड़-भाग में कमी इसका प्रमुख कारण है। ज्यादा बैठे रहने की आदत जैसे ऑनलाइन क्लास, फास्ट फूड और प्रोसेस्ड चीजों के अधिक सेवन की आदत को स्वास्थ्य विशेषज्ञ मोटापे का प्रमुख कारण मानते हैं।

मानसिक रोगों का भी बढ़ जाता है खतरा?

कम उम्र में वजन बढ़ने की स्थिति भविष्य में अवसाद, चिंता और तनाव जैसी मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं को भी बढ़ाने वाली हो सकती है। बच्चों के समग्र स्वास्थ्य को ठीक रखने और इस प्रकार की जटिलताओं के जोखिम को कम करने के लिए शारीरिक की वजन कंट्रोल में रखने के लिए प्रयास बहुत आवश्यक हैं। कम उम्र से ही कुछ उपाय करके बच्चे के वजन को कंट्रोल रखा जा सकता है।

वजन बढ़ने से कैसे रोका जाए?

कुछ बातों का ध्यान रखकर न सिर्फ वजन को कंट्रोल रखा जा सकता है साथ ही उन्हें भविष्य में गंभीर बीमारियों से बचाए रखने में भी मदद मिल सकती है। स्वस्थ भोजन और नियमित शारीरिक गतिविधि सबसे आवश्यक है। सुबह का नाश्ता दैनिक आहार का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसमें मौसमी फल-जूस, दूध और डेयरी उत्पादों को शामिल करें। सुनिश्चित करें कि आप पर्याप्त नींद ले रहे हैं। जिन लोगों की नींद पूरी नहीं होती है उनमें मोटापे का जोखिम अधिक होता है। इसके साथ अपना स्क्रीन टाइम भी कम कर लें।

इन बातों पर भी दें ध्यान

वजन को कंट्रोल रखने के लिए कम उम्र से ही कुछ आदतों को दिनचर्या में जरूर शामिल करें। हर दिन कम से कम 30–45 मिनट तेज चलना, दौड़ना, योग या डांस जैसी गतिविधि जरूर करें। घर का बना, कम तेल वाला और संतुलित भोजन करें। फलों, सब्जियों, दालों की मात्रा बढ़ाएं। कोल्ड ड्रिंक, केक, बिस्किट और पैकेज्ड स्नैक्स का सेवन कम से कम करें। मोबाइल या लैपटॉप पर समय सीमित करें। 7–8 घंटे की नींद शरीर को रिलैक्स करती है और वजन कंट्रोल रखने में भी सहायक है।

हाई प्रोटीन डाइट से हो सकते हैं गंभीर नुकसान, संतुलन जरूरी

प्रोटीन, मांसपेशियों के निर्माण से लेकर हड्डियों और दांतों को मजबूत करने के लिए जरूरी है, लेकिन कुछ बीमारियों में अधिक प्रोटीन वाले आहार का सेवन नहीं करना चाहिए। जब भी बात शरीर के लिए जरूरी पोषक तत्वों की आती है तो प्रोटीन की सबसे ज्यादा चर्चा होती है। बॉडी बिल्डिंग हो या वजन घटाना, हर कोई हाई प्रोटीन डाइट की तरफ तेजी से आकर्षित हो रहा है। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि ज्यादा प्रोटीन हर किसी के लिए फायदेमंद नहीं हो सकता?

दरअसल, हाई प्रोटीन डाइट का चलन जितना बढ़ा है, उससे जुड़े साइड इफेक्ट्स और रिस्क पर उतनी चर्चा नहीं होती। कई शोध बताते हैं कि ज्यादा प्रोटीन का सेवन कुछ लोगों के लिए फायदे की जगह नुकसानदायक हो सकता है।

हाई प्रोटीन डाइट का मतलब है कि आप दिन भर में जितनी कैलोरी का सेवन करते हैं उसका 25% से 35% हिस्सा प्रोटीन से आता है। इसमें अंडे, चिकन, मछली, पनीर, दालें, प्रोटीन पाउडर जैसी चीजों का सेवन अधिक और कार्ब्स की मात्रा कम कर दी जाती है। पर ये सभी के लिए फायदेमंद हो ऐसा जरूरी नहीं है।

प्रोटीन का अधिक सेवन हो सकता है नुकसानदायक

आहार विशेषज्ञ कहते हैं, प्रोटीन शरीर के लिए जरूरी है, लेकिन कई स्वास्थ्य समस्याओं में अधिक प्रोटीन का सेवन नुकसान पहुंचा सकता है। प्रोटीन मांसपेशियां बनाने से लेकर हड्डियों और दांतों को मजबूत करने के लिए जरूरी है, लेकिन कुछ बीमारियों में अधिक प्रोटीन वाले आहार का सेवन नहीं करना चाहिए। यूरिक एसिड की समस्या से पीड़ित लोगों के लिए उच्च प्रोटीन आहार यूरिक एसिड के स्तर को और बढ़ा सकता है, जिससे समस्या बढ़ सकती है। इसलिए आप चोकर युक्त आटा, भुट्टा, बेकरी के खाद्य पदार्थ के सेवन से बचें। इसके अलावा उड़द, मांस, मछली, सेम, सहजन, पालक, मटर, मशरूम चुकंदर, कद्दू के बीज का सेवन न करें। आप चिकित्सक की सलाह के अनुसार कम प्रोटीन वाले आहार को अपना सकते हैं।

किडनी की बढ़ सकती है दिक्कत

हाई प्रोटीन डाइट से किडनी को ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है। इससे किडनी संबंधी समस्याएं हो सकती हैं, खासकर उन लोगों में, जिन्हें पहले से किडनी की समस्याएं हैं। जिन लोगों को क्रॉनिक किडनी डिजीज की समस्या हो उन्हें आहार में कोई भी बदलाव डॉक्टर के सलाह पर ही करना चाहिए। आप चिकित्सक से पूछकर पौधे आधारित प्रोटीन, जैसे- फलियां, मेवे और बीज, साबुत अनाज तथा सोया का सेवन कर सकते हैं।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ?

वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. पी. बी. मिश्रा कहते हैं, अधिक प्रोटीन खाने से वजन बढ़ता है, साथ ही पाचन संबंधी समस्याएं गुर्दे पर दबाव और निर्जलीकरण भी हो सकता है। इसलिए अपना आहार परिवर्तन करने से पहले चिकित्सक से सलाह जरूर लें। हाई प्रोटीन डाइट चमत्कारी लग सकती है, लेकिन यह हर शरीर और हर स्थिति के लिए सही नहीं होती। अगर आप वजन घटाने या मसल्स बनाने के लिए हाई प्रोटीन डाइट लेना चाहते हैं, तो किसी डाइटीशियन या डॉक्टर से सलाह जरूर लें।

कुकिंग स्टाइल पर ध्यान दें, अपनाएं सही तरीका

अगर सब्जियों को ओवरकुक कर लिया जाए, तो इससे डिश का रंग, स्वाद और पौष्टिकता तीनों खराब हो जाते हैं। इसलिए समय आ गया है कि हम अपनी कुकिंग स्टाइल पर ध्यान दिया जाए।

कम तेल का इस्तेमाल करें

खाना पकाते समय ज्यादा तेल का इस्तेमाल न सिर्फ खाने को भारी बना देता है, बल्कि इससे पोषक तत्व भी नष्ट हो सकते हैं। तेल में ज्यादा देर तक तलने या फ्राई करने से उसमें मौजूद अच्छे तत्व पूरी तरह से नष्ट हो जाते हैं। इसलिए आप कम मात्रा में सरसों का तेल का इस्तेमाल करें।

दाल को कुकर में ज्यादा न पकाएं

दालों को प्रेशर कुकर में पकाना तेज और आसान तरीका है, लेकिन अगर आप ज्यादा सीटी लगाते हैं, तो इससे दाल में मौजूद विटामिन B और प्रोटीन टूटने लगते हैं। इसलिए जरूरत से ज्यादा दाल पकाना ठीक नहीं है।

सब्जियों को पहले धोएं, फिर काटें

कई लोग आदतवश सब्जियों को काटने के बाद धोते हैं, लेकिन यह तरीका गलत है। इसलिए हमेशा सब्जियों को बहते पानी में अच्छी तरह धोकर ही काटें। वहीं, हरी पत्तेदार सब्जियों को 10-15 मिनट नमक वाले पानी में भिगोकर फिर धोएं।

कुकिंग में ढक्कन का इस्तेमाल करें

जब हम बिना ढक्कन के सब्जियां पकाते हैं, तो गर्मी और भाप के साथ-साथ कई जरूरी विटामिन और मिनरल्स उड़ जाते हैं। वहीं, ढक्कन लगाने से खाना जल्दी पकता है और स्वाद भी बेहतर बनता है। इसलिए बेहतर होगा कि आप

कुकिंग करते वक्त ढक्कन का इस्तेमाल करें।

सही कुकिंग करने के हैक्स

सब्जियों को काटने से पहले अच्छी तरह से धोएं। फिर काटने के बाद मौजूद विटामिन और मिनरल्स कम हो जाते हैं। सब्जी बनाते वक्त कम पानी का इस्तेमाल करें, क्योंकि ज्यादातर सब्जियां जरूरत से ज्यादा पक जाती हैं और भाप बनकर निकल जाती है। सब्जियों को ज्यादा देर तक पकाने से उनका रंग, स्वाद और पोषण तीनों खराब हो जाते हैं। बस उतना पकाएं कि वे हल्की नरम या कुरकुरी रहें। कई सब्जियों और फलों के छिलकों में पोषण भरपूर होता है। जैसे गाजर, खीरा और आलू का छिलका भी फाइबर और विटामिन से भरपूर होता है। पकाते समय बर्तन को ढकने से न सिर्फ खाना जल्दी पकता है, बल्कि पोषक तत्व भी बचे रहते हैं। साथ ही, सब्जियों को बहुत छोटे टुकड़ों में काटने से पोषक तत्व जल्दी नष्ट हो जाते हैं। ज्यादा समय तक फ्रिज में रखी सब्जियों और दालों की पौष्टिकता कम हो सकती है। कोशिश करें कि फ्रेश सामग्री का इस्तेमाल करें। इसके अलावा, खाना बनाते समय नॉन-स्टिक पैन या कास्ट आयरन तवा का इस्तेमाल करें।

हरियाली तीज पर जलाएं दीया दूर होगा पति का हर संकट

हरियाली तीज के दिन अगर पूर्ण श्रद्धा से भगवान शिव और माता पार्वती के आगे दीपक जलाया जाए तो इससे पति पर आया हर संकट दूर हो जाता है। तो चलिए जानते हैं कि हरियाली तीज पर कौन सा दीया जलाना चाहिए। हरियाली तीज का व्रत जो भी सुहागिन महिला रखती है उसका वैवाहिक जीवन सुख-सौभाग्य से भर जाता है। इस साल हरियाली तीज 27 जुलाई को पड़ रही है। ज्योतिषाचार्य राधाकांत वत्स ने बताया कि हरियाली तीज के दिन अगर पूर्ण श्रद्धा से भगवान शिव और माता पार्वती के आगे दीपक जलाया जाए तो इससे पति पर आया हर संकट दूर हो जाता है। तो चलिए जानते हैं कि हरियाली तीज पर कौन सा दीया जलाना चाहिए।

हरियाली तीज के दिन आटे का दीपक जलाने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। साथ ही, घर में सुख-शांति स्थापित होती है। वैवाहिक जीवन की नकारात्मकता दूर होने लगती है। अगर किसी सुहागिन महिला के दांपत्य जीवन में बहुत क्लेश रहता है या फिर जीवनसाथी से अनबन होती रहती है तो ऐसे में हरियाली तीज के दिन शिवलिंग के समक्ष आते का दीया अवश्य जलाएं। आपको लाभ होगा।

आटे का दीपक किसी विशेष मनोकामना की पूर्ति के लिए जलाया जाता है। यह दीपक जलाने से भगवान शिव और माता पार्वती शीघ्र प्रसन्न होते हैं और भक्तों की इच्छाएं पूरी करते हैं। ऐसे में हरियाली तीज के दिन आटे का दीपक जलाते हुए अगर किसी मनोकामना हेतु संकल्प लिया जाए तो वह इच्छा शिव-शक्ति जरूर पूरी करते हैं। विशेष रूप से अगर पति के स्वास्थ्य के लिए ऐसा किया जाए तो फायदा होता है।हरियाली तीज के दिन आटे का दीपक शिवलिंग के समक्ष जलाने से पितरों का क्रोध शांत होता है। पितृ दोष के कारण अगर वैवाहिक जीवन में तनाव है तो वह भी नष्ट हो जाता है। दांपत्य रिश्ते में मिठास घुलने लगती है। पति-पत्नी का संबंध मधुर और मजबूत होता है।

कार्नर न्यूज

मौजूदा दौर में डिजिटल व्यस्तता से उपज रही कई समस्याएं

बच्चों के सामने क्या आप भी हर वक्त कॉल या मैसेज में रहती हैं व्यस्त तो नुकसान पहुंचा रही आपकी यह आदत

बच्चों के सामने आपकी लगातार फोन में व्यस्तता उन्हें भावनात्मक रूप से अलग-थलग कर सकती है, उनमें चिड़चिड़ापन बढ़ा सकती है, सामाजिक कौशल में कमी ला सकती है और वे भी ज्यादा स्क्रीन टाइम की ओर आकर्षित हो सकते हैं। ऐसे में, पैरेंट-चाइल्ड के बीच का बॉन्ड कमजोर हो सकता है। अपनी आदत पर ध्यान देना बच्चों के स्वस्थ विकास के लिए बेहद जरूरी है। स्मार्टफोन हमारी जिंदगी का एक अभिन्न हिस्सा बन गया है। हम लगातार कॉल पर बात करते हैं, मैसेज भेजते हैं, सोशल मीडिया स्क्रॉल करते हैं या ईमेल चेक करते हैं। यह डिजिटल जुड़ाव कई मायनों में सुविधाजनक है, लेकिन जब बात बच्चों की आती है, तो हमारी यह आदत उन्हें अनजाने में बड़ा नुकसान पहुंचा सकती है। माता-पिता जब अपने बच्चों के सामने हर वक्त अपने फोन में व्यस्त रहते हैं, तो इसका असर उनके भावनात्मक, सामाजिक और विकासात्मक पहलुओं पर पड़ सकता है। ऐसा इसलिए क्योंकि बच्चे अपने आस-पास के माहौल से सीखते हैं और जब वे देखते हैं कि उनके माता-पिता का ध्यान लगातार स्क्रीन पर है, तो यह उनके लिए कई नकारात्मक संदेश देता है।

बच्चों के सामने फोन इस्तेमाल करने से क्या होता है?

जब माता-पिता या देखभाल करने वाले बच्चे के सामने लगातार फोन में व्यस्त रहते हैं, तो इसे फोब्बिंग कहते हैं। यह आदत बच्चों के विकास और उनके साथ आपके रिश्ते पर कई नकारात्मक प्रभाव डाल सकती है, जिसके बारे में आगे बताया गया है।

बच्चे पर पड़ता है दुष्प्रभाव

स्मार्टफोन लोगों की जरूरत बन गए हैं। ऐसा लगता है कि अगर स्मार्टफोन न हो, तो पूरा जीवन ही थम जाएगा। हालत ऐसी हो गई है कि घर में भी हर वक्त कॉल, मैसेज या सोशल मीडिया के चक्कर में मोबाइल हाथ में ही रहता है। आपकी आंखों और सेहत को तो इससे नुकसान हो ही रहा है, साथ ही इससे घर में आपके बच्चे भी प्रभावित हो रहे हैं। अगर माता-पिता लगातार स्मार्टफोन में बिजी रहें, तो बच्चे के व्यवहार और विकास पर कई तरह से दुष्प्रभाव पड़ता है।

बच्चों में आती है नकारात्मकता

विज्ञान पत्रिका डेवलपमेंटल साइंस में प्रकाशित एक अध्ययन के मुताबिक, मां अगर स्मार्टफोन पर लगी रहती है, तो बहुत कम उम्र से ही बच्चों के व्यवहार पर नकारात्मक असर पड़ने लगता है। अध्ययन के दौरान सात महीने से दो साल तक के ऐसे बच्चों में ज्यादा चिड़चिड़ापन देखा गया। ऐसे बच्चे लोगों से जल्दी घुलते-मिलते भी नहीं। जैसे-जैसे बच्चे बढ़ते हैं, उनमें नकारात्मकता बढ़ती जाती है। सामाजिक रूप से भी ऐसे बच्चे कम मिलनसार और कम संवेदनशील होते हैं।

स्वयं को महत्वहीन समझने लगते हैं बच्चे

आठ से 13 साल तक के छह हजार बच्चों पर किए गए एक अंततराष्ट्रीय अध्ययन में पाया गया कि अगर माता-पिता घर में ज्यादा समय स्मार्टफोन पर बिताएं, तो बच्चे खुद को महत्वहीन समझने लगते हैं। बच्चों को लगता है कि कोई मैसेज या नोटिफिकेशन उनसे ज्यादा महत्वपूर्ण है, जो माता-पिता से मिलने वाला उनके हिस्से का समय छीन लेता है। खाने-पीने और आपसी बातचीत के दौरान माता-पिता द्वारा स्मार्टफोन देखते रहने से बच्चों को लगता है कि माता-पिता का ध्यान आकर्षित करने के लिए उन्हें स्मार्टफोन से प्रतिस्पर्धा करनी पड़ेगी।

बढ़ जाता है बच्चों का दुख और गुस्सा

घर में अगर बच्चों की अनदेखी करके माता-पिता ज्यादा समय स्मार्टफोन पर बिताते हैं तो बच्चों में दुख, गुस्से और अकेलेपन की भावना पनपने लगती है। ध्यान आकर्षित करने के लिए बच्चे ज्यादा शरारत करते हैं। गुस्से में चीजें तोड़ना या खराब करना भी उनकी आदत में शामिल होने लगता है। ऐसे में बच्चों में अकेलेपन की भावना आने का खतरा भी रहता है।

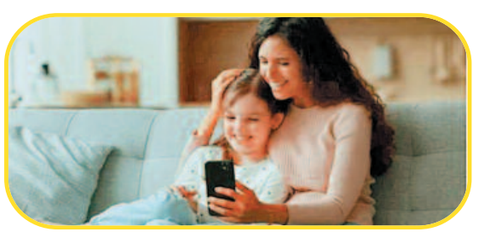

कुन्हा आयोग ने कहा- स्टेडियम असुरक्षित, जरूरी सुधार के बाद ही बड़ा आयोजन हो

बेंगलुरु भगदड़ : आरसीबी, इवेंट कंपनी और राज्य क्रिकेट संघ को जिम्मेदार बताया

आरोप

बेंगलुरु, एजेंसी

बेंगलुरु में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) की विक्ट्री डे परेड पर हुई भगदड़ को लेकर कर्नाटक सरकार की ओर से बनाए गए जस्टिस जॉन माइकल कुन्हा आयोग की रिपोर्ट शुक्रवार को सामने आई। इसमें स्टेडियम को बड़े आयोजनों के लिए असुरक्षित बताया गया है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि स्टेडियम की डिजाइन ऐसी नहीं है कि वहां बड़ी संख्या में लोग सुरक्षित तरीके से इकट्ठा हो सकें। स्टेडियम में भीड़ नियंत्रण, प्रवेश और निकासी व्यवस्था, पार्किंग और इमरजेंसी प्लान जैसी बुनियादी सुविधाओं की गंभीर कमी है। आयोग ने कहा,

भविष्य में ऐसे बड़े आयोजन सिर्फ उन स्थानों पर हों जहां अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा मानक पूरे किए जाते हों। साथ ही पुराने स्टेडियमों में जरूरी सुधार के बिना कोई बड़ा आयोजन न हो। स्टेडियम में 30 सितंबर से 2 नवंबर तक महिला वनडे वर्ल्ड कप के शुरुआती और सेमीफाइनल मैच होने थे, लेकिन अब मैच होंगे या नहीं यह तय नहीं है।

आरसीबी, डीएनए एंटरटेनमेंट और केएससीए जिम्मेदार

इसके अलावा कमेटी ने RCB फ्रेंचाइजी, उनके इवेंट पार्टनर DNA एंटरटेनमेंट और कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (KSCA) को इस हादसे के लिए जिम्मेदार ठहराया है और KSCA अध्यक्ष रघुराम भट, पूर्व सचिव ए शंकर, पूर्व कोषाध्यक्ष ईएस जयराम, RCB के वाइस प्रेसिडेंट राजेश मेनन और DNA एंटरटेनमेंट के वरिष्ठ अधिकारियों पर कार्रवाई की सिफारिश की गई है। IPL 2025 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) की पहली खिताबी जीत के जश्न के दौरान 4 जुलाई को चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर भगदड़ मच गई थी। इस हादसे में 11 लोगों की मौत हो गई और 50 से ज्यादा लोग घायल हो गए थे।

KSCA ने अपनी राज्य स्तरीय T20 लीग 'महाराजा ट्रॉफी' को भी दर्शकों के बिना कराने का फैसला किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि RCB ने 4 जून को सुबह 7:01 बजे अपने सोशल मीडिया हैंडल पर फ्री एंट्री की घोषणा की और लोगों को विधान सभा से चिन्नास्वामी स्टेडियम तक की विक्ट्री परेड में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया।

4 जून को विक्ट्री परेड के अलावा राज्य विधानसभा में खिलाड़ियों का सम्मान किया गया था।

कर्नाटक सरकार ने आरसीबी को जिम्मेदार बताया

इससे पहले 17 जुलाई को कर्नाटक सरकार की रिपोर्ट गुरुवार को सामने आई थी। रिपोर्ट में हादसे का जिम्मेदार RCB को बताया गया था। इसमें कोहली का भी जिक्र था। कर्नाटक सरकार ने कहा कि RCB ने चिन्नास्वामी में आयोजित विक्ट्री परेड के लिए सरकार से कोई अनुमति नहीं ली थी। हालांकि, सरकार ने यह भी कहा कि आयोजन को अचानक रद्द करने से हिंसा भड़क सकती थी और शहर में कानून-व्यवस्था बिगड़ जाती। सरकार ने 15 जुलाई को हाईकोर्ट को रिपोर्ट सौंपी थी। सरकार ने कोर्ट में कहा था कि वे रिपोर्ट को गोपनीय रखना चाहते हैं लेकिन कोर्ट ने कहा कि ऐसी गोपनीयता के लिए कोई कानूनी आधार नहीं है।

आरसीबी ने पुलिस को परेड की सूचना दी, अनुमति नहीं ली

रिपोर्ट के मुताबिक, RCB ने 3 जून को टीम के 18 साल बाद IPL खिताब जीतने पर पुलिस को विक्ट्री परेड की सूचना दी, लेकिन यह सूचना अनुमति मांगने के बजाय केवल जानकारी थी। जबकि, कानून के तहत ऐसे आयोजनों के लिए कम से कम सात दिन पहले अनुमति लेना जरूरी है। RCB ने ऑफिशियल अनुमति के लिए आवेदन नहीं किया। पुलिस को भीड़ की संख्या, व्यवस्था, या संभावित समस्याओं की जानकारी नहीं दी गई, इसलिए अनुमति नहीं मिली।

दक्षिण अफ्रीका को तीन रन से हराकर न्यूजीलैंड ने जीती त्रिकोणीय श्रृंखला

हरारे

डेवोन कॉन्वे और रचिन रविंद्र (47-47) रनों की शानदार पारियों के बाद आखिरी ओवर में मैट हेनरी (दो विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के दम पर न्यूजीलैंड ने शनिवार को टी-20 त्रिकोणीय श्रृंखला के फाइनल मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को तीन रन से हराकर खिताब अपने नाम किया।

181 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीका के लिए लुआन-द्रे प्रेटोरियस और रीजा हेंड्रिक्स की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 92 रन जोड़े। 10वें ओवर में माइकल ब्रेसवेल ने लुआन द्रे प्रेटोरियस को टिम सीफर्ट के हाथों स्टंप आउट कराकर न्यूजीलैंड को पहली सफलता दिलाई। लुआन द्रे प्रेटोरियस ने 35 गेंदों में पांच चौके और दो छक्कों की मदद से 51 रनों की पारी खेली। 13वें ओवर में जैकरी फॉक्स ने रीजा हेंड्रिक्स (31 गेंदों में 37 रन) को अपना शिकार बना लिया। हेंड्रिक्स ने अपनी पारी में चार छक्के लगाये। 15वें ओवर की आखिरी गेंद पर कप्तान रासी वान डेर डुसेन (18) को एडम मिल्ने ने आउट कर न्यूजीलैंड को तीसरी सफलता दिलाई। अगले ही ओवर में जेकब डफी ने रूबिन हरमन (11) को

आउट कर दक्षिण अफ्रीका की उम्मीदों को झटका दिया। मैच के आखिरी ओवर की दूसरी गेंद पर मैट हेनरी ने डेवाल्ड ब्रेविस (16 गेंदों में 31) को आउट कर एक बार फिर से मैच को न्यूजीलैंड के पक्ष में कर दिया। इसी ओवर की पांचवीं गेंद पर हेनरी ने जॉर्ज लिंडे (10) को आउट कर मैच को और रोमांचक बना दिया। मैच की आखिरी गेंद पर चार रन की दरकार थी और हेनरी ने उसे खाली निकाल कर न्यूजीलैंड को दक्षिण अफ्रीका पर तीन रनों से रोमांचक जीत दिला दी। दक्षिण अफ्रीका की टीम निर्धारित 20 ओवरों में छह विकेट पर 177 रन ही बना सकी। न्यूजीलैंड की ओर से मैट हेनरी ने 19 रन देकर दो विकेट लिये। जेकब डफी, जैकरी फॉक्स,मिल्ने और माइकल ब्रेसवेल ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड ने टिम सीफर्ट और डेवोन कॉन्वे की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 75 रन जोड़े। नौवें ओवर में सेनुरन मुथुसामी ने टिम सीफर्ट (30) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद 12वें ओवर में लुंगी एन्गिडी ने कॉन्वे को आउट कर दक्षिण अफ्रीका को दूसरी सफलता दिलाई। कॉन्वे ने 31 गेंदों में छह चौके और एक छक्के की मदद से 47 रनों की पारी खेली। मार्क चैपमैन (तीन) भी लुंगी एन्गिडी का शिकार बने। रचिन रविंद्र ने 27 गेंदों में चार चौके और दो छक्के लगाते हुए 47 रन बनाये। माइकल ब्रेसवेल 15 रन बनाकर पांचवें विकेट के रूप में आउट किये। न्यूजीलैंड ने निर्धारित 20 ओवरों में पांच विकेट पर 180 रनों का स्कोर खड़ा किया।

दक्षिण अफ्रीका की ओर से लुंगी एन्गिडी ने दो विकेट लिये। नांद्रे बर्गर और वेना मफाका और सेनुरन मुथुसामी ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। मैट हेनरी मैन ऑफ द सीरीज और मैन ऑफ द मैच रहे।

एआईएफएफ ने दी सफाई, कहा- जावी हर्नांडेज और पेप गार्डियोला के आवेदन वास्तविक नहीं थे

नई दिल्ली

अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने शनिवार को कहा कि विश्व कप विजेता स्पेनिश खिलाड़ी जावी हर्नांडेज का भारतीय फुटबॉल कोच पद के लिए ईमेल से भेजा गया आवेदन वास्तविक नहीं पाया गया तथा इस पद के लिए तीन अन्य आवेदकों की सिफारिश की गई है। एआईएफएफ ने छंटनी की गई सूची में नामों का खुलासा नहीं किया है, लेकिन माना जाता है कि खालिद जमील स्पेन के मनोलो मार्केज द्वारा खाली किए गए पद के लिए सबसे आगे हैं। वह वर्तमान में इंडियन सुपर लीग की टीम जमशेदपुर एफसी के मुख्य कोच हैं। एआईएफएफ ने कहा, एआईएफएफ को स्पेनिश कोच पेप गार्डियोला और जावी हर्नांडेज के आवेदनों से संबंधित एक ईमेल प्राप्त हुआ। उनके आवेदनों की प्रामाणिकता की पुष्टि नहीं की जा सकी और बाद में यह सामने आया कि ई-मेल से किए गए आवेदन वास्तविक नहीं थे। आईएम विजयन की अध्यक्षता वाली तकनीकी समिति ने जमील के अलावा पहले भी भारत के कोच रह चुके स्टीफन कॉन्स्टेंटाइन और स्लोवाकिया के स्टीफन टारकोविच के नाम की भी सिफारिश की है।

फिडे महिला विश्व कप फाइनल

कोनेरु हम्पी और दिव्या देशमुख के बीच पहला गेम ड्रा पर समाप्त

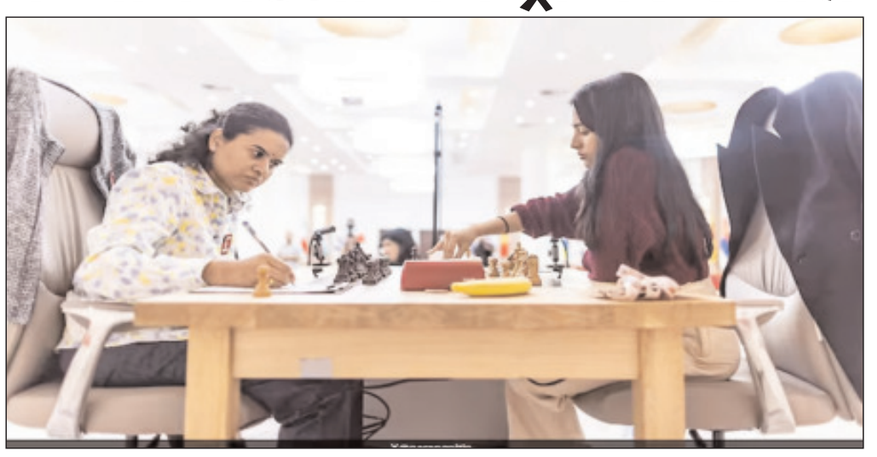

बातुमी (जॉर्जिया)

युवा भारतीय अंतरराष्ट्रीय मास्टर दिव्या देशमुख ने शनिवार को फिडे महिला विश्व कप फाइनल के पहले गेम में धैर्य का शानदार प्रदर्शन करते हुए दिग्गज कोनेरू हम्पी को बराबरी पर रोका। विश्व रैपिड चैंपियन हम्पी का इस ड्रॉ के बावजूद पलड़ा भारी होगा क्योंकि वह काले मोहरों से खेल रही थी। दो-गेम के इस मिनी-मैच में क्लासिकल शतरंज नियमों के तहत दूसरे और अंतिम गेम में हम्पी सफेद मोहरों से खेलेंगी। यह मुकाबला भी अगर बराबरी पर छूटा तो विजेता का निर्धारण करने के लिए कम अवधि के गेम खेले जाएंगे। पहला गेम रिपिटेशन के चलते गेम ड्रा पर खत्म हुआ। कोनेरू लगातार दिव्या को चेक कर रही थीं। दिव्या सफेद मोहरों से खेल रही थी जबकि कोनेरू काले मोहरों के साथ बोर्ड पर थी। इस ड्रॉ के बाद दोनों खिलाड़ियों को 0.5-0.5 अंक मिलते हैं। फाइनल का गेम 2 रविवार को खेला जाएगा। खेल का विजेता खिताब जीतेगा, जबकि उस खेल में ड्रा होने पर यह मुकाबला टाई-ब्रेकर में पहुंच जाएगा जो सोमवार को खेला जाएगा। फाइनल के पहले मैच में दिव्या देशमुख ने क्वीन्स गैम्बिट ओपनिंग के साथ शुरुआत की, जबकि वह अपनी 8वीं चाल में शॉर्ट कैसल के लिए गईं। कास्टलिंग तक खेल मोहरों के हिसाब से बराबरी का था। अपनी 8वीं चाल में हम्पी ने अपने बिशप को दिव्या के नाइट से बदल लिया। दिव्या अपने राजा के साथ पहले से ही सुरक्षित स्थिति में थी और बिशप को e3 पर डालने की अपनी 10वीं चाल के बाद एक अच्छा हमला कर रही थी। आश्चर्य की बात यह थी कि दिव्या ने 11वीं चाल में अपनी नाइट कुर्बान कर दी।

बुमराह लेंगे टेस्ट से संन्यास, मो. कैफ का चौंकाने वाला बयान

मैनचेस्टर

पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ का मानना है कि रोहित शर्मा, विराट कोहली और रविचंद्रन अश्विन के बाद जसप्रीत बुमराह टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने वाले अगले क्रिकेटर हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि दुनिया के नंबर एक गेंदबाज का शरीर साथ नहीं दे रहा है। 31 वर्षीय बुमराह इंग्लैंड के खिलाफ चल रहे चौथे टेस्ट के तीसरे दिन लय में नहीं दिखे और 28 ओवर गेंदबाजी करने के बाद उन्होंने जैमी स्मिथ का एकमात्र विकेट लिया।

कैफ ने अपने सोशल मीडिया हैंडल से एक वीडियो पोस्ट किया और बुमराह की फिटनेस पर बात की।

उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि जसप्रीत बुमराह आगामी टेस्ट मैचों में खेलते हुए नहीं दिखेंगे और यह भी संभव है कि वह संन्यास ले लें। विराट कोहली, रोहित शर्मा और रविचंद्रन अश्विन भी संन्यास ले चुके हैं। और अब लगता है, बुमराह की बारी है।

परनीत ने जीता महिला कंपाउंड व्यक्तिगत स्पर्धा में रजत पदक

एसेन (जर्मनी)

भारतीय महिला तीरंदाज परनीत कौर ने शनिवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए विश्व विश्वविद्यालय खेलों में महिला कंपाउंड व्यक्तिगत स्पर्धा का रजत पदक अपने नाम किया। आज यहां खेले गये रोमांचक फाइनल मुकाबले में भारत की परनीत कौर को दक्षिण कोरिया की मून यीउन से 146-147 से हारकर रजत पदक से संतोष करना पड़ा।परनीत कौर और कुशल दलाल की जोड़ी ने शुक्रवार को कंपाउंड मिक्स्ड टीम तीरंदाजी स्पर्धा में दक्षिण कोरिया के पार्क येरीन और सेउंगह्युन पार्क की जोड़ी को हराकर स्वर्ण पदक जीता था।

निहाल, अखिलेश ने जीता एशियाई कांस्य पदक: क्रालालंपुर । भारतीय एथलीट निहाल देवाली और अखिलेश सिंह ने 13वीं एशियाई जूनियर ताइक्वांडो चैंपियनशिप 2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक जीत लिये। निहाल ने 63 और अखिलेश ने 78 किलोग्राम वर्ग में कांस्य पदक जीते।

यूएई में नौ से 28 सितंबर तक खेला जायेगा एशिया कप

भारत और पाकिस्तान के बीच ग्रुप मुकाबला 14 सितंबर को दुबई में खेला जाएगा

लाहौर

एशियाई क्रिकेट परिषद के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने शनिवार को एशिया कप की तारीखों का ऐलान कर दिया। पुरुष क्रिकेट टीम के बीच होने वाला एशिया कप 9 से 28 सितंबर तक संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में खेला जाएगा। टूर्नामेंट में भारत और पाकिस्तान के बीच ग्रुप मुकाबला रविवार (14 सितंबर) को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जाएगा। टूर्नामेंट में भारत और पाकिस्तान की टीमें एक ही ग्रुप में हैं। ऐसे में रविवार (21 सितंबर) को सुपर 4 मैच में फिर से उनके आमने-सामने होने की उम्मीद है।

भारत के अभियान की शुरुआत 10 सितंबर को यूएई के खिलाफ

टीम इंडिया एशिया कप में अपने अभियान की शुरुआत 10 सितंबर को यूएई के खिलाफ करेगा। भारत के सभी मैच दुबई में खेले जाने की संभावना है। भारत, पाकिस्तान, यूएई और ओमान को ग्रुप-ए में रखा गया है। ऐसे ही श्रीलंका, बांग्लादेश, अफगानिस्तान और हांगकांग ग्रु प-बी में हैं। एसीसी 19 मैचों के इस टूर्नामेंट के लिए 17 सदस्यीय टीमों को अनुमति देगा। मैच दुबई और अबू धाबी में खेले जाएंगे।

टूर्नामेंट का मेजबान बीसीसीआई

बीसीसीआई इस टूर्नामेंट का मेजबान है। टूर्नामेंट का आयोजन संयुक्त अरब अमीरात में इसलिए हो रहा है, क्योंकि भारत और पाकिस्तान के बीच मौजूदा तनाव के कारण दोनों देशों ने 2027 तक केवल तटस्थ स्थानों पर ही मैच खेलने पर आपसी सहमति जताई है।

इसी के तहत इसी साल मार्च में चैंपियंस ट्रॉफी का मेजबान पाकिस्तान था, पर भारत ने सारे मुकाबले दुबई में खेले थे और चैंपियनशिप अपने नाम की थी।

तीन बार भिड़ सकते हैं भारत और पाकिस्तान

एशिया कप में भारत और पाकिस्तान को एक ही ग्रुप में रखा जाएगा, जहां दोनों एक बार भिड़ेंगी। इसके बाद सुपर फोर चरण में एक-दूसरे के खिलाफ एक और मुकाबला खेलने का मौका मिलेगा। अगर दोनों टीमें फाइनल में पहुंचती हैं तो उनके बीच तीसरा मुकाबला भी खेला जा सकता है।

टी-20 प्रारूप ही क्यों?

एशिया कप का यह संस्करण टी20 प्रारूप में आयोजित किया जाएगा। चूंकि, अगला आईसीसी टूर्नामेंट भारत और श्रीलंका में टी20 विश्व कप है, ऐसे में परंपरा के हिसाब से इस बार एशिया कप टी-20 फॉर्मेट में खेला जाएगा।

जांच आयोग ने आरसीबी के घरेलू मैदान चिन्नास्वामी को बड़े आयोजनों के लिए असुरक्षित माना

बेंगलुरु

गत चार जून को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के विक्ट्री परेड के दौरान एम चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर हुई दुखद भगदड़ की जांच के लिए कर्नाटक सरकार द्वारा नियुक्त न्यायमूर्ति जॉन माइकल कुन्हा आयोग इस निष्कर्ष पर पहुंचा है कि यह स्थल बड़े पैमाने पर होने वाले कार्यक्रमों की सुरक्षित मेजबानी के लिए सुरक्षित नहीं है।

अपनी रिपोर्ट में, आयोग ने कहा कि स्टेडियम का डिजाइन और संरचना स्वाभाविक रूप से सामूहिक समारोहों के लिए अनुपयुक्त और असुरक्षित है।

इस स्थल पर उच्च-उपस्थिति वाले कार्यक्रमों का आयोजन जारी रखने से सार्वजनिक सुरक्षा, शहरी गतिशीलता और आपातकालीन तैयारियों के लिए अस्वीकार्य जोखिम वाली स्थिति पैदा हो सकती है।

बैडमिंटन एशिया जूनियर व्यक्तिगत चैंपियनशिप

तन्वी शर्मा और वेन्नाला ने जीता कांस्य पदक

सोलो

बैडमिंटन एशिया जूनियर व्यक्तिगत चैंपियनशिप 2025 में भारत का शानदार अभियान तन्वी शर्मा और वेन्नाला कलागोटला द्वारा महिला एकल वर्ग में कांस्य पदक जीतने के साथ समाप्त हुआ। यह भारत के लिए ऐतिहासिक पहला मौका था, क्योंकि इस प्रतियोगिता के एक ही संस्करण में दो महिला एकल शटलर पोडियम पर पहुंची थीं। एक रोमांचक सेमीफाइनल में, वेन्नाला कलागोटला ने चीन की लियू सी या के मुकाबला 21-15, 21-18 से जीत लिया।दूसरे कोर्ट पर, दूसरी वरीयता प्राप्त तन्वी शर्मा का सामना आठवीं वरीयता प्राप्त चीन की यिन यी किंग से हुआ।

पहला गेम 13-21 से हारने के बाद, तन्वी ने जबरदस्त वापसी करते हुए 21-13, 21-14 से जीत हासिल की। तन्वी को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा।

एम्मा रादुकानू और लेयला फर्नांडीज डीसी ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे

वॉशिंगटन

एम्मा रादुकानू ने अपना विजय अभियान जारी रखते हुए मारिया सकारी को 6-4, 7-5 से हराकर डीसी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। ब्रिटेन की इस खिलाड़ी ने 2021 में अमेरिकी ओपन का खिताब जीतने के बाद पहली बार किसी बड़े टूर्नामेंट के अंतिम चार में जगह बनाई। जहां उनका सामना अन्ना कालिंस्काया से होगा, जिन्होंने क्लारा टॉसन को 6-3 7-5 से हराया। 2021 के अमेरिकी ओपन की उप विजेता लेयला फर्नांडीज ने भी क्वालीफायर टेलर टाउनसेंड को 6-4, 7-6(4) से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। फर्नांडीज का अगला मुकाबला 2022 की विंबलडन चैंपियन एलेना रयबाकिना से होगा जिन्होंने मैग्डानेला फ्रेच को 6-3, 6-3 से हराया। पुरुष वर्ग में अमेरिका के बेन शेल्टन लगातार दूसरे साल डीसी ओपन के सेमीफ़ाइनल में पहुंच गए हैं। उन्होंने क्वार्टर फ़ाइनल में हमवतन फ्रांसिस टियाफ़ो को 7-6(2) 6-4 से हराया। एलेक्स डी मिनौर और कोरेंटिन मौटेट भी सेमीफाइनल में पहुंच गए हैं जहां उनका आमना- सामना होगा। डी मिनौर ने ब्रैंडन नाकाशिमा को 6-4, 6-4 से और मौटेट ने 2021 के अमेरिकी ओपन चैंपियन दानिल मेदवेदेव को 1-6, 6-4, 6-4 से हराया।

ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज में बनाई अजेय बढ़त

बासटेयर

टिम डेविड (नाबाद 107) की तूफानी शतकीय प्रहार की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने तीसरे टी-20 मुकाबले में वेस्टइंडीज को 23 गेंदें शेष रहते छह विकेट से हरा दिया है। इसी साथ ही ऑस्ट्रेलिया ने पांच मैचों की सीरीज में 3-0 से अजेय बढ़त बना ली है। 215 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत अच्छी नहीं रही और एक समय वह 87 रन पर चार विकेट गंवाकर संघर्ष कर रही थी। ग्लेन मैक्सवेल (सात गेंद में 20) रनआउट हुये। इसके बाद जॉश इंग्लिस (15), मिचेल मार्श (22) और कैमरून ग्रीन (11) आउट हुये। ऐसे संकट के समय टिम डेविड और मिचेल ओवेन की जोड़ी ने तूफानी बल्लेबाजी का मुजाहिरा करते हुए ऑस्ट्रेलिया को 16.1 ओवर में चार विकेट पर 215 रन बनाकर छह विकेट से जीत दिला दी। डेविड ने केवल 16 गेंदों में तूफानी अर्धशतक बनाया जो कि ऑस्ट्रेलिया के लिए टी-20 क्रिकेट में अब तक का सबसे तेज अर्धशतक है। टिम डेविड ने रिकार्ड 36 गेंदों में 11 छक्कों और छह चौकों की मदद से नाबाद 102 की पारी खेली। यह ऑस्ट्रेलिया की ओर से किसी भी बल्लेबाज द्वारा टी-20 में बनाया गया सबसे तेज शतक है। मिचेल ओवेन ने 16 गेंदों में तीन छक्के और दो चौके लगाते हुए नाबाद 36 रन बनाये। वेस्टइंडीज की ओर से रोमारियो शेफर्ड ने दो विकेट लिये। जेसन होल्डर ने एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज के लिए ब्रैंडन किंग और कप्तान शाई होप की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 125 रनों की साझेदारी की। 12वें ओवर में मिचेल ओवेन ने ब्रैंडन किंग को कैमरून ग्रीन के हाथों कैच आउट कराकर ऑस्ट्रेलिया को पहली सफलता दिलाई। ब्रैंडन किंग ने 36 गेंदों में छह छक्कों और तीन चौकों की मदद से 62 रनों की पारी खेली। इसके बाद शिमरॉन हेटमायर (नौ), शरफेन रदरफोर्ड (12) और रोवमन पॉवेल (नौ) आउट हुये। वेस्टइंडीज ने निर्धारित 20 ओवरों में चार विकेट पर 214 रनों का स्कोर खड़ा किया। शाई होप ने 57 गेंदों में छह छक्के और आठ चौके लगाते हुए नाबाद 102 रनों की पारी खेली। ऑस्ट्रेलिया की ओर से नेथन एलिस, एडम जम्पा और मिचेल ओवेन ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

जांच के बाद ईंटखेड़ी पुलिस ने दर्ज किया प्रकरण

महर्षि विद्या मंदिर के अकाउंटेंट ने किया 33 लाख का गबन

भोपाल (नगर संवाददाता)

महर्षि विद्या मंदिर के अकाउंटेंट ने कोरोना काल में संस्था के पदाधिकारियों को गुमराह करते हुए चेक पर साइन करा लिए तथा बाद में खाते से निकाले गए पैसों को अपने बैंक खाते में जमा कर लिया। ऑडिट में जब यह बात पता चली तो उसने नौकरी छोड़ दी। इधर संस्था की ओर से मामले की शिकायत पुलिस को की गई थी। जांच के बाद मामले में धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज कराया गया है। ईंटखेड़ी एसडीओपी मंजू चौहान ने बताया कि महर्षि विद्या मंदिर के संयुक्त निदेशक विधि इंद्रजीत दत्त ने ईंटखेड़ी थाने में शिकातय की थी। इस शिकायत में उन्होंने जानकारी दी कि वर्ष 2020 में लांबाखेड़ा स्थित महर्षि विद्या मंदिर स्कूल में सुनील पांडे नाम का अकाउंटेंट था। संस्था का बैंक ऑफ बड़ोदा में खाता था। संस्था के पूरा आर्थिक लेन-देन सुनील के द्वारा ही किया जाता था। बैंक खाते से पैसा निकालने के लिए सुनील के अलावा एक अन्य पदाधिकारी के हस्ताक्षर होना जरूरी थे। चूंकि उस समय कोराना फैला हुआ था तथा अधिकांश लोग अपने घर से ही काम किया करते थे तो सुनील ने अलग-अलग मद के काम बताकर कई ऐसे का चैक पर साइन करा लिए जो काम होने ही नहीं थे और हुए भी नहीं। सुनील ने उन कार्यों के नाम पर पैसा निकाला तथा अपने बैंक खाते में जमा कर लिया। करीब एक साल बाद जब बैंक खातों का एडिट हुआ तो पता चला कि संस्था के खर्च के साथ ही फर्जी कार्यों के लिए करीब 33 लाख रुपए निकालकर फर्जीवाड़ा किया गया है। संस्था की जांच में सुनील पांडे के दोषी पाते ही संस्था की ओर से उसे बर्खास्त कर दिया गया। इधर मामले की शिकायत ईंटखेड़ी में थाने में कर दी गई। मामले की जांच एसडीओपी ईंटखेड़ी द्वारा की गई थी। जांच पूरी होने के बाद पुलिस ने सुनील पांडे के खिलाफ गबन और धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज कर लिया है।

फर्जी कार्यों के नाम पर खाते से निकाले पैसे

बदमाश ने शौचालय में छिपा रखी थी अवैध शराब, पुलिस ने दी दबिश

भोपाल। अवधपुरी पुलिस ने अवैध शराब की तस्करी करते हुए एक युवक को दबोचा है उसके पास से 69 लीटर शराब बरामद की गई है। पुलिस ने बताया कि मुखबिर से सुचना मिली थी कि बीडीए कालोनी अवधपुरी भोपाल का बदमाश गुड्डू बाथम उर्फ खेमचन्द्र धोसले अपने घर के पास अवैध रुप से शराब बेच रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची,पुलिस को देखकर बदमाश भागने की कोशिश करने लगा जिसे घेराबंदी कर दबोच लिया गया। अवैध मदिरा के बारे में पुछने पर उसके द्वारा खुद के मकान के बाजू में खाली पडे प्लाट में बने शौचालय में रखी अबैध देशी मदिरा प्लेन की कुल 8 पेटी रखना बताया। पुलिस ने वहां से कुल 384 क्वाटर देशी मदिरा प्लेन क्वाटर 180 एमएल शीलबंद (कुल 69 लीटर 120 मि.ली.) कीमती करीवन 28,800 रूपये बरामद की गई। उसके खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है।

टीटी नगर में छात्र के साथ हुई लूट की वारदात

किराए की बाइक चलाने वाले युवक को चाकू अड़ाकर मोबाइल लूटा

भोपाल (नगर संवाददाता)

गौतम नगर इलाके में बदमाशों ने बाइकचालक को चाकू अड़ाकर उसके हाथ से मोबाइल छीन लिया। इधर टीटी नगर इलाके में मेनिट छात्रा को निशाना बनाते हुए उसका मोबाइल झपट लिया गया। पुलिस ने दोनों ही मामलों में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गौतम नगर पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 25 वर्षीय मौजीलाल बैतूल जिले का रहने वाला है। वह ऑनलाइन बाइक सेवा उबेर का बाइक चालक है। भोपाल में वह शहंशाह गार्डन में किराए के मकान में रहता है। शुक्रवार की रात करीब ग्यारह बजे उसे करोंद मंडी के पास की बुकिंग मिली थी। इस कारण वह अपनी बाइक से पैसेंजर को लेने के लिए करोंद मंडी की ओर जा रहा था। जब वह रेश्म केंद्र के पास सुनसान स्थान पर पेशाब करने के लिए रूका। तभी पीछे से बाइक सवार दो अज्ञात बदमाश उसके पास पहुंचे और चाकू अड़ा कर बाइक की चाबी छीनी और जेब में रखा मोबाइल लूट लिया। इसके बाद दोनों बदमाश फरियादी की बाइक और मोबाइल लेकर फरार हो गए। लूट की वारदात के बाद फरियादी डर के कारण घर चला गया। जहां से कल शाम थाने पहुंचा और आरोपियों के खिलाफ झपटमारी का प्रकरण दर्ज कराया। पुलिस ने प्रकरण दर्ज करने के बाद बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है। इधर झपटमारी की एक और वारदात टीटी नगर इलाके में हुई। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 20 वर्षीय तन्मय युवक मेनिट में बीटेक अंतिम वर्ष की पढ़ाई कर रहा है। वह मूलतः इंदौर का रहने वाला है तथा यहां पर मैनिट के छात्रावास में रहता है। बुधवार की रात करीब सवा ग्यारह बजे वह अपने दोस्त सिंधूराज के साथ एक्टिवा से घूमने के लिए निकला था। एक्टिवा सिंधूराज चला रहा था और तन्मय पीछे बैठ कर मोबाइल पर किसी से बात कर रहा था। जैसे ही वह नानके पेट्रोल पंप के पास पहुंचे। तभी पीछे से बाइक पर सवार होकर आए दो बदमाशों ने छात्र तन्मय के हाथ से मोबाइल छीना और एमपी नगर की ओर तेजी से बाइक चलाकर फरार हो गए। घटना की सूचना मिलने के बाद टीटी नगर पुलिस ने झपटमारी का प्रकरण दर्ज कर लिया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने 'सकारात्मक सोच' महिला समूह की पहल को प्रशंसनीय बताया

भोपाल। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को मासिक कार्यक्रम 'मन की बात' में स्वच्छता आंदोलन में भोपाल की टीम 'सकारात्मक सोच' के स्वच्छता अभियान में किये जा रहे प्रयासों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि 2 अक्टूबर 2014 से शुरू किया गया स्वच्छता आंदोलन महत्वपूर्ण पड़ाव पर पहुंच गया है। अब इसका असर देश के अनेक शहरों में दिखाई पड़ रहा है। मध्यप्रदेश में स्वच्छता आंदोलन ने अनेक शहरों की तस्वीर बदली है, इनमें से राजधानी भोपाल भी है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सकारात्मक सोच टीम की बहनों के परिश्रम को बधाई दी है और आव्हान किया कि समाज के सभी वर्ग इस सकारात्मक सोच में अपनी सहभागिता करेंगे।

भोपाल टीम 'सकारात्मक सोच'

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने भोपाल की टीम 'सकारात्मक सोच' के प्रयासों को उल्लेख किया। 'सकारात्मक सोच' टीम की शुरूआत 2 महिलाओं के साथ की गई थी। आज इस टीम से 200 महिलाएं जुड़ गयी हैं। टीम का ध्येय वाक्य 'डिस्पोजल का बहिष्कार और कचरा मुक्त पृथ्वी का सपना' है। टीम ने अपनी शुरूआत 25 बर्तन बैंक से की। इसका उद्देश्य था प्लास्टिक को अलविदा कहा जा सके। समूह की महिलाओं ने हजारों कपड़े के थैले मंदिरों और सब्जी मंडियों में निशुल्क बाटें और लोगों में प्लास्टिक का उपयोग न करने के प्रति जागरूकता पैदा की। भोपाल टीम ने 17 पार्कों में श्रमदान किया.

राजधानी के 36 स्पाटों पर पानी का जमाव, कहीं नाली नहीं, कहीं ड्रेनेज खराब

थोड़ी देर की बरसात में ही रुक रहा पानी इससे सड़क में खराबी और जाम के हालात

भोपाल (नगर संवाददाता)

राजधानी में थोड़ी सी देर की बरसात में ही सड़क पर पानी जमा हो रहा है। शहर के ऐसे 36 स्पॉट हैं, जहां पानी जमाव से सड़क खराब होने के साथ ही जाम के हालात बन रहे हैं। इसका मुख्य कारण ड्रेनेज सिस्टम न होना और पानी की सही निकासी न होना बताया जा रहा है। यह स्पॉट ट्रैफिक पुलिस ने तलाशे हैं। इसकी विस्तृत रिपोर्ट बनाकर ट्रैफिक पुलिस ने नगर निगम को भी सौंपी है। लेकिन 24 घंटे बाद भी निगम अधिकारियों ने इस पर अमल नहीं किया। शहर में कहां-कहां जलभराव हो रहा है, यह आज तक नगर निगम के अधिकारी नहीं तलाश पाए। लेकिन यह काम ट्रैफिक पुलिस ने कर दिखाया है। ट्रैफिक पुलिस ने पूरे शहर का सर्वे करवाया है। इसकी एक सूची भी तैयार की गई है, जो निगम प्रशासन को भेजी गई। ताकि जलभराव की समस्या का स्थाई समाधान किया जा सके। रिपोर्ट में करीब 36 स्पॉट चिंहित किए गए हैं। जहां सबसे ज्यादा समस्या है। जलभराव के कारण भी ट्रैफिक पुलिस ने रिपोर्ट में तलाशे हैं। अब देखना होगा कि निगम कब इसका स्थाई समाधान करता है।

- **मानसरोवर से आरकेएमपी:** ट्रैफिक पुलिस की रिपोर्ट के मुताबिक रानी कमलापति स्टेशन के सामने और मानसरोवर तिराहे पर ज्यादा बारिश में सड़क तिरछी होने के कारण जलभराव हो रहा है। वही बंसल प्लाजा के सामने जल निकासी सिस्टम सड़क के ऊपर है। गणेश मंदिर तिराहा पर मेट्रो ब्रिज के नीचे सड़क मार्ग दोनों तरफ से ऊंचे हैं और बीच में गड्ढा है। गणेश मंदिर ब्रिज के बीच अतिक्रमण से पानी की निकासी नहीं बन रही है।
- **7 नंबर से बावड़िया ब्रिज तक:** सात नंबर चौराहा पर अधिक बारिश में नाले का पानी नही निकल पा रहा है। यहां नले की सफाई की जरूरत है। होटल रेडिसन के सामने भी यही समस्या है। बावड़िया ब्रिज और दानापानी रेस्टोरेंट के सामने पानी की निकासी नहीं है। ओल्ड कैम्पियन तिराहा पर निकासी नहीं है। खटलापुरा मंदिर के सामने डिवाइडर के पास पानी भर रहा है। यहां रोड दबकर तिरछी होने से यह स्थिति बनी है। प्रभात चौराहा से अशोका गार्डन की तरफ मुड़ते ही गड्ढा है। ऐसे करीब 36 स्पॉट चिंहित किए गए हैं।

नवांकुर सखी हरियाली यात्रा का आयोजन

भारतीय संस्कृति में ही प्रकृति की पूजा है: प्रमोद राजपूत

भोपाल (नगर संवाददाता)

मप्र जन अभियान परिषद विकासखंड फंदा जिला भोपाल के सेक्टर क्रमांक 5, रातीबड़, नवांकुर चयनित संस्था लुवाणा एज्युकेशन एण्ड वेलफेयर सोसायटी के आदर्श ग्राम नरेला में नवांकुर सखी हरियाली यात्रा कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि प्रमोद राजपूत, विशिष्ट अतिथि कार्यपालक निदेशक डॉ. बकुल लाड़, मनोज कामवार व वरिष्ठ नागरिक हरि प्रसाद , जिला समन्वयक कोकिला चतुर्वेदी द्वारा भारत माता के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलन तथा माल्यार्पण कर किया गया। नवांकुर संस्था लुवाणा एजुकेशन एंड वेलफेयर सोसायटी एंव ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति नरेला द्वारा नवांकुर सखियों को बीज रोपित 11-11 थैलियों का वितरण किया गया। 101 नवांकुर सखी इन बीज रोपित एवं अंकुरित थैलियों को परिवार के सदस्य के रूप में पोषित कर सुरक्षित स्थान पर रोपण कर पेड़ बनने तक उसकी देखभाल की जावेगी। ग्राम में नवांकुर सखियों द्वारा कलश यात्रा निकाली गयी। यात्रा राम हनुमान मंदिर से प्रारंभ होकर ग्राम में भ्रमण कर सामुदायिक प्रांगण पर समापन की गई। यात्रा में सम्मिलित नवांकुर सखियों द्वारा भजन, कीर्तन एवं पर्यावरण संरक्षण के नारे लगाए गए। कार्यक्रम की रूपरेखा के बारे में नवांकुर संस्था के अध्यक्ष कैलाश लुवाणा द्वारा विस्तृत रूप से बताया गया। अतिथियों ने अपने उद्बोधन में पर्यावरण संरक्षण में समाज की महत्वपूर्ण भागीदारी पर अपने विचार व्यक्त किये।

जनपद अध्यक्ष प्रमोद राजपूत ने कहा कि भारतीय संस्कृति ही विश्व की एकमात्र संस्कृति है जिसमें पशु पक्षियों पेड़ पौधों से लेकर प्रकृति की पूजा की जाती है। हमारे सारे त्यौहार प्रकृति से जुड़े हुए हैं।

48 घंटे पहले सख्त सुरक्षा के घेरे में विस

हर गेट पर सुरक्षाकर्मी तैनात, सोमवार से शुरू होगा मानसून सत्र

भोपाल (नगर संवाददाता)

विधानसभा का मानसून सत्र शुरू होने के 48 घंटे पहले विधानसभा परिसर को सुरक्षाकर्मियों ने सुरक्षा घेरे में ला दिया है। विधानसभा सचिवालय के फैसले के चलते आज यहां कामकाज भी बंद रहा और सिर्फ सुरक्षा प्रबंध से जुड़े अफसर और कर्मचारी ही विधानसभा परिसर में एंट्री कर पाए। सोमवार से शुरू होने वाले मानसून सत्र में कांग्रेस के व्यापक विरोध की आशंका के मद्देनजर इस बार सुरक्षा पर अधिक फोकस किया गया है। विधानसभा का मानसून सत्र शुरू होने के पहले ही इस बार सुरक्षा प्रबंधों के साथ धरना-प्रदर्शन को लेकर राजनीतिक सियासत गरमा गई है। विधानसभा अध्यक्ष के निर्देश पर विधानसभा के प्रमुख सचिव ने पहले तो विधायकों के विधानसभा परिसर में नारेबाजी और प्रदर्शन को प्रतिबंधित करने का निर्णय लिया। इसके बाद अब विधानसभा में एंट्री को लेकर सचिवालय सख्त है। अभी जबकि विधानसभा के मानसून सत्र शुरू होने में करीब 48 घंटे का समय बाकी है तो पूरे विधानसभा परिसर को सुरक्षा कर्मियों ने अपने घेरे में ले लिया है। गेट नम्बर तीन पर तो दिन भर पुलिस वाहनों का आना -जाना और अफसरों की रिहर्सल का दौर चलता रहा। इसके अलावा गेट एक, दो, चार और पांच को बंद रखा गया।

मीडिया और अन्य अफसरों के कार्यालय बंद

इसके पहले विधानसभा सत्र के दौरान यहां संचालित मीडिया कार्यालय सत्र के ठीक पहले अवकाश के पूर्व भी खुला रहता रहा है लेकिन इस बार शनिवार को यह दफ्तर बंद रहा, इसलिए मीडिया कर्मी पास के लिए पहुंचे और खाली हाथ लौटे। इन्हें बताया गया कि रविवार दोपहर से पास दिए जाएंगे। आज कार्यालय बंद रखा गया है। यही स्थिति अन्य समितियों से संबंधित कार्यालयों की भी रही।

ऐसे मिलेगी पासधारकों को विधानसभा परिसर में एंट्री

- किसी भी वाहन में लाल, पीली, नीली बत्ती (फ्लैश लाइट) नहीं लगी होगी और हूटर लगे वाहन प्रवेश नहीं पा सकेंगे।
- सत्र के दौरान विधानसभा परिसर और आसपास एलपीजी और सीएनजी से चलने वाले ऐसे वाहन जिन्हें आरटीओ से परमिशन है, वही एंट्री पा सकेंगे।
- अनधिकृत रूप से गैस से चलने वाले और बगैर नम्बर के वाहनों को एंट्री नहीं दी जाएगी।
- सत्र के दौरान विधानसभा परिसर में प्राइवेट आटो की एंट्री नहीं रहेगी।
- विधायकों की ड्यूटी में तैनात अंगरक्षकों का सत्र के दौरान विधानसभा में प्रवेश वर्जित किया गया है।
- बड़े हथियारधारी अंगरक्षक भी परिसर में प्रवेश नहीं पा सकेंगे।
- विधायकों के वैध प्रवेश पत्र धारक अंगरक्षकों और सहायकों के लिए बैठने की व्यवस्था नए शेड में की गई है।
- विशेष आगंतुक और मंत्रियों को गेट नम्बर एक या तीन से एंट्री मिलेगी।
- विधानसभा अध्यक्ष एक नम्बर एक से एंट्री करेंगे और निकास गेट तीन से होगा।
- विधायक और अधिकारी भी एक नम्बर गेट से एंट्री और तीन नम्बर गेट से एग्जिट करेंगे।
- पत्रकार और अन्य दो पहिया वाहन पासधारक गेट नम्बर पांच से एंट्री और एग्जिट करेंगे।

वीएस अन्नागिरी का लेंगे स्थान, एक अगस्त से वन बल प्रमुख भी बदलेंगे

हरिशंकर मोहंता बने आईएफएस एसोसिएशन के अध्यक्ष

भोपाल (नगर संवाददाता)

अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक हरिशंकर मोहंता आईएफएस एसोसिएशन के अध्यक्ष बनाए गए हैं। इसके पहले वीएस अन्नागिरी एसोसिएशन के अध्यक्ष थे। एसोसिएशन की उपाध्यक्ष सतपुड़ा टाइगर रिजर्व की संचालक राखी नंदा, वन विहार डायरेक्टर विजय कुमार को सचिव और विदिशा डीएफओ हेमंत यादव को सह सचिव बनाया गया है। उधर आईएफएस एसोसिएशन के अध्यक्ष के साथ एक अगस्त से वन बल प्रमुख की जिम्मेदारी भी नए अफसर संभालने वाले हैं।

आईएफएस एसोसिएशन विभागीय समन्वय, सेवा हितों की रक्षा, पारस्परिक संवाद और वन अधिकारियों के संगठनात्मक हितों के लिए कार्य करता है। इसी के चलते आईएफएस आफिसर्स के सेवा संबंधी मामलों में संरक्षण देने और समन्वय बनाने का काम एसोसिएशन द्वारा किया जाता है। बताया जाता है कि निवर्तमान अध्यक्ष अन्नागिरी का कार्यकाल अभी पूरा नहीं हुआ था लेकिन एसोसिएशन ने कल रात चुनाव कराए और मोहंता को नया अध्यक्ष चुना गया। मोहंता को विभाग में एक अनुशासित, निष्पक्ष और नीतिगत अधिकारी के रूप में जाना जाता है। मोहंता वन विभाग के सचिव की भूमिका भी निभा चुके हैं। अगली आईएफएस मीट अब मोहंता की लीडरशिप में होगी। इसके पहले सात माह पूर्व अन्नागिरी की अध्यक्षता में 10 जनवरी से दो दिवसीय आईएफएस मीट का आयोजन किया गया था।

31 जुलाई को रिटायर होंगे असीम, अंबाड़े को मौका मिलना तय

दूसरी ओर वन विभाग के प्रमुख (हॉफ) की जिम्मेदारी निभा रहे असीम श्रीवास्तव 31 जुलाई को रिटायर हो रहे हैं। उनके स्थान पर पदोन्नत किए जाने वाले अफसर का नाम तय हो चुका है। 24 जुलाई को हुई डीपीसी में नाम फाइनल होने के बाद अब सोमवार को इसके आदेश जारी होने की संभावना है। इस पद के लिए असीम श्रीवास्तव के बाद दूसरे सबसे सीनियर आईएफएस वीएन अंबाड़े का नाम तय माना जा रहा है।

भोपाल में तेज बारिश का असर जर्जर भवनों पर बढ़ा खतरा

बागसेवनिया में मकान का जर्जर हिस्सा ढहा, बुलंद दरवाजे में भी दरार

भोपाल (नगर संवाददाता)

शनिवार को बागसेवनिया इलाके में एक मकान का जर्जर हिस्सा ढह गया है। वहीं दोपहर के समय भोपाल के बुलंद दरवाजे में दरार आ गई और छत का प्लास्टर नीचे आ गया। यह स्थिति शहर में तेज बरसात के बाद बनी है। शहर के जर्जर भवनों पर इस बरसात में खतरा बढ़ गया है। एहतियात के तौर पर नगर निगम ने सभी 21 जोन की टीम को निर्देश दिए हैं कि अपने-अपने इलाकों में जर्जर भवनों पर नजर रखें। अधिक जर्जर होने की स्थिति में तुरंत खाली करवाएं। खासकर उन मकानों को तुरंत खाली करवाएं, जिन्हें हाल ही में नोटिस थमाए गए हैं।

दरअसल शहर में दो दिन से तेज बरसात का दौर जारी है। ऐसे में जर्जर भवनों पर खतरा मंडराने लगा है। नगर निगम ने बरसात शुरू होने से पहले ही 1550 जर्जर भवनों को खाली करने के लिए नोटिस थमाए थे। इनमें से 10 को अति जर्जर घोषित किया गया है। इनमें से ज्यादातर खाली भी हो चुके हैं लेकिन कुछ मकान ऐसे हैं, जो निगम के सर्वे में शामिल नहीं थे। अब उन पर खतरा बढ़ता जा रहा है। शनिवार को नगर निगम के वार्ड 55 के बागसेवनिया इलाके में एक मकान का जर्जर हिस्सा ढह गया।

हालांकि इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ। मकान में रहने वाले परिवार के मुताबिक समय पर मकान खाली कर दिया गया था।

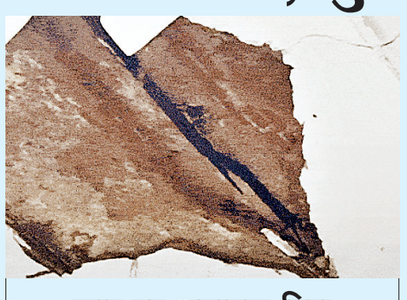

कार पर अचानक गिरा प्लास्टर, टला हादसा

इधर पुराने शहर के सदर मंजिल के पास ऐतिहासिक बुलंद दरवाजे का प्लास्टर अचानक गिरने से लोग घबरा गए। जब यह प्लाटर गिरा, रोजाना की तरह सड़क से ट्रैफिक गुजर रहा था, तभी प्लास्टर एक कार की छत पर गिर गया। इसलिए कोई घायल नहीं हुआ। अगर नीचे दो पहिया वाहन होते तो उन्हें गंभीर चोट लग सकती थी। इस घटना की वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही है।

धरोहरों की अनदेखी का आरोप लगाया

कुछ ही महीने पहले हुआ है दरवाजे का रेनोवेशन

सदर मंजिल के पास स्थित एक ऐतिहासिक गेट का प्लास्टर गिरने की घटना के बाद शनिवार को जमीअत उलमा ने शहर की ऐतिहासिक धरोहरों की अनदेखी का आरोप लगाया। मीडिया प्रभारी हाजी मोहम्मद इमरान हारून ने कहा कि एक तरफ भोपाल को स्मार्ट सिटी बनाने की कोशिश हो रही है, वहीं दूसरी ओर पुराने भोपाल की धरोहरों को नजरअंदाज किया जा रहा है। इमरान ने कहा कि जिस हिस्से का प्लास्टर गिरा, उसका कुछ ही महीने पहले संरक्षण कार्य हुआ था लेकिन, कार्य की गुणवत्ता इतनी खराब थी कि वह चंद महीनों में ही टूट-फूट का शिकार हो गया। यह न सिर्फ विभागीय लापरवाही दर्शाता है, बल्कि संरक्षण के नाम पर की जा रही खानापूर्ति को भी उजागर करता है। इमरान ने कहा कि बेनजीर गेट, इस्लामी गेट सहित कई इमारतें, हीरा मस्जिद, इकबाल मैदान के सामने, हमीदिया गर्ल्स स्कूल के पीछे की दीवार, बेनजीर गेट, इस्लामी गेट और बेनजीर महल जैसी इमारतें खस्ताहाल होती जा रही हैं, लेकिन इनके संरक्षण की तरफ कोई ध्यान नही दिया जा रहा है।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक **अभिषेक जोशी** द्वारा लक्की ऑफसेट 267 प्रगति नगर शहंशाह गार्डन भोपाल (म.प्र.) मुद्रित एवं म.नं. ई-100/22 शिवाजी नगर भोपाल मध्यप्रदेश से प्रकाशित।
सम्पादक : **अभिषेक जोशी** (समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल न्यायालय रहेगा।)